@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

गुरूवार, 8 जनवरी 2026

# कौमी पत्रिका
## राष्ट्रीय दैनिक अखबार

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 65 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

### आवारा कुाों से जुड़े मामले पर सुप्रीम कोर्ट-
# कैसे पता चलेगा, कुा काटने के मूड में है या नहीं?

● कुत्तों को लेकर गेटेड कम्युनिटी कर सकें फैसला, होना चाहिए प्रावधान : सुप्रीम कोर्ट

**एजेंसी**
**नई दिल्ली।** आवारा कुत्तों से जुड़े मामले में दाखिल याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को सुनवाई के दौरान एक वकील के बयान पर बड़ी टिप्पणी की। सुप्रीम कोर्ट ने अधिवक्ता वंदना जैन की एक दलील पर टिप्पणी की, 'जब हम पशु प्रेमियों की बात करते हैं, तो इसमें सभी जानवर शामिल होते हैं। मैं अपने घर में कोई जानवर रखना चाहता हूं या नहीं, यह मेरा विवेक है।' सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा, 'यही बात गेटेड कम्युनिटी पर भी लागू होती है। गेटेड कम्युनिटी में कुत्ते को घूमने देना चाहिए या नहीं, यह समुदाय को तय करना होगा। मान लीजिए, 90 प्रतिशत निवासियों को लगता है कि यह बच्चों के लिए खतरनाक होगा, लेकिन 10 फीसदी कुत्ते रखने पर जोर देते हैं। कोई कल भैंस ला सकता है। वे कह सकते हैं कि मुझे भैंस का दूध चाहिए।' सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि ऐसा कोई प्रावधान होना चाहिए जिसके तहत गेटेड कम्युनिटी मतदान के जरिए फैसला ले सके। वकील वंदना जैन ने कहा, 'हम कुत्तों के खिलाफ नहीं हैं। हमें कुत्तों के खतरे और सार्वजनिक सुरक्षा को देखना होगा। 6.2 करोड़ कुत्तों की आबादी है और स्थिति नियंत्रण से बाहर होती जा रही है।' मामले की सुनवाई कल भी जारी रहेगी।

### सुप्रीम कोर्ट ने की अहम टिप्पणियां

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं की दलीलों पर सवाल करते हुए कहा, 'क्या कुत्तों को यह सिखाया जा सकता है कि वे किसी को न काटें? किसी को कैसे पता चलेगा कि कौन सा कुत्ता काटने के मूड में है या नहीं?' सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पशुप्रेमियों को शेल्टर में मौजूद कुत्तों को खाना खिलाना चाहिए। 18 दिसंबर 2025 को सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया। दिल्ली नगर निगम की ओर से बनाए गए कुछ नियमों को 'अमानवीय' बताने वाली आपत्ति पर प्रतिक्रिया देते हुए अदालत ने कहा था कि अगली सुनवाई में एक वीडियो चलाया जाएगा और पूछा जाएगा कि 'मानवता आखिर है क्या'।

# भगवान् सोमनाथ से सबसे अधिक नफरत पंडित नेहरू को थी- भाजपा

● 'आखिर पंडित नेहरू को लियाकत अली खान से ऐसा क्या डर था जो वे उसे सोमनाथ मंदिर के बारे में पत्र लिख रहे थे।'

**एजेंसी**
**नई दिल्ली।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गुजरात स्थित सुप्रसिद्ध सोमनाथ ज्योतिर्लिंग मंदिर को पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के कुछ पत्रों को आज सोशल मीडिया पर साझा किया और दावा किया कि पंडित नेहरू के मन में सोमनाथ मंदिर को लेकर नफरत भरी थी। भाजपा प्रवक्ता डॉ सुधांशु त्रिवेदी ने बुधवार को एक्स पर नेहरू के पत्रों को उद्धृत करते हुए आरोप लगाया कि अतीत में सोमनाथ को मोहम्मद गजनी और खिलजी ने लूटा लेकिन आजाद भारत में भगवान् सोमनाथ से सबसे अधिक नफरत पंडित नेहरू को थी। इसका सबसे बड़ा सबूत पंडित नेहरू द्वारा 21 अप्रैल 1951 को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री लियाकत अली खान को लिखे पत्र से होता है। पत्र में नेहरू प्रिय नवाबजादा कहकर संबोधित करते हुए लिखते हैं और उसमें सोमनाथ के दरवाजों की कहानी को पूरी तरह से झूठा बताया। पंडित नेहरू ने लियाकत अली खान के आगे एक तरह से समर्पण करते हुए लिखा कि सोमनाथ मंदिर के निर्माण जैसा कुछ नहीं हो रहा। उन्होंने पूछा, आखिर पंडित नेहरू को

लियाकत अली खान से ऐसा क्या डर था जो वे उसे सोमनाथ मंदिर के बारे में पत्र लिख रहे थे। पाकिस्तान के प्रोपेगेंडा का सामना करने या भारत की सभ्यतागत स्मृति का बचाव करने के बजाय, पंडित नेहरू ने हिंदू ऐतिहासिक प्रतीकों को कम करके पाकिस्तान को खुश करना चुना और आंतरिक आत्मविश्वास के बजाय बाहरी तुष्टीकरण को प्राथमिकता दी। यह अंधी तुष्टिकरण की राजनीति और मुग़ल आक्रांताओं का महिमामंडन नहीं था तो और क्या था? उन्होंने कहा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू चाहते ही नहीं थे कि सोमनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार हो। पंडित नेहरू ने न केवल कैबिनेट मंत्रियों बल्कि राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद और उपराष्ट्रपति डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन तक को पत्र लिख कर सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण की ज़रूरत पर सवाल उठाया था और उन्हें उद्घाटन समारोह में शामिल होने से मना किया था। ये भी सच है कि पंडित नेहरू ने सभी भारतीय मुख्यमंत्रियों को दो-दो बार पत्र लिख कर सोमनाथ मंदिर के निर्माण पर शिकायत करते हुए लिखा कि इससे विदेशों में भारत की छवि खराब हुई है। इतना ही नहीं, पंडित नेहरू ने देश के सूचना प्रसारण मंत्री आर.आर. दिवाकर को पत्र लिख कर सोमनाथ मंदिर के अभिषेक समारोह की कवरेज को कम करने के लिए कहा, इस समारोह को दिखावटी बताया और यहाँ तक कहा कि यह समारोह दुनिया में भारत की छवि को नुकसान पहुंचा रहा है।

### दिल्ली हाइकोर्ट ने दुष्यत गौतम को दी अंतरिम राहत, सोशल मीडिया पोस्ट 24 घंटे में हटाने का आदेश

**एजेंसी**
**नई दिल्ली** । दिल्ली हाईकोर्ट में बुधवार को भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव दुष्यंत गौतम द्वारा दायर मानहानि याचिका पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने उन्हें अंतरिम राहत देते हुए साफ निर्देश दिए कि सोशल मीडिया पर उनके खिलाफ अपलोड किए गए पोस्ट और वीडियो तुरंत हटाए जाएं। दिल्ली हाईकोर्ट ने आम आदमी पार्टी (आप), कांग्रेस और अन्य प्रतिवादियों को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपलोड किए गए पोस्ट और वीडियो को 24 घंटे के भीतर हटाने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा कि अगर व्यक्तिगत प्रतिवादियों और राजनीतिक दलों द्वारा 24 घंटे के भीतर पोस्ट नहीं हटाए जाते हैं, तो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को स्वतः ही सामग्री हटाने का निर्देश दिया जाएगा। कोर्ट ने प्रतिवादी और उनके एजेंटों को गौतम को इस मामले में कथित वीवीआईपी बताते हुए टारगेट करने वाले किसी भी पोस्ट को अपलोड करने या किसी भी सामग्री को पुनः पोस्ट करने से भी रोक दिया है।

दिल्ली हाईकोर्ट ने इस मामले की अगली सुनवाई 4 मई को तय की है। इस सुनवाई में यह देखा जाएगा कि प्रतिवादियों ने कोर्ट के आदेश का पालन किया या नहीं।

### मनरेगा को धीरे-धीरे खत्म करने की भाजपा की गोपनीय साजिशः अखिलेश यादव

**लखनऊ** । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने जी राम जी योजना को लेकर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि मनरेगा को धीरे-धीरे ख़त्म करने की भाजपा की गोपनीय साजिश है। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने बुधवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, 'मनरेगा का नाम बदलने से क्या होगा? दरअसल, ये मनरेगा को धीरे-धीरे ख़त्म करने की भाजपा की गोपनीय साजिश है। भाजपा सरकार एक तरफ़ मनरेगा का बजट कम से कमतर करती जा रही है, तो दूसरी तरफ़ राज्यों पर पैसा खर्च करने का इतना दबाव बना दिया गया है कि 'जीएसटी सिस्टम' में केंद्र से पैसा न मिलने के कारण, पहले से ही खाली खजाने वाले राज्य, अतिरिक्त बजट की व्यवस्था कहां से कर पाएंगे? वे स्वयं ही इसे खत्म करने में जुट जाएंगे।' उन्होंने लिखा कि सैकड़ों ग्राम सभाओं को 'अर्बन कैटेगरी' में डालकर, उनका बजट भी भाजपा सरकार ने मार दिया है। सपा मुखिया अखिलेश ने आगे लिखा कि सही मायनों में मनरेगा का नाम बदलना ही नहीं बल्कि उसको 'राम-राम' करना ही भाजपा का लक्ष्य है। भाजपा अपने सिवा किसी और का पेट भरते हुए नहीं देख सकती। ग़रीब कहे आज का, नहीं चाहिए भाजपा।

### झारखंड में जंगली हाथी का कहरः एक रात में छह लोगों की मौत, पूरे इलाके में दहशत

**पश्चिम सिंहभूम** । झारखंड के पश्चिम सिंहभूम जिले में एक बेकाबू जंगली दंतैल हाथी ने आतंक मचा रखा है। देर रात नोवामुंडी और हाटगमहरिया इलाके में इस हाथी ने अलग-अलग हमलों में छह लोगों की जान ले ली। इनमें एक ही परिवार के चार सदस्य शामिल हैं। इस घटना से पूरे जिले में कोहराम मच गया है और ग्रामीणों में भय का माहौल है। चाईबासा के डिविजनल फॉरेस्ट ऑफिसर आदित्य नारायण ने इसकी पुष्टि की है। यह हाथी झुंड से बिछड़ गया है और पिछले कई दिनों से हिंसक होकर गांवों में घुस रहा है। साल 2026 की शुरुआत से ही इसकी वजह से मौतों का सिलसिला चल रहा है। अब तक जिले में हाथी के हमलों से नौ से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। मंगलवार की रात का हमला सबसे भयावह रहा। नोवामुंडी क्षेत्र में हाथी ने घरों में सो रहे लोगों पर अचानक धावा बोल दिया। एक परिवार के चार सदस्यों समेत छह लोग मारे गए। मृतकों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। हाटगमहरिया में भी इसी तरह के हमले हुए जहां लोग घरों से घसीटकर मारे गए।

# दिल्ली हाईकोर्ट ने डिफेंस कॉलोनी में बस्ती बावली मस्जिद के आसपास अतिक्रमण हटाने की याचिका निपटाई

● प्राधिकारियों को कानून के तहत कार्रवाई के निर्देश

**सेव इंडिया फाउंडेशन ने इस मामले को सार्वजनिक हित में उठाया था**

**एजेंसी**
**नई दिल्ली।** दिल्ली हाई कोर्ट ने डिफेंस कॉलोनी की बस्ती बावली मस्जिद और उसके आसपास अतिक्रमण हटाने की मांग वाली एक याचिका का निपटारा कर दिया है। यह याचिका गैर-सरकारी संगठन सेव इंडिया फाउंडेशन ने दायर की थी। कोर्ट ने फिलहाल याचिका पर कोई सीधा आदेश जारी करने से इनकार कर दिया। लेकिन, संबंधित प्राधिकारियों को शिकायत पर कानून के अनुसार उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। याचिकाकर्ता के वकील ने अदालत को बताया कि स्पेशल टास्क फोर्स सहित कई उच्च अधिकारियों को 25 नवंबर 2025 को औपचारिक शिकायत दी गई थी, मगर अब तक अतिक्रमण हटाने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। याचिका में मांग की गई थी कि एसटीएफ को इस शिकायत पर तुरंत

कार्रवाई करने के निर्देश दिए जाएं। याचिकाकर्ता का कहना था कि यह भूमि दिल्ली के डिफेंस कॉलोनी क्षेत्र में दो शैक्षणिक संस्थानों के बीच स्थित है। एक तरफ सरकारी उच्च माध्यमिक विद्यालय है और दूसरी तरफ शारदा पब्लिक स्कूल। इस जगह पर अवैध कब्जे की वजह से आम लोग और छात्रों को मूल लेआउट प्लान में निर्धारित खुले स्थान, खेल के मैदान या भविष्य में बनने वाले शैक्षणिक ढांचे का लाभ नहीं मिल पा रहा है। कोर्ट ने याचिका का निपटारा करते हुए प्राधिकारियों से कहा कि वे शिकायत की जांच करें और कानून के तहत जरूरी कदम उठाएं। हालांकि, अदालत ने अतिक्रमण हटाने का कोई तत्काल आदेश नहीं दिया है, जिससे याचिकाकर्ता को राहत नहीं मिली। सेव इंडिया फाउंडेशन ने इस मामले को सार्वजनिक हित में उठाया था, ताकि सरकारी भूमि पर अतिक्रमण से लोगों को होने वाली परेशानी दूर हो सके। इस फैसले के बाद अब संबंधित विभागों पर कार्रवाई की जिम्मेदारी आ गई है। संबंधित विभाग सर्वे कराकर या अन्य कानूनी प्रक्रिया अपनाकर स्थिति स्पष्ट करेंगे।

# सीएम रेखा ने छात्रों से किया सीधा संवाद

**कौमी पत्रिका**

नई दिल्ली, 7 जनवरी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता बुधवार को 9 से 12 जनवरी तक 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 2026' में हिस्सा लेने जा रहे दिल्ली के चयनित प्रतिभागियों की सेंड-ऑफ सेरेमनी (विदाई समारोह) में शामिल हुईं। राष्ट्रीय स्तर पर दिल्ली का प्रतिनिधित्व करने जा रहे युवा प्रतिभागियों से मुख्यमंत्री ने सीधा संवाद करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया और उन्हें राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी देने का संदेश दिया। इस अवसर पर दिल्ली के शिक्षा मंत्री श्री आशीष सूद सहित अन्य गणमान्य जन भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने दिल्ली के छात्रों से सीधा संवाद करते हुए कहा कि आज की युवा पीढ़ी में जो ऊर्जा, दृष्टि और राष्ट्र के प्रति समर्पण दिखाई देता है, वही भारत की सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश का युवा आज सशक्त, आत्मविश्वासी और राष्ट्र निर्माण के लिए संकल्पित है। छात्रों का यह संकल्प नवाचार, परिश्रम और सकारात्मक सोच के साथ भारत को नई ऊंचाइयों पर ले जा रहा है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली के युवाओं की ऊर्जा, प्रतिभा और इनोवेशन की समझ ही सशक्त, आत्मनिर्भर और विकसित दिल्ली की आधारशिला है। उन्होंने

प्रतिभागियों से कहा कि विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग केवल एक मंच नहीं, बल्कि नेतृत्व, विचार और जिम्मेदारी की यात्रा की शुरुआत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विद्यार्थियों से संवाद करते हुए उन्हें एक बार फिर अपने कॉलेज के दिनों की स्मृतियां ताजा हो गईं। उन्होंने अपने छात्र जीवन के अनुभव साझा करते हुए कहा कि आज के युवाओं में उन्हें वही आत्मविश्वास, जिज्ञासा और दृढ़ संकल्प दिखाई देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की प्रगति केवल सरकारों या नीतियों के बल पर नहीं होती, बल्कि 140 करोड़ नागरिकों की सामूहिक जिम्मेदारी और सहभागिता से ही संभव होती है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे केवल समस्याओं की पहचान तक सीमित न रहें, बल्कि समाधान का सक्रिय हिस्सा बनें और समाज व राष्ट्र के निर्माण में अपना योगदान सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग' में दिल्ली का प्रतिनिधित्व करने पर सभी युवाओं को बधाई दी और कहा कि यह कार्यक्रम उनके लिए केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि एक नई यात्रा की शुरुआत है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि राष्ट्रीय मंच से लौटने के बाद भी ये युवा सक्रिय बने रहेंगे और दिल्ली तथा देश के विकास में निरंतर योगदान देते रहेंगे। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों को यंग लीडर्स के रूप में संबोधित किया। शेष पृष्ठ 3 पर

# इंदौर दूषित पानी त्रासदी : प्रशासन ने 15 मृतकों के परिजनों को दिया मुआवजा

**एजेंसी**
**इंदौर** । मध्य प्रदेश के इंदौर के भागीरथपुरा इलाके में दूषित पानी से होने वाली मौतों का आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है। अब यहां से 18वीं मौत का मामला सामने आया है। दूसरी तरफ प्रशासन ने 15 मृतकों के परिजनों को मुआवजा दे दिया है। कलेक्टर शिवम वर्मा ने बताया कि मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जो भी नाम सामने आए, सभी पीड़ित परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। सरकार के सख्त निर्देश हैं कि मरीजों को कोई परेशानी न हो और परिजनों को जो भी सहायता दी जा सकती है, वो दी जाए। 15 लोगों को मुआवजा दिया गया बाकी 3 लोगों का बैंक खाता खुलवाकर मुआवजा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि मेडिकल रिपोर्ट जिनके आ रहे हैं, उनकी पुष्टि कर रहे हैं और भी मेडिकल रिपोर्ट आने वाली हैं, उसके बाद की कुछ स्थिति साफ हो सकती है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन

### 18 की मौत की पुष्टि

यादव ने हालात की गंभीरता को देखते हुए मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपए मुआवजे की घोषणा की थी। डॉक्टरों की एक विशेष टीम हर मामले की जांच कर रही है, ताकि मौतों की असल वजह साफ हो सके। प्रशासन का कहना है कि इस वक्त इंसानियत सबसे ऊपर है, इसलिए तकनीकी औपचारिकताओं में उलझने के बजाय पीड़ित परिवारों का सहारा बनना जरूरी था।

पिछले दिनों भागीरथपुरा इलाके में दूषित पानी पीने से कई लोगों की मौत हुई थी, जबकि प्रशासन सिर्फ चार लोगों की मौत स्वीकार रहा था, लेकिन अब रिपोर्ट आने के बाद यह आंकड़ा 18 तक पहुंच गया है, जिसके बाद उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ ने दो अफसरों को कारण बताओ नोटिस जारी किए थे।

इसके बाद भागीरथपुरा में दूषित पानी पीने से ही मौत के मामले में सरकार ने भी सख्त एक्शन लिया था और तीन अधिकारियों पर कार्रवाई की गई है। वहीं, जांच समिति भी बनाई गई है।

दूसरी ओर विपक्षी दल सरकार और नगर निगम को घेरने में लगे हुए हैं। इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा ने भागीरथपुरा क्षेत्र का दौरा कर नई पाइपलाइन कार्य का निरीक्षण करते हुए कहा कि जल प्रदूषण की स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सर्वे का काम लगातार किया जा रहा है। निरंतर सफाई और पानी के सैंपल लेने की प्रक्रिया जारी है ताकि हालात को जल्द से जल्द स्थिर स्तर पर लाया जा सके।

# सुकमा में 26 माओवादियों का आत्मसमर्पण

● सात महिलाएं भी शामिल

**एजेंसी**
**सुकमा** । छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में माओवादियों के खिलाफ बड़ी सफलता मिली है। बुधवार को सात महिलाओं सहित कुल 26 माओवादियों ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। ये कैडर पीएलजीए बटालियन, दक्षिण बस्तर डिवीजन, माड़ डिवीजन और आंध्र-ओडिशा बॉर्डर क्षेत्र में सक्रिय रहे हैं। इन पर कुल 64 लाख रुपए का इनाम घोषित था। आत्मसमर्पण सुकमा पुलिस के रक्षित आरक्षी केंद्र में हुआ। मौके पर पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। यह आत्मसमर्पण छत्तीसगढ़ सरकार की 'नक्सलवादी आत्मसमर्पण पुनर्वास नीति- 2025' और सुकमा पुलिस के 'पूना मार्गेम अभियान' से प्रभावित होकर हुआ। इस अभियान का मतलब 'पुनर्वास से पुनर्जीवन' है। पुलिस के लगातार ऑपरेशन और अंदरूनी इलाकों में नए सुरक्षा कैंप स्थापित होने से माओवादी संगठन कमजोर पड़ रहा है। इससे बाकी माओवादियों के लिए हिंसा छोड़कर मुख्यधारा में लौटने का रास्ता खुल रहा है। आत्मसमर्पित कैडरों में विभिन्न रैंक के लोग शामिल हैं। इनमें एक सीवाईपीसीएम, एक डीवीसीएम, तीन पीपीसीएम, तीन एसीएम और 18 पार्टी मेंबर हैं। ये सुकमा, माड़ क्षेत्र और ओडिशा की सीमा से लगे इलाकों में कई बड़ी वारदातों में शामिल रहे। इनमें सुरक्षा बलों पर हमले और आईईडी विस्फोट जैसी घटनाएं शामिल हैं, जिनमें कई जवान शहीद हुए। आत्मसमर्पण करने वालों में लाली उर्फ मुचाकी आयते जैसी हाई प्रोफाइल महिला कैडर भी है, जो प्लाटून डिप्टी कमांडर रही और 10 लाख की इनामी थी। अन्य में हेमला लखमा, आसमिता उर्फ कमलू और कई युवा कैडर शामिल हैं, जो मिलिशिया या पार्टी मेंबर के तौर पर काम कर रहे थे।

● इस सफलता में डीआरजी सुकमा, इंटेलिजेंस ब्रांच, सीआरपीएफ की विभिन्न बटालियनों और कोबरा की सूचना शाखा की अहम भूमिका रही।

# भाजपा के वरिष्ठ नेता कबिंद्र पुरकायस्थ का निधन

● पीएम मोदी और सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने जताया शोक

**एजेंसी**
**नई दिल्ली।** पूर्वोत्तर में भाजपा के बड़े नेता कबिंद्र पुरकायस्थ का सिलचर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में निधन हो गया। वह 94 साल के थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कबिंद्र पुरकायस्थ के निधन पर शोक व्यक्त किया है। इसके साथ ही असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने भी प्रतिक्रिया दी। प्रधानमंत्री मोदी ने कबिंद्र पुरकायस्थ के निधन पर कहा कि समाजसेवा और असम की प्रगति में उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। उनके निधन से गहरा दुख हुआ है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कबिंद्र पुरकायस्थ के साथ एक फोटो शेयर कर लिखा कि पूर्व सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री कबिंद्र पुरकायस्थ के निधन से गहरा दुख हुआ है। समाजसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और असम की प्रगति में उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। उन्होंने राज्य भर में भाजपा को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और प्रशंसकों के साथ हैं। वहीं, असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने कबिंद्र पुरकायस्थ के निधन पर दुख जताते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि वे एक प्रतिभाशाली विचारक और समर्पित कार्यकर्ता थे। वह स्वयं एक संस्था थे, जिन्होंने इस क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी की नींव रखी और इसे असम में लोगों की पसंदीदा पार्टी बनाने में मदद की। सिलचर की गलियों से संसद के गलियारों तक, प्रचारक के दिनों से केंद्रीय मंत्री बनने तक, उन्होंने हमेशा लोगों और उनकी समस्याओं को प्राथमिकता दी। उन्होंने असम और उत्तर-पूर्व के हितों की रक्षा के लिए विभिन्न मंचों पर लगातार काम किया।

# प्रधानमंत्री मोदी-नेतन्याहू की फोन पर बातचीत

● आतंकवाद के खिलाफ साझा संकल्प दोहराया

**एजेंसी**
**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से फोन पर बातचीत की। दोनों नेताओं ने भारत-इजरायल रणनीतिक साझेदारी को और सुदृढ़ करने के तरीकों पर चर्चा की और आतंकवाद के खिलाफ साझा संकल्प दोहराया। प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर लिखा, 'अपने मित्र प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बात कर उन्हें और इजरायल की जनता को नववर्ष की शुभकामनाएं दीं। आने वाले वर्ष में भारत-इजरायल रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने पर चर्चा हुई।' उन्होंने आगे कहा, 'क्षेत्रीय स्थिति पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया और आतंकवाद के खिलाफ और अधिक दृढ़ संकल्प के साथ लड़ने की साझा प्रतिबद्धता दोहराई।

' इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी बातचीत को उपयोगी बताया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों की राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने पर सार्थक चर्चा हुई। नेतन्याहू ने भारत-इजरायल संबंधों की मजबूती का उल्लेख करते हुए कहा कि इस साझेदारी की अपार संभावनाओं को दोनों देशों की जनता के हित में आगे बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से निकट भविष्य में व्यक्तिगत मुलाकात की इच्छा भी जताई। इससे पहले 17 दिसंबर 2025 को विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने यरुशलम में प्रधानमंत्री नेतन्याहू से मुलाकात कर प्रधानमंत्री मोदी की ओर से शुभकामनाएं दी थीं। इस दौरान तकनीक, अर्थव्यवस्था, कौशल एवं प्रतिभा, कनेक्टिविटी और सुरक्षा सहित कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई थी।

# आवारा कुत्तों से जुड़े मामले पर सुप्रीम कोर्ट बोला- आवारा कुत्तों से सडकें खाली रखनी होंगी

## वे हादसों का कारण बनते हैं, बच्चे-बड़ों को काट रहे, लोग मर रहे

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को आवारा कुत्तों से जुड़े मामले पर सुनवाई जारी है। बहस में कुत्तों के मूड, कुत्तों की काउंसलिंग, कम्युनिटी डॉग्स और इंस्टीट्यूशनलाइज्ड डॉग्स जैसे शब्द सामने आए। जस्टिस विक्रम नाथ ने कहा, बात सिर्फ काटने की नहीं है, कुत्तों से खतरा भी होता है। दुर्घटनाओं का खतरा। आवारा कुत्तों से सडकें खाली रखनी होंगी। आप इसकी पहचान कैसे करेंगे? सुबह-सुबह कौन सा कुत्ता किस मूड में है, यह आप नहीं जान सकते।

बहस में आवारा कुत्तों के फेवर में पैरवी कर रहे कपिल सिब्बल ने कहा, जब भी मैं मंदिरों वगैरह में गया हूं, मुझे कभी किसी ने नहीं काटा। सुप्रीम कोर्ट ने जवाब दिया- आप खुशकिस्मत हैं। लोगों को काटा जा रहा है, बच्चों को काटा जा रहा है। लोग मर रहे हैं। कपिल सिब्बल ने कहा- कुत्ते ने किसी को काटा है, तो आप एक सेंटर को कॉल करें, उसे ले जाया जाएगा, उसकी नसबंदी की जाएगी और उसे वापस उसी इलाके में छोड़ दिया जाएगा। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बस एक ही चीज बाकी है, कुत्तों को भी काउंसलिंग देना। ताकि वापस छोड़े जाने पर वह काटे नहीं।

### कल कोई सोसाइटी में भैंस ले आया, तो क्या करेंगे

सुप्रीम कोर्ट ने अधिवक्ता वंदना जैन की एक दलील पर टिप्पणी की, जब हम पशु प्रेमियों की बात करते हैं, तो इसमें सभी जानवर शामिल होते हैं। मैं अपने घर में कोई जानवर रखना चाहता हूं या नहीं, यह मेरा विवेक है। सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा, यही बात गेटेड कम्युनिटी पर भी लागू होती है। गेटेड कम्युनिटी में कुत्ते को घूमने देना चाहिए या नहीं, यह समुदाय को तय करना होगा। मान लीजिए, 90 प्रतिशत निवासियों को लगता है कि यह बच्चों के लिए खतरनाक होगा, लेकिन 10 फीसदी कुत्ते रखने पर जोर देते हैं। कोई कल भैंस ला सकता है। वे कह सकते हैं कि मुझे भैंस का दूध चाहिए।

### हम कुत्तों के खिलाफ नहीं हैं

सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि ऐसा कोई प्रावधान होना चाहिए जिसके तहत गेटेड कम्युनिटी मतदान के जरिए फैसला ले सके। वकील वंदना जैन ने कहा, हम कुत्तों के खिलाफ नहीं हैं। हमें कुत्तों के खतरे और सार्वजनिक सुरक्षा को देखना होगा। 6.2 करोड़ कुत्तों की आबादी है और स्थिति नियंत्रण से बाहर होती जा रही है। बुधवार को मामले की सुनवाई ढाई घंटे तक चली। इसके बाद इसे रोक दिया गया। अगली सुनवाई 8 जनवरी को सुबह 10.30 बजे से फिर शुरू होगी।

# कर्नाटक में बीजेपी का आरोप, महिला कार्यकर्ता की गिरफ्तारी के दौरान उनके कपड़े फाड़ दिए

हुबली (एजेंसी)। कर्नाटक के हुबली में महिला कार्यकर्ता की गिरफ्तारी के दौरान हुए हंगामे ने राजनीतिक रंग ले लिया है। भाजपा ने आरोप लगाया है कि पुलिस ने उनकी कार्यकर्ता के साथ मारपीट की और गिरफ्तारी के दौरान उनके कपड़े फाड़ दिए। वहीं, पुलिस ने आरोपों को सिरे से खारिज कर दावा किया है कि महिला ने खुद अपने कपड़े उतारे और पुलिसकर्मियों पर हमला किया। हुबली के चालुक्य नगर में सर्वे को लेकर लोगों और अधिकारियों के बीच विवाद शुरू हुआ था। विवाद इतना बढ़ा कि गाली-गलौज और मारपीट की नौबत तक आ गई। इस मामले में पुलिस ने हत्या के प्रयास सहित तीन अलग-अलग केस दर्ज किए। इसी कड़ी में 5 जनवरी को पुलिस जब आरोपी महिला को हिरासत में लेने पहुंची, तब ये हाई-वोल्टेज ड्रामा शुरू हो गया। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें महिला कार्यकर्ता बस के अंदर महिला और पुरुष पुलिसकर्मियों से घिरी दिख रही है। भाजपा का दावा है कि जब महिला ने गिरफ्तारी का विरोध किया, तब पुलिस ने उनके साथ बदसलूकी कर मारपीट की और उनके कपड़े तक फाड़ दिए। हुबली के पुलिस कमिश्नर शशि कुमार ने इन आरोपों को पूरी तरह गलत बताया है। उन्होंने घटना का दूसरा पक्ष रखा। कमिश्नर के मुताबिक, गिरफ्तारी के दौरान महिला ने जबरदस्त विरोध किया और एक सब-इंस्पेक्टर को दांत से काट लिया। साथ ही अन्य पुलिसकर्मियों के साथ भी हाथापाई की। पुलिस का कहना है कि महिला ने पुलिस वाहन में ले जाते समय विरोध जताने के लिए खुद अपने कपड़े उतार दिए थे। कमिश्नर ने बताया कि हमारे महिला स्टाफ ने ही लोगों की मदद से कपड़े मंगवाए और उन्हें पहनाए.

# 26 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण, दक्षिण-बस्तर और एओबी इलाके में थे सक्रिय

सुकमा (एजेंसी)। नक्सलियों के बटालियन नंबर-1 के कमांडर इन चीफ देवा बारसे के सरेंडर के बाद अब यह टीम भी पूरी तरह बिखर चुकी है। देवा के साथ काम करने वाले नक्सलियों ने सुकमा में सरेंडर कर दिया है। जिसमें 7 महिला समेत 26 नक्सली शामिल है। इन नक्सलियों पर 64 लाख रुपए का इनाम घोषित था। इनमें से कुछ नक्सली एओबी, दक्षिण बस्तर और माड़ डिवीजन में भी सक्रिय रहे हैं। आत्मसमर्पण करने वाले इन नक्सलियों में सीवायपीसीएम कैडर का 1, डीवीसीएम- 1, पीपीसीएम- 3, एसीएम- 3 और 18 नक्सली पार्टी मेंबर हैं। ये सभी नक्सली सुकमा, माड़ क्षेत्र और ओडिशा क्षेत्र में कई बड़ी वारदातों में शामिल रहे हैं। इनमें 1 लाख रुपए से लेकर 10 लाख रुपए तक का इनाम घोषित है। सुकमा जिले के एसपी किरण चव्हाण ने कहा कि, लगातार नक्सली सरेंडर कर रहे हैं। आज 26 नक्सलियों ने हिंसा का रास्ता छोड़ा है। नक्सल संगठन कमजोर पड़ा है। आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों को 50-50 रुपए प्रोत्साहन राशि दी गई है। उन्होंने नक्सलियों से अपील की है कि समय रहते हथियार डाल दो। हिंसा का रास्ता छोड़ दो।

# छात्रा से छेड़छाड़ और दीवार पर आई लव यू लिखने की सजा.... एक वर्ष की जेल

आगर्रा (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के आगरा में छात्रा का पीछा कर छेड़छाड़ और दीवार पर आई लव यू लिखने वाले आरोपित को न्यायालय ने एक वर्ष की सजा सुनाई है। पीड़िता उसके स्वजन द्वारा कई बार समझाने के बाद भी आरोपित मंजीत राठौर ने अपनी हरकत बंद नहीं हुई। इसके बाद पीड़िता ने उसके विरुद्ध सदर थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मृत्युंजय श्रीवास्तव ने आरोपित को एक वर्ष की सजा एवं दो हजार रुपये के जुर्माना लगाया। आरोपित 23 जनवरी 2025 से जेल में बंद है। सदर क्षेत्र निवासी पीड़िता ने जनवरी 2025 में आरोपित मंजीत राठौर के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया था। पीड़िता के अनुसार तीन वर्ष से स्कूल एवं कोचिंग जाने के दौरान उसका पीछा करके परेशान कर रहा था। कभी उसकी साइकिल पंचर कर देता, उसके घर की कुंडी खटखटा देता था। आरोपित मंजीत उस पर शादी के लिए दबाव बना रहा था। मना करने पर जान से मारने की धमकी देता था। पीड़िता और उसके स्वजन ने समझाने का प्रयास किया, आरोपित के स्वजन ने भी दुबारा शिकायत का मौका नहीं देने का आश्वासन दिया। इसके बाद भी आरोपित की हरकत बंद नहीं हुई, तब पीड़िता ने मुकदमा दर्ज कराया था। आरोपित 23 जनवरी 2025 से जिला जेल में बंद है। उसके विरुद्ध आठ अप्रैल 2025 को आरोप तय हुए थे। अभियोजन की ओर से पीड़िता उसकी मां, उप निरीक्षक शिवम मिश्रा, लोकेन्द्र सिंह, पुलिसकर्मी सौरभ कुमार को गवाही के लिए न्यायालय में पेश किया गया। सीजेएम मृत्युंजय श्रीवास्तव ने गवाहों के बयान एवं अभियोजन के तर्क पर आरोपित को सजा सुनाई।

# अंकिता भंडारी मामले में भाजपा नेता दुष्यंत गौतम को बड़ी राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंकिता भंडारी मामले में नाम उछाले जान के खिलाफ हाई कोर्ट पहुंचे भाजपा नेता दुष्यंत गौतम को बड़ी राहत मिल गई है। दिल्ली हाई कोर्ट ने प्रथम दृष्टया आरोपों को मानहानिकारक मानकर कांग्रेस, आम आदमी पार्टी सहित अन्य सोशल मीडिया हैंड्ल्स को गौतम से जुड़े कॉटेंट को हटाने का आदेश दिया है। अदालत ने साफ किया कि यदि गौतम का नाम उछालना जारी रखा गया, तब अंजाम भुगतना होगा। अदालत ने कांग्रेस, आप और अन्य प्रतिवादियों को अंकिता मामले में गौतम को वीआईपी बताने संबंधी किसी भी तरह की सामग्री प्रकाशित या प्रसारित करने से रोक दिया है। साथ ही अदालत ने आपत्तिजनक पोस्ट और वीडियो को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से तुरंत हटाने का निर्देश दिया है। हाई कोर्ट ने कहा है कि संतुलन की सुविधा (बैलेंस ऑफ कन्वीनियंस) वादी के पक्ष में है।

# मनी लॉन्ड्रिंग कानून को चुनौती देने से कुछ नहीं होगा आम आदमी की तरह ट्रायल का सामना करें

नई दिल्ली (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े मामलों की सुनवाई के दौरान एक महत्वपूर्ण और सख्त टिप्पणी की है। अदालत ने कहा कि आर्थिक रूप से संपन्न और प्रभावशाली लोग कानून की प्रक्रिया का सामना करने के बजाय, अक्सर केस दर्ज होते ही उस कानून की वैधता को ही चुनौती देने के लिए अदालत का रुख करते हैं। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत ने इस बढ़ते हुए रुझान पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए इसे एक दुर्लभ और चिंताजनक ट्रेंड करार दिया है। यह मामला तब सामने आया जब मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत और न्यायमूर्ति जॉयमाला की पीठ एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी। यह याचिका एक हाई-प्रोफाइल हेलीकॉप्टर सौदे से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले के आरोपी द्वारा दाखिल की गई थी, जिसमें प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के कुछ विशेष प्रावधानों की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी गई थी। कोर्ट ने स्पष्ट रूप से कहा कि जब किसी मामले का ट्रायल चल रहा हो, तब प्रभावशाली व्यक्तियों द्वारा कानून को चुनौती देना न्याय प्रक्रिया में बाधा जैसा है। पीठ ने याचिकाकर्ता को दो टूक शब्दों में निर्देश दिया कि वे किसी भी सामान्य नागरिक की तरह कानूनी ट्रायल का सामना करें।

शीर्ष अदालत ने इस याचिका पर विचार करने से इनकार करते हुए तर्क दिया कि इस कानून के प्रावधानों को पहले ही कई अन्य याचिकाओं के माध्यम से चुनौती दी जा चुकी है, जो अभी लंबित हैं। अदालत ने यह भी संकेत दिया कि आर्थिक अपराधों में शामिल प्रभावशाली लोगों द्वारा कानूनी पेचीदगियों का सहारा लेकर कार्यवाही में देरी करने की कोशिशों को बढ़ावा नहीं दिया जा सकता। इससे पूर्व भी कुछ राजनीतिक हस्तियों द्वारा इसी तरह की चुनौतियां दी गई थीं, जिन्हें लेकर न्यायालय का रुख अब और अधिक स्पष्ट और सख्त दिखाई दे रहा है।

# भारतीय किसान यूनियन के दो गुटों में फूट... डल्लेवाल के खिलाफ हुआ सिद्धूपुर गुट

चड़ीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब की राजनीति और किसान आंदोलनों में सक्रिय रहने वाली भारतीय किसान यूनियन (एकता-सिद्धूपुर) को दो गुटों में बंट गई। किसान संगठन के आठ जिलों के अध्यक्षों और वरिष्ठ पदाधिकारियों ने मौजूदा अध्यक्ष जगजीत सिंह डल्लेवाल के खिलाफ बगावत शुरु कर दी है। नाराज गुट ने संगठन के संस्थापक पिशोरा सिंह सिद्धूपुर के बेटे दलबीर सिंह सिद्धूपुर को अपना नया संयोजक बनाया है।

# दिल्ली-एनसीआर में फिर हुई हवा प्रदूषित...एयर क्वालिटी इंडेक्स फिर से रेड जोन में आया

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु गुणवत्ता फिर गंभीर श्रेणी में पहुंच गई है। एक दिन के लिए ऑरेंज जोन में आने के बाद दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद के अधिकांश इलाकों में एयर क्वालिटी इंडेक्स फिर से रेड जोन में आ गया है। आंकड़े बताते हैं कि करीब 90 प्रतिशत इलाके खराब से बेहद खराब श्रेणी में हैं। दिल्ली के कई इलाकों में एक्यूआई 300 के पार पहुंच गया है। ओखला फेज-2 में एक्यूआई 342, पटपड़गंज में 332, पंजाबी बाग में 324, पूसा में 345, आरके पुरम में 337, रोहिणी में 319, सिरिफोर्ट में 342, सोनिया विहार में 320 और श्री अरबिंदो मार्ग पर 308 एक्यूआई दर्ज हुआ। हालांकि, शादिपुर में एक्यूआई 165 रहा, जो येलो जोन में है, लेकिन यह राहत सीमित इलाकों तक दिखाई दी। नोएडा में भी स्थिति चिंताजनक है। सेक्टर-125 में एक्यूआई 309, सेक्टर-62 पर 269, सेक्टर-1 में 312 और सेक्टर-116 में 324 एक्यूआई रिकॉर्ड किया गया।

गाजियाबाद के इलाकों में प्रदूषण का स्तर और ज्यादा गंभीर दिखाई दिया। लोनी में एक्यूआई 385, वसुंधरा में 344, संजय नगर में 286 और इंदिरापुरम में 244 एक्यूआई दर्ज हुआ, जो दिखाता है कि औद्योगिक और रिहायशी दोनों क्षेत्रों में हवा सांस लेने लायक नहीं है। मौसम विभाग के अनुसार, हाल के दिनों में चली तेज हवाओं के कारण स्मॉग और प्रदूषण के बढ़ते स्तर पर कुछ हद तक राहत मिली है, लेकिन पूरी तरह राहत नहीं मिली है। 7 जनवरी को अधिकतम तापमान करीब 15 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। सुबह और दोपहर के समय घना कोहरा छाया रहा, जबकि दिनभर 'कोल्ड डे' की स्थिति बनी रही। 8 जनवरी को भी घने कोहरे का पूर्वानुमान है और 9 जनवरी तक मध्यम कोहरा बने रहने की संभावना है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि आने वाले दिनों में न्यूनतम तापमान में और गिरावट दर्ज हो सकती है, जिससे ठंड बढ़ेगी और कोहरे की समस्या बनी रहेगी।

# मध्यप्रदेश के ग्रामीण इलाकों में पीने का पानी इंसानों के इस्तेमाल के लायक नहीं

## जल जीवन मिशन की नई रिपोर्ट से हुआ खुलासा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भोपाल (ईएमएस)। इंदौर के भागीरथपुरा में काल बने पीने के पानी ने अब तक 20 लोगों की जान गई हैं और जो इससे बच गए, उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस घटना में मोहन सरकार कटघरे में है। वहीं विपक्ष भी इस मुद्दे पर हावी है। इस बीच मध्य प्रदेश के गांवों में पीने के पानी पर आई एक रिपोर्ट ने सभी को हैरान कर दिया। केंद्र सरकार के जल जीवन मिशन की नई रिपोर्ट से साफ होता है कि राज्य के ग्रामीण इलाकों में एक-तिहाई से अधिक पीने का पानी इंसानों के इस्तेमाल के लायक नहीं है।

रिपोर्ट के अनुसार मध्य प्रदेश में पानी के केवल 63.3 प्रतिशत नमूने ही गुणवत्ता मानकों पर खरे उतरे, जबकि इसका राष्ट्रीय औसत 76 प्रतिशत है। इसका मतलब है कि राज्य के ग्रामीण इलाकों में 36.7 प्रतिशत पानी के नमूने असुरक्षित मिले हैं। इसमें हानिकारक बैक्टीरिया (कीटाणु) या रासायनिक मिलावट मिली है। ये नमूने सितंबर-अक्टूबर 2024 के दौरान मध्य प्रदेश के 15,000 से अधिक ग्रामीण घरों से इकट्ठा किए गए थे।

यह स्थिति उन जगहों पर और अधिक खराब है, जो सुरक्षा और इलाज के लिए बनी हैं। रिपोर्ट के मुताबिक सरकारी अस्पतालों में पानी के केवल 12 प्रतिशत नमूने ही सूक्ष्मजीवविज्ञानी सुरक्षा जांच में पास हो पाए, जबकि इसका राष्ट्रीय औसत 83.1 प्रतिशत है। इसका मतलब है कि मध्य प्रदेश के लगभग 88 प्रतिशत अस्पतालों में मरीजों को असुरक्षित पानी दिया जा रहा है। स्कूलों में 26.7 प्रतिशत नमूने माइक्रोबायोलॉजिकल टेस्ट में फेल हो गए, जिससे बच्चे हर दिन दूषित पानी पीने को मजबूर हैं।

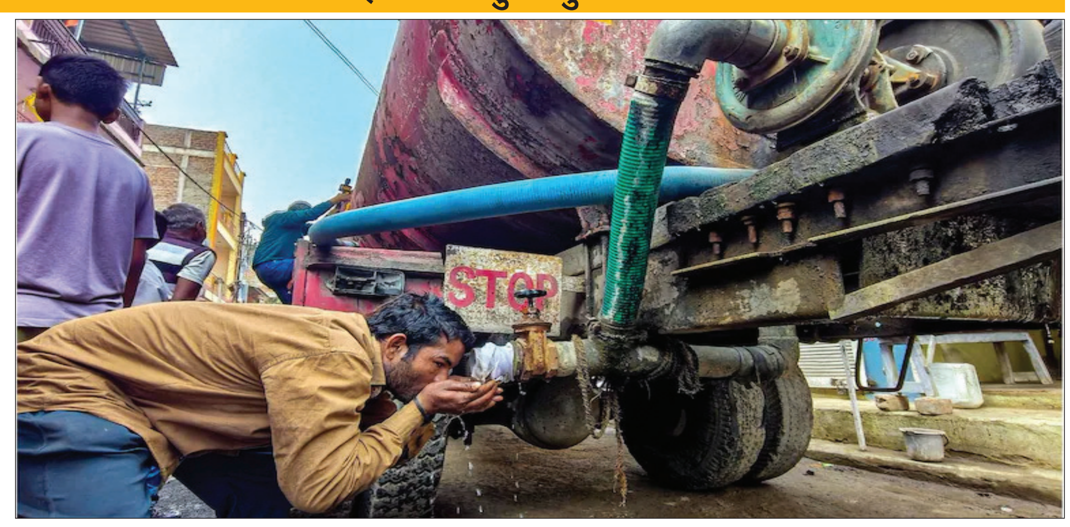

प्रदेश के अनूपपुर और डिंडोरी जैसे आदिवासी बहुल जिलों में स्थिति बहुत भयावक है, जहां एक भी पानी का नमूना सुरक्षित नहीं आया है। बालाघाट, बैतूल और छिंदवाड़ा में 50 प्रतिशत से अधिक पानी के नमूने दूषित मिले हैं। मध्य प्रदेश में केवल 31.5 प्रतिशत घरों में नल के कनेक्शन हैं, जो कि 70.9 प्रतिशत के राष्ट्रीय औसत से बहुत कम है। जहां पाइपलाइन बिछी भी है, वहां व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है, राज्य के 99.1 प्रतिशत गांवों में पाइप से जलापूर्ति की व्यवस्था है, लेकिन केवल 76.6 प्रतिशत घरों में ही चालू हालत में नल लगे हैं। इसका सीधा मतलब यह है कि हर चौथे घर में या नल खराब है या पानी ही नहीं आता।

इससे भी बदतर बात यह है कि नल से पानी आने का मतलब सुरक्षित पानी होना नहीं है। इंदौर जिला, जिसे आधिकारिक तौर पर 100 प्रतिशत नल कनेक्शन वाला घोषित किया गया है, वहां भी केवल 33 प्रतिशत घरों को ही सुरक्षित पीने का पानी मिल रहा है। पूरे राज्य में 33 प्रतिशत पानी के नमूने गुणवत्ता जांच में फेल हो गए, जो इसकी पुष्टि करता है कि संकट केवल पानी की पहुंच का नहीं, बल्कि जहरीली सप्लाई का है। केंद्र सरकार ने इस स्थिति को सिस्टम की ओर से पैदा की गई आपदा करार देकर चेतावनी दी है कि यदि पानी की गुणवत्ता में सुधार नहीं हुआ, तब इस साल फंड (बजट) में कटौती की जा सकती है।

यह चेतावनी एक बड़ी त्रासदी के बाद आई है। इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी पीने से 20 लोगों की मौत हो गई। 429 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा, जिसमें से 16 आईसीयू में हैं और तीन वेंटिलेटर पर हैं। अब मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने औपचारिक रूप से इस संकट को पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी (सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल) घोषित कर दिया है।

# चरखी दादरी में एड्स का बढ़ता खतरा, जागरूकता व जांच अभियान शुरू

**गुरुग्राम (एजेंसी)।** चरखी दादरी जिले में एचआईवी/एड्स संक्रमितों की संख्या 500 के पार पहुंचने के बाद हरियाणा स्वास्थ्य विभाग ने सतर्कता बढ़ा दी है। जिले में वर्तमान में 504 सक्रिय मामले सामने आए हैं, जिसके मद्देनजर हरियाणा स्टेट एड्स कंट्रोल सोसायटी के सहयोग से 12 दिवसीय जांच एवं जागरूकता अभियान शुरू किया गया है। इस अभियान का शुभारंभ 5 जनवरी को सिविल सर्जन एवं सीएमओ डॉ. नरेश कुमार ने अभियान नोडल अधिकारी डॉ. सुमन तंवर की मौजूदगी में किया। अभियान के तहत शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से लोगों को एचआईवी के प्रति जागरूक किया जा रहा है। पहले दिन संयुक्त टीम सांवड़ गांव पहुंची, जहां नुक्कड़ नाटक के साथ-साथ स्वास्थ्य विभाग की टीम ने हेल्थ कैंप लगाकर ग्रामीणों की एचआईवी जांच की। इसके बाद 6 जनवरी को रानीला गांव और 7 जनवरी को चरखी गांव में अभियान चलाया गया। अभियान का समापन 16 जनवरी को शहर की वाल्मीकि बस्ती में किया जाएगा। इस दौरान टीम कुल 11 गांवों और एक शहरी क्षेत्र में पहुंचेगी। कैंपों में एचआईवी जांच पूरी तरह निःशुल्क की जा रही है, जबकि बाहर जांच कराने पर शुल्क देना पड़ता है। साथ ही लोगों की काउंसिलिंग भी की जा रही है ताकि एचआईवी से जुड़े भ्रम दूर किए जा सकें। जांच कराने वाले व्यक्तियों की रिपोर्ट पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

इस 12 दिवसीय अभियान की रूपरेखा का शेड्यूल हरियाणा स्टेट एड्स कंट्रोल सोसायटी की ओर से तय किया गया है। दादरी जिले की बात करें तो अभियान के तहत टीम 11 गांवों और एक शहरी क्षेत्र में पहुंचेगी। सीएमओ ने बताया कि जो लोग अभियान से जुड़कर अपनी जांच कराएंगे उनकी रिपोर्ट गोपनीय रखी जाएगी। उन्होंने बताया कि जिले में एचआइवी संक्रमितों को सरकार की योजनाओं का लाभ भी दिया जा रहा है।

सीएमओ डॉ. नरेश कुमार ने बताया कि एचआईवी संक्रमितों को सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। इसके साथ ही अभियान के दौरान बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के तहत भी लोगों को जागरूक कर लिंगानुपात में सुधार का प्रयास किया जा रहा है। यह अभियान जिले में स्वास्थ्य जागरूकता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

# तमिलनाडु में हिंदुओं के अधिकार छीने जा रहे... शाह का ये आरोप सरासर गलत : स्टालिन

**चेन्नई (एजेंसी)।** तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का यह आरोप कि तमिलनाडु में हिंदुओं के अधिकार छीने जा रहे हैं, सरासर गलत है। मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा कि उनकी सरकार सभी धर्मों के लोगों की आस्थाओं का सम्मान कर उनके धार्मिक अधिकारों की रक्षा करती है।

उन्होंने कहा, ''तमिलनाडु जैसे राज्य में गृह मंत्री शाह का यह आरोप कि हिंदुओं के अधिकार छीने जा रहे हैं, सरासर गलत और उनके पद की गरिमा के अनुरूप नहीं है। सच यह है कि राज्य में दंगे और विभाजन पैदा करने की मंशा रखने वालों की मानसिकता सफल नहीं हुई है।'' स्टालिन ने कहा कि भविष्य में भी इस तरह की घटना कभी नहीं होगी।

सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने कहा, ''जब तक यह स्टालिन यहां है, ऐसा बिल्कुल नहीं होगा।' दरअसल केंद्रीय मंत्री और बीजेपी के चाणक्य शाह ने तमिलनाडु के पुदुकोट्टई में जनसभा के दौरान द्रमुक पर हिंदू धर्म और हिंदुओं की भावनाओं को लगातार अपमानित करने का आरोप लगाया था। शाह ने हिंदुओं पर हुए 'अत्याचारों' को लेकर स्टालिन सरकार की कड़ी आलोचना की।

उन्होंने आरोप लगाया कि हिंदू पूजा-पाठ के तरीकों का 'अपमान' किया जा रहा है और दावा किया कि अयोध्या राम मंदिर भूमि पूजा के दौरान राज्य में 'अघोषित कर्फ्यू लगाया गया था'। शाह ने कहा, ''उनके (द्रमुक के) वरिष्ठ नेता सनातन धर्म को डेंगू, मलेरिया कहते हैं। हिंदू शोभायात्राओं और विसर्जन (हिंदू देवी-देवताओं की मूर्तियों के विसर्जन) पर रोक लगा दी गई है। मैं स्टालिन से कहना चाहता हूं कि आपने हिंदुओं के खिलाफ अत्याचार करके संवैधानिक मूल्यों का उल्लंघन किया है।

# पाकिस्तान के पास परमाणु हथियार भले ही हों, भारत से है फिर भी बहुत पीछे

**-गिनती से नहीं तेजी से हथियार इस्तेमाल से मापी जाती है परमाणु ताकत**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत ने एक बार फिर पाकिस्तान को पीछे छोड़ दिया, लेकिन यह जीत किसी क्रिकेट मैच या फिर अर्थव्यवस्था की रैंकिंग की नहीं है। यह रेस है तबाही के सबसे बड़े हथियार यानी परमाणु बम की। इस बार फर्क सिर्फ संख्या का नहीं रणनीति का है। दूसरा विश्व युद्ध जापान के हिरशिमा और नागासाकी में हुआ। अमेरिका के दो परमाणु बम, लिटिल बॉय और फैट मैन पूरे शहर राख बन गए। लाखों लोग मारे गए। जो बचे वो पीढ़ियों तक बीमारियों से जूझते रहे हैं। इसके बावजूद दुनिया ने परमाणु हथियारों से दूरी नहीं बनाई बल्कि एक नई परमाणु दौड़ शुरू कर दी है। दावा किया जाता है कि परमाणु हथियार युद्ध रोकते हैं क्योंकि कोई भी देश इतना बड़ा जोखिम नहीं लेना चाहता।

सच्चाई यह है कि अगर यह हथियार चले तो युद्ध नहीं पूरी मानवता खत्म हो जाएगी। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट यानी कि एसआईपीआरआई सिपरी ने अपनी 2025 की रिपोर्ट जारी की। इस रिपोर्ट में जनवरी 2025 तक दुनिया के परमाणु हथियारों की पूरी तस्वीर सामने आई। रिपोर्ट के मुताबिक भारत के पास 180 परमाणु हथियार, पाकिस्तान के पास 170 परमाणु हथियार, चीन के पास करीब 600 परमाणु हथियार, रूस के पास 5459 और अमेरिका के पास 5177 परमाणु हथियार हैं यानी अमेरिका सबसे आगे है। चीन भले ही भारत से बहुत आगे है लेकिन भारत उतनी ही तेजी से परमाणु हथियार डेवलप कर रहा है।

भारत और पाकिस्तान के पास परमाणु हथियारों की संख्या में करीब-करीब बराबर है या फिर आसपास है लेकिन चीन बहुत आगे है। अब सवाल है फिर भी भारत कैसे आगे? क्योंकि कहा जा रहा है कि भारत ने पाकिस्तान को पीछे छोड़ दिया। क्योंकि परमाणु ताकत सिर्फ गिनती से नहीं मापी जाती है। असल पैमाना है कितनी तेजी से हथियार इस्तेमाल हो सकता है। कितनी दूर तक मार कर सकता हैं। कितने सुरक्षित और भरोसेमंद है और यहीं से भारत की रणनीतिक बढ़त शुरू हो जाती है।

रिपोर्ट के मुताबिक भारत ने 2024 में परमाणु हथियारों में गुणात्मक बदलाव किया। भारत की नीति थी परमाणु हथियार अलग, लांचर अलग, शांति काल में अलग-अलग भंडार, लेकिन अब मिसाइलें कैनिस्टर्स में सील होती है। हमेशा तैयार रहती हैं। जल्द लॉन्च होती है। ज्यादा सुरक्षित होती हैं। इसका मतलब तेज परमाणु प्रतिक्रिया दुश्मन को कोई मौका नहीं मिलेगा और भरोसेमंद डेट्रेंस। यहीं पर भारत को पाकिस्तान पर बढ़त मिल जाती है। पाकिस्तान को लेकर दुनिया भर में एक सवाल हमेशा उठता है, क्या पाकिस्तान के परमाणु हथियार सुरक्षित हाथों में है?

# अरावली टूटी तो बिगड़ेगा दिल्ली का मौसम

नई दिल्ली। राजधानी और उसके आसपास बसे करोड़ों लोगों के जीवन में अरावली पर्वत

शृंखला की भूमिका केवल भौगोलिक नहीं, बल्कि जीवनरक्षक है। विशेषज्ञों के अनुसार, यदि अरावली में माइनिंग का विस्तार हुआ तो इसका सीधा और गहरा असर दिल्ली की जलवायु पर पड़ेगा। गर्मियों में लू के थपेड़े और अधिक तीव्र और लंबे समय तक पड़ेंगे। सर्दियों में तापमान असामान्य रूप से गिर सकता है। वैज्ञानिक अध्ययनों और पर्यावरणीय रिपोर्टों के अनुसार, अरावली का क्षरण न केवल दिल्ली की भौगोलिक संरचना को प्रभावित करेगा, बल्कि जलवायु परिवर्तन की चुनौती को और अधिक भयावह बना देगा। जलपुरुष राजेंद्र सिंह ने बताया कि अरावली पर्वत शृंखला उत्तर भारत में फैली हुई है और दिल्ली-एनसीआर के लिए एक प्राकृतिक बफर यानी दीवार की तरह काम करती है। यह पहाड़ियां मानसून की बारिश को प्रभावित करती हैं, नमी को बनाए रखती हैं और गर्म हवाओं को रोकती हैं। उन्होंने बताया कि अरावली की तबाही से दिल्ली में हीटवेव्स बढ़ जाएंगी। ये पहाड़ियां दिल्ली को थार रेगिस्तान की गर्म हवाओं से बचाती हैं। अगर खनन से पेड़-पौधे और मिट्टी नष्ट हो गई, तो गर्म हवाएं सीधे दिल्ली पहुंचेंगी। इससे तापमान ज्यादा बढ़ेगा, रातें भी गर्म रहेंगी और लोगों को डिहाइड्रेशन, नींद की कमी जैसी समस्याएं होंगी। मोंगाबे इंडिया की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, अरावली का स्थान मौसम को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण है। यह मानसून बादलों को हिमालय की तरफ धकेलती है, जिससे उत्तर भारत में जरूरी बारिश होती है। लेकिन खनन से ये पहाड़ियां कमजोर हो रही हैं, जिससे रेगिस्तान की रेत दिल्ली तक पहुंच सकती है और वायु प्रदूषण बढ़ सकता है। इससे दिल्ली में पहले से ही खराब हवा की समस्या और बदतर हो जाएगी। कई रिपोर्ट्स बताती हैं कि अगर अरावली कमजोर हुई, तो रेगिस्तान की हवाएं ठंड को और बढ़ा सकती हैं, क्योंकि बफर कम हो जाएगा।

# राजधानी से चुराए फोन कोलकाता के रास्ते बांग्लादेश में बेचते थे, 116 मोबाइल-एक स्कूटी बरामद, चार पकड़े

**कौमी पत्रिका**

नई दिल्ली। मध्य जिले के स्पेशल स्टाफ ने एक चोरी व झपटमारी के मोबाइल को बांग्लादेश में बेचने वाले गिरोह का खुलासा किया है। आरोपी मोबाइल कोलकाता के रास्ते बांग्लादेश ले जाते थे। पुलिस ने गिरोह के चार आरोपियों मास्टरमाइंड मौजपुर निवासी समीर उर्फ राहुल, चौहान बांगर निवासी सलमान व अयान और भलस्वा डेरी निवासी दिलशाद यासीन कुरैशी को गिरफ्तार किया है। इनके पास से कब्जे से कुल 116 चोरी के मोबाइल और एक स्कूटी बरामद की है। मध्य जिला पुलिस उपायुक्त निधिन वाल्सन ने बताया कि आरोपियों पर पहले भी हत्या के मामले सहित कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। आइफोन को अनलॉक करने के लिए विदेशी मोबाइल अनलॉकिंग सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल करते थे। गिरोह का मास्टरमाइंड समीर दूसरों के लिए चोरी के फोन को गैर-कानूनी तरीके से अनलॉक करने के लिए प्रति हैंडसेट 1,500 तक चार्ज करता था। पुलिस ने इनकी गिरफ्तारी से मध्य, उत्तरी, पश्चिमी, पूर्वी, नार्थ-ईस्ट और शाहदरा जिलों से संबंधित झपटमारी और चोरी के 42 मामले सुलझाने का दावा किया है। उपायुक्त वाल्सन ने बताया कि पटेल नगर थाने में महिला ने 18 दिसंबर को शिकायत दी थी कि उनका आइफोन 16 प्रो स्कूटी सवार दो बदमाशों ने छीन लिया है। पुलिस ने जांच शुरू की और 150 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। जांच चल ही रही थी कि 19 दिसंबर को शिकायतकर्ता के दोस्त के मोबाइल पर एक वाट्सएप मैसेज मिला। तकनीकी निगरानी पर पता चला कि उपरोक्त सिम कार्ड स्टार वायर इंडिया लिमिटेड के एक कर्मचारी के नाम पर रजिस्टर्ड था, जिसका मोबाइल पहले कश्मीरी गेट मेट्रो स्टेशन के पास से चोरी हुआ था। जांच में 27 दिसंबर को टेक्निकल सर्विलांस के आधार पर, संदिग्ध की लोकेशन जाफराबाद मेट्रो स्टेशन के पास मिली। मुखबिर की निशानदेही पर छापेमारी कर समीर और सलमान को दबोचा गया। पूछताछ में समीर ने बताया कि वर्ष 2022 में अपराधियों के संपर्क में आने के बाद उसने चोरी के आइफोन और एंड्रायड फोन खरीदना शुरू कर दिया। उसके साथी अयान, सलमान और दिलशाद उसे चोरी के फोन सप्लाई करते थे। उन डिवाइस को अनलॉक करने के बाद, वह उन्हें अपने साथियों को वापस कर देता था, जो बिचौलियों के जरिए उन्हें अवैध पैसे कमाने के लिए बांग्लादेश बेच देते थे। बाद में पुलिस ने इसकी निशानदेही पर आरोपित अयान और दिलशाद यासीन कुरैशी को गिरफ्तार किया। पुलिस इनसे पूछताछ कर इन मोबाइल फोन का लिंक पता लगाने और दिल्ली और देश के दूसरे हिस्सों में चल रहे संगठित आपराधिक नेटवर्क का पता लगाने के लिए जांच में जुटी है।

# सीएम रेखा ने छात्रों से किया सीधा संवाद

**प्रथम पृष्ठ का शेष**

साथ ही यह भी आश्वस्त किया कि दिल्ली सरकार युवाओं के व्यक्तिगत और सामूहिक प्रयासों में सदैव उनके साथ खड़ी रहेगी। इस अवसर पर दिल्ली सरकार में शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग में चयन होना अपने-आप में एक बड़ी उपलब्धि है। यह आयोजन राष्ट्र-निर्माण की भावना का संकल्प है। शिक्षा मंत्री ने सभी विद्यार्थियों को अमृतकाल की युवा पीढ़ी बताया। उन्होंने आगे कहा आप सभी की जर्सी पर लगा 'टीम दिल्ली' का बैज केवल पहचान नहीं, बल्कि जिम्मेदारी है। एक समय था जब दिल्ली के युवाओं को प्राइवेट और सरकारी स्कूलों के नाम पर बांटा जाता था। लेकिन आज प्रधानमंत्री जी के विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जी द्वारा किए गए आज के फ्लैग-ऑफ ने आप सभी को एक सूत्र में बांध दिया है। श्री सूद ने कहा कि रोहिणी से लेकर यमुना पार तक, पश्चिम दिल्ली से लेकर दक्षिण दिल्ली तक, दिल्ली के हर कोने से आप सतत विकास, विकसित दिल्ली, स्टार्टअप कैपिटल दिल्ली और सरकार में इनोवेशन जैसे विषयों पर समाधान के साथ देश के सामने अपनी बात रखेंगे। शिक्षा मंत्री ने आगे कहा कि विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग आपको सरकार की वास्तविक जरूरतों, नीति निर्माण की बारीकियों और नई सोच के साथ बदलाव लाने का अवसर देगा। इसका आयोजन भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की ओर से 9 से 12 जनवरी तक नई दिल्ली के भारत मंडपम में किया जा रहा है। यह राष्ट्रीय स्तर का कार्यक्रम है, जो देशभर के युवाओं को साझा मंच प्रदान करेगा, जहां वे भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य पर संवाद, विचार-विमर्श और नवाचार आधारित समाधान पेश करेंगे। कार्यक्रम में 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के चयनित प्रतिभागी देश के सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से भाग लेंगे।

# गाजियाबाद-नोएडा और गुरुग्राम ने प्रदूषण में दिल्ली को पछाड़ा, फरीदाबाद फिर सबसे साफ

नई दिल्ली। राजधानी में हवा की दिशा बदलने से बयार भले ही मंगलवार को बेहद खराब श्रेणी में पहुंच गई, लेकिन लोगों को प्रदूषण से राहत नहीं मिली है। सुबह की शुरुआत धुंध और कोहरे की मोटी परत से हुई। वहीं, पूरे दिन आसमान में स्मॉग की मोटी चादर भी दिखाई दी। इसके चलते कई इलाकों में दृश्यता भी बेहद कम रही। साथ ही, लोगों को आंख में जलन व सांस के मरीजों को परेशानी महसूस हुई। ऐसे में मंगलवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 388 दर्ज किया गया। यह हवा की बेहद खराब श्रेणी है। इसमें सोमवार की तुलना में 13 सूचकांक की गिरावट दर्ज की गई। दूसरी ओर, एनसीआर में गाजियाबाद की हवा सबसे अधिक प्रदूषित रही। यहां एक्यूआई 404 दर्ज किया गया, यह हवा की गंभीर श्रेणी है। वहीं, नोएडा में 400, गुरुग्राम में 294 और ग्रेटर नोएडा में 366 एक्यूआई दर्ज किया गया। इसके अलावा, फरीदाबाद की हवा सबसे साफ रही। यहां सूचकांक 243 दर्ज किया गया। यह हवा की खराब श्रेणी है। दिल्ली में वायु गुणवत्ता प्रबंधन के लिए निर्णय सहायता प्रणाली के अनुसार, वाहन से होने वाला प्रदूषण 15.33 फीसदी रहा। इसके अलावा पेरिफेरल उद्योग से 7.66, आवासीय इलाकों से 3.71, निर्माण गतिविधियों से 2.06 और सड़क से उड़ने वाली धूल की 1.10 फीसदी की भागीदारी रही। सीपीसीबी के अनुसार, मंगलवार को हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से 16 किलोमीटर प्रतिघंटे के गति से चली। वहीं, अनुमानित अधिकतम मिश्रण गहराई 800 मीटर रही। इसके अलावा, वेंटिलेशन इंडेक्स 3000 मीटर प्रति वर्ग सेकंड रहा। दूसरी ओर, दोपहर तीन बजे हवा में पीएम10 की मात्रा 293.7 और पीएम2.5 की मात्रा 192.8 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज की गई। वहीं, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) का पूर्वानुमान है कि बुधवार को हवा गंभीर श्रेणी में पहुंचने की आशंका है। इसके चलते सांस के मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा। साथ ही, लोगों को आंखों में जलन, खांसी, और सिर दर्द जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा, मंगलवार को कई इलाकों में गंभीर और बेहद खराब श्रेणी में हवा दर्ज की गई। विशेषज्ञों के अनुसार, लगातार बनी हुई गंभीर वायु गुणवत्ता का मुख्य कारण मौसम का मिजाज है। स्काईमेट के उपाध्यक्ष महेश पलावत के अनुसार, तापमान में कमी के कारण प्रदूषण के स्तर में भारी वृद्धि हुई है और पश्चिमी विक्षोभ के चलते मंगलवार को भी वायु गुणवत्ता जो नीचे फंसी हुई ठंडी हवा को ऊपर उठने नहीं देती है। इसी ठंडी हवा में गाड़ियों का धुआं और निर्माण की धूल जैसे प्रदूषक जमा हो जाते हैं। प्रदूषकों को ऊपर जाने का रास्ता नहीं मिलता, इसलिए वे जमीन के बहुत करीब फंसे रहते हैं।

# एमसीडी ने बजट को बताया शहर के विकास का रोडमैप

नई दिल्ली। एमसीडी ने वित्त वर्ष 2025-26 के संशोधित बजट अनुमान और 2026-27 के बजट अनुमानों को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया शुरू की है। इसी क्रम में स्थायी समिति की एक विशेष बैठक हुई, जिसमें निगम के विभिन्न जोनल समितियों के अध्यक्षों ने अपने-अपने जोन के बजट प्रस्ताव प्रस्तुत किए। बैठक में सिटी-सदर पहाड़गंज, वेस्ट, सेंट्रल, केशवपुरम, सिविल लाइंस, रोहिणी, करोल बाग, साउथ, नजफगढ़, शाहदरा नॉर्थ, शाहदरा साउथ और नरेला जोन के बजट प्रस्ताव पेश किए गए। सभी जोन के अध्यक्षों ने सुझावों और प्राथमिकताओं पर विस्तृत चर्चा की। स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने कहा कि सभी जोनल समितियों से आए सुझावों को सम्मिलित करते हुए एक ऐसा बजट तैयार किया जाएगा, जो जनहितकारी होने के साथ-साथ व्यावहारिक भी हो। उन्होंने कहा कि बजट केवल आय-व्यय का दस्तावेज नहीं है, बल्कि यह शहर, कॉलोनियों और नागरिकों की अपेक्षाओं, आवश्यकताओं और विकास की दिशा तय करने वाला एक महत्वपूर्ण रोडमैप है। सत्या शर्मा ने स्पष्ट किया कि निगम की वित्तीय स्थिति को सुदृढ़ करने के लिए आय और व्यय के असंतुलन को दूर करना आवश्यक है। इसके लिए वित्तीय घाटे को कम करते हुए नए और वैकल्पिक राजस्व स्रोतों की तलाश की जाएगी, ताकि विकास परियोजनाओं के लिए पर्याप्त बजट प्रावधान हो सके और निगम पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ न पड़े। जोनल समितियों के अध्यक्षों ने विशेष रूप से दो प्रमुख बिंदुओं पर जोर दिया। उन्होंने अतिरिक्त राजस्व संसाधनों की खोज और उनका विस्तार और व्यय में अनुशासन और पारदर्शिता सुनिश्चित करने की वकालत की। उन्होंने सुझाव दिया कि निगम की आय बढ़ाने के लिए सामुदायिक भवनों का अधिकतम और बेहतर उपयोग किया जाए, साथ ही नई आवासीय और व्यावसायिक संपत्तियों की पहचान कर उन्हें कर दायरे में लाया जाए। इसके अलावा संपत्ति कर, विज्ञापन शुल्क, पार्किंग शुल्क और लाइसेंस शुल्क जैसे पारंपरिक राजस्व स्रोतों को सरल, पारदर्शी और सुव्यवस्थित बनाने पर भी जोर दिया गया।


### NAME CHANGE
I Monu Sahgal S/o Nathi Ram R/o Taharpur, Near Delhi Road, PO Saharanpur, Dist. Saharanpur, Uttar Pradesh - 247001, have changed my name to Sonu Kumar

### NAME CHANGE
I Mahapatra Sourav Das S/o Priyadarshan Das Mahapatra R/o H.No-A-82, Jalvayu Vihar, Sector-21, Noida, Dist- Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201301, have changed my name to Sourav Das Mahapatra

### NAME CHANGE
I Malini Singh D/o Parasmull and W/o Abhay Kumar Vaish R/o Cottage-26, Shipra Sun City-Indirapuram, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201014, have changed my name to Malini Vaish

### सार्वजनिक सूचना
आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि हमारी ग्राहक आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारे मुवक्किल श्री चाहत चौधरी पुत्र स्वर्गीय श्री शंकर चौधरी फ्रीहोल्ड आवासीय मकान नंबर के मालिक हैं। 902, संपत्ति आई.डी. संख्या, 1BUT7EP0 क्षेत्रफल 100 वर्ग मीटर। Yds. (45×20), वाका मौजा कृष्णा कॉलोनी, शहर पुराना फरीदाबाद जिला हरियाणा में स्थित है। ट्रांसफर डीड दिनांक 04.07.2025 के आधार पर दस्तावेज़ नं. 4537, खण्ड नं. 5/174, पुस्तक नं. 1, पृष्ठ 134.25/4-6 दिनांक 04.07.2025 को एसआर-फरीदाबाद में, नीचे दिए गए श्रृंखला दस्तावेज़ में उल्लिखित दस्तावेज़ उपलब्ध नहीं हैं यानी मूल बिक्री विलेख दिनांक 03.01.1979 को 1. श्री हीरा लाल और 2. श्री उदय प्रकाश दोनों श्री बिहारी लाल के पुत्रों द्वारा 1. श्री होया राम पुत्र श्री मंगू राम और 2. श्री के पक्ष में निष्पादित किया गया। शंकर लाल पुत्र श्री होया राम वीडियो दस्तावेज़ नं. 5868 दिनांक 03.01.1979 को, अब हमारा ग्राहक घोषणा कर रहा है कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, और इसे श्री खेम चंद और कमलेश ने भी बेच दिया है और इसे पीरामल फाइनेंस लिमिटेड शाखा- नरेला, दिल्ली द्वारा वित्तपोषित किया गया है। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में अधिकार/स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा
**Naveen Kumar Verma (advocate)**
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

### NAME CHANGE
I Srishti D/o Videsh Kumar Bhati R/o House No-141, Dadri Rithori, PO-Maicha, DIST-Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201310, have changed my name to Srishti Choudhary.

### NAME CHANGE
I Shyama Tilakdhari Prajapati D/o Sukhnandan Prajapati and W/o Tilakdhari Kalu Prajapati R/o 2456, Singhapur, Nahora, Jaunpur, Nahora, Uttar Pradesh - 222136, have changed my name to Shyama Devi Tilakdhari Prajapati

### NAME CHANGE
I Amit Kumar S/o Ramkumar Godara R/o G1- 70, RIICO, RIICO Industrial Area, Electric Power House, RIICO Colony, Jhunjhunu, Jhunjhunun, Rajasthan - 333001, have changed my name to Amit Godara

### NAME CHANGE
I, Rahul S/O. Kamlesh Gupta R/O. A-38, Subhash Park, Uttam Nagar Delhi-110059 have changed my name to Rahul Gupta for all future purposes.

### NAME CHANGE
I Usman Malik S/O Aas Mohd R/O J-3, Block-j, Jamia Nagar, Abul Fazal Enclave-1, South Delhi-110025 Have Changed my name to Mohd Usman for all future purposes..

### NAME CHANGE
I, KAUSHALYA W/O DINESH KUMAR R/O Gupta Market, Muradgam Pur Pursi, Ghaziabad, Murad Nagar, Uttar Pradesh-201206, have changed the name of my minor Daughter VASNOVE Alias VAISHNAVI aged 12 years and she shall hereafter be known as VAISHNAVI.

### PUBLIC NOTICE
LR No: 3417158/2025
Mr GURBACHAN SINGH,S/D/W/O SHRI UJAGAR SINGH, C-76, Malviya Nagar, New Delhi, 110017 sonasystemsdelhi@gmil.com, (Ph no 9629795868,)I, Have Lost my Original Property Document No-2378/2007 Survey No-60/3 Extension -9.67.9 Acre-67 Cents Nakkalapatty Thalak- Usilanpatty District-Madurai Sub Registrar Office Usilampatty State Tamil Nadu.

### NAME CHANGE
I Anamika Das W/o Shubhajit Choudhury, R/o D-3/62, Sector-16 Rohini, North West Delhi, Delhi-110089 have changed my name to Anamika Das Choudhury for all future purposes.

### PUBLIC NOTICE
I Mohd Nasir, son of Mohd Ansar, resident of House No. 8156/10, First Floor, Street No. 6, Chimni Mill, Bara Hindu Rao, North Delhi – 110006, state that my first wife, Ishrat Nasrin, expired on 04/04/2010. I have married for the second time. I have not obtained a marriage certificate yet. I wish to add my second wife's name to my passport. My second wife's name is Yusra Begum, wife of Mohd Nasir. She is currently residing with me.

### NAME CHANGE
I MUNAVAR KHAN S/O GULAM MOHAMMAD R/O G-26 JAGATPURI MOTI MASZID LANE, KRISHNA NAGAR H.O, EAST DELHI, DELHI, 110051 HAVE CHANGED MY NAME TO MUNWAR KHAN

### NAME CHANGE
I, KESHARI DEVI, is Mother of No-15678400H, Rank-HAV, Name: SURENDRA SINGH Resident of Village-VAJIDPUR, Post-DALAN CHHAPRA, TEH-BAIRIA, Distt-BALLIA, State-UP, Pin-277204 declare that have changed my date of birth and name due to incorrect in my son Army Service document. That my date of birth is 01/07/1954 as per my son Army Service record. But my correct date of birth is 01/01/1953. And That my name is KESHAR as per my son Army Service record. But my correct name is KESHARI DEVI as per my civil document. vide affidavit no IN DL -261137525313604 dated 03.01.2026 before Public Notary Delhi India.

### NAME CHANGE
I, hitherto known as UMESH DEVI W/O SATYAPAL SINGH R/O C-1 88 LIG, UGF-05, Shiva Cafe, DLF Dilshad Ext-II, Sahibabad, PO: Sahibabad, Dist: Ghaziabad, Uttar Pradesh- 201005 have changed my name and shall hereafter be known as MUNESH DEVI.

### NAME CHANGE
I Meera Devi W/o Deshraj R/o Shahpur, Sitapur, Laharpur, Uttar Pradesh - 261135, have changed my name to Anita Devi.

### NAME CHANGE
I Bhagawana Ram S/o Thakara Ram R/o Sandhuwa, PO: Fatehgarh, Dist: Jaisalmer, Rajasthan - 345027, have changed my name to Bhavdeep Choudhary.

### NAME CHANGE
I Naktu D/o Thakra Ram R/o Sandhuwa, PO: Fatehgarh, Dist: Jaisalmer, Rajasthan - 345027, have changed my name to Neetu Choudhary.

### NAME CHANGE
I Bhagat Singh S/o Sudarshan Kumar Kalra R/o E-1035, Shaheed Bhagat Singh Marg, 0, Rajajipuram, Lucknow, Uttar Pradesh - 226017, have changed my name to Bhagat Singh Kalra.

### NAME CHANGE
I Teeja Devi Meena W/o Ganesh Ram Meena R/o Meeno Ka Vas, Hariyali, Dodiyali, Ahore, PO-Bedana, Dist-Jalor, Rajasthan - 307030, have changed my name to Tija Devi

### NAME CHANGE
I RADHIKA AGARWAL D/O RAJ KUMAR AGARWAL R/O House Number 2ND C/211, Nehru Nagar, Ghaziabad Uttar Pradesh-201001, do hereby solemnly affirm and declare that, I have embraced JAINSIM Religion and renounced HINDUISM Religion with effect from 25.08.2025. I have changed only my religion not my name.

### NAME CHANGE
I, Ayesha Fatima D/o Mohd Aslam R/o C-03, Sector-C, Phase-1,Yara Fertilisers Township Babrala, District Sambhal, Uttar Pradesh-242021 declare that name of my mother has been wrongly written as Arifa Aslam in my 10th Class Educational Documents. Correct name is Arifa Shaafi

### NAME CHANGE
I hitherto known as Tamana D/o Subhash Chand W/o Gaurav Kansal R/o R-6/1, Flat No-204, Keshav Villa Appartment, Raj Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201002 have changed my name and shall hereafter be known as Tamana Kansal.

### PUBLIC NOTICE
It is for general information that I YOGITA AMBAVAT W/O AMIT KUMAR R/O PLOT NO-25, BLOCK B, SECTOR-72, GAUTAM BUDH NAGAR UP-201307 declare that name of mine has been wrongly written as YOGITA in my minor daugher namely PRIESHA PUNDIR aged 17 years in her Passport No. N3475358. The actual name of mine is YOGITA AMBAVAT which may be amended accordingly.

### NAME CHANGE
I, Geeta Devi w/o Leela Dhar R/o B-105, Block-B, Indra Vikas Colony Delhi, North West Delhi-110009 have changed my name to Geeta for all future purposes

### NAME CHANGE
I, Irshad S/o Puttan khan R/o C-302, 4th Floor, Gali No12, MUlla Colony, Gharoli, Vasundhra Enclave, Delhi-110096 have changed my name to Irshad Khan for all future purposes.

### NAME CHANGE
I, Aaliya w/o Puttan khan R/o F-10, Jagat Puri, Krishna Nagar, Delhi-110051 have changed my name to Vasikun Nisha for all future purposes.

### NAME CHANGE
I, Vijay Singh Chandel S/o Hoshiar Singh R/o 92A, Third Floor, Left Side, Vinoba Puri, Lajpat Nagar, New Delhi-110024, have changed my name to Vijay Chandel for all future purposes.

### NAME CHANGE
I, Hoshiar Singh Chandel S/o Sant Ram R/o Chandel Niwas, Below Ghora Chowki, Anji Shimla, Himachal Pradesh-171010, have changed my name to Hoshiar Singh for all future purposes.

### NAME CHANGE
I MOHAMMED ADIL S/O MOHAMMED HANIF QURESHI R/O GALI NO-5 GARIB NAWAZ COLONY DIDWANA - KUCHAMAN RAJASTHAN - 341505 ,I have changed my name to MOHD ADIL Permanently for all Future purpose

### NAME CHANGE
I KUNDAN SINGH S/O SAROP SINGH R/O 4473 FARIDABAD HARYANA 121005 I have changed my name to KUNDAN SINGH CHAUHAN Permanently for all Future purpose

### NAME CHANGE
I SUNIL S/O YOGINDER SONI R/O PLOT NO 21, 1 FLOOR, GALI NO A 1, KH NO 114/21 GEETANJALI ENCLAVE JHARODA KALAN DELHI-110072, I have changed my name to SUNIL SONI Permanently for all Future purpose

### NAME CHANGE
I, Pan Singh S/o Pratap Singh R/o Khujathi, PO: Nartola, Dist: Nainital, Uttarakhand - 263132, have changed my minor son's name from Satendra Singh Chauhan Aged 17 Years to Itendra Singh Chauhan forever.

### NAME CHANGE
I, Zulfiqar Jilani S/o Ishtiaq Ahmad Jilani R/o House No.88, Gali No.3, Karadampuri, Gokal Pur, Delhi-110094 have changed my name to Zulfquar Ahmad Jilani.

### NAME CHANGE
I Pankaj Pal S/O Prem Pal Wadhawan R/O 2630 HUDSON LINE, KINGSWAY CAMP, North West Delhi, Delhi, 110009,have changed the name of my minor son Shreayansh Wadhwan alias Sachisth wadhawan aged 17 years and he shall hereafter be known as SACHISTH WADHAWAN.

### NAME CHANGE
I, hitherto known as Reshma Parveen alias Reshma D/O Rifakat Ali W/O Waseem Ahmad R/O 125, First Floor, Pocket-2, Paschim Puri, Paschim Vihar, PO: Paschim Vihar, DIST: West Delhi, Delhi - 110063, have changed my name and shall hereafter be known as RESHMA PARVEEN.

### NAME CHANGE
I hitherto known as Anita alias Chander kala D/O Bhagwati Prasad W/O Dinesh Kumar, R/O WZ-13, Todapur Village, DIST: Central Delhi, Delhi-110012 have changed my name and shall hereafter be known as ANITA .

### PUBLIC NOTICE
THIS IS TO INFORM THE GENERAL PUBLIC AT LARGE THAT OUR CLIENT'S CUSTOMER SMT.SHIULI MALI IS INTENDING TO PURCHASE ENTIRE FIRST FLOOR, W/O ROOF RIGHTS, ADMEASURING 50 SQ. YDS, PART OF PROPERTY NO. 923/2, IN KHASRA NO. 93, SITUATED AT GALI NO. 8, GOVIND PURI, KALKAJI, NEW DELHI,FROM SMT.SANJU DEVI ACQUIRED THE SAME VIDE SALE DEED DATED 31.05.2017, AS DOC.NO.2410. HOWEVER,ORIGINAL SALE DEED DATED 22.08.2012, AS DOC. NO. 13155, ORIGINAL HAS BEEN LOST, AT GOVIND PURI, NEW DELHI IF ANY FIND THE ABOVE SAID ORIGINAL DOCUMENT, RETURN BACK THE SAME TO M/S AAVAS FINANCIERS LIMITED,AT E-49/12,BLOCK-E, 2ND FLOOR, OKHLA INDUSTRIAL AREA PHASE-2,New DELHI,THE SAME HAS MORTGAGE AFTER EXECUTION OF SALE DEED IN FAVOUR OF CLIENT'S CUSTOMER. HENCE THIS NOTICE IS HEREBY GIVEN THAT ANY PERSON/LEGAL HEIRS, BANK/S OR FINANCIAL INSTITUTION/S, OR ANY PARTY/IES,ANY CLAIM, CHARGE, INTEREST, TITLE, DEMAND, RIGHTS, OF WHATSOEVER NATURE IN RESPECT OF OR AGAINST THE SAID PROPERTY BY WAY OF INHERITANCE, SHARE, TRANSFER, MORTGAGE, POSSESSION, HOWSOEVER NATURE, ARE HEREBY REQUIRED TO MAKE THE SAME KNOWN IN WRITING WITH DOCUMENTARY SUPPORT TO THE UNDERSIGNED WITHIN 7 DAYS FROM THE DATE OF PUBLICATION, FAILING WHICH THE SAID CLAIM OF SUCH PERSON/S, IF ANY WILL BE CONSIDERED AS WAIVED AND SETTLED.
**MR. SAMIR KUMAR/LALIT KUMAR** (ADVOCATE)
M/S EXCEL LAW GROUP
OFFICE AT ADDRESS: 87-D, ON 3RD FLOOR, POCKET-2, SECTOR-6, DWARKA, NEW DELHI.
MOB NO.-8130395390/91

### NAME CHANGE
I, Ramesh Chand Garg S/o Ganga Saran Garg R/o House No: 9/2383, Gali No: 12, Kailash Nagar, Gandhi Nagar, New Delhi - 110031, Delhi have changed my name to Ramesh Chand Gupta for all intents and purposes.

### NAME CHANGE
I, Ajay Kumar Garg S/o Ramesh Chand Gupta R/o House No: 9/2383, Gali No: 12, Kailash Nagar, Gandhi Nagar, East Delhi - 110031, Delhi have changed my name to Ajay Garg for all intents and purposes.

### NAME CHANGE
I Pushpendra Kumar S/o Jagapal Singh R/o Murra, Bilam Pur, Kannauj, Uttar Pradesh - 209728, have changed my name to Shailendra Pal.

### NAME CHANGE
I Neelam W/o A.K. Baranwal R/o House Number C-101 Gour Green, Vista, 2 Naya Khand 1, Indirapuram, PO-L.E.Sahibabad, Dist-Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201010, have changed my name to Neelam Baranwal.

### NAME CHANGE
I Pawan Agrawal S/o Ramji Lal Saraf R/o J-12/34-B-1, Inside Shri Chitrakoot Ramllia Maidan, Dhoop Chandi, Varanasi, Uttar Pradesh - 221001, have changed my name to Pawan Kumar Saraf.

### NAME CHANGE
I Deeksha W/o Jitendra Singh R/o Cottage-26, Shipra Sun City Indirapuram, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201014, have changed my name to Deeksha Kumari Singh

### PUBLIC NOTICE
I, Mr. Dhananjay Chaurasiya S/o Ram Khelavan prasad Chaurasia R/o KH..No-368 Near Mother Pride School Alipur, Distt. North West Delhi-110036 is owner of property "Property admeasuring 30 Sq. yards, out of Khasra No. 368, situated in the extended Lal Dora of village Alipur, Delhi-110036" through Sale Deed dated 01.03.2021 duly registered as Document No. 524 executed by M/s Sunrise Property Solution as attorney of Rohit Gupta. Said property is free from all sorts of encumbrance, lien, charges, mortgages etc. and have a clear and marketable title and possession of the property. Old Documents related to property are lost ie. Original Title Deeds prior to Regd. GPA dated 22.02.2021/ Khatauni/ Revenue records covering 13 year title chain of said property and all other old title & non-title documents chain are lost and FIR for the same is also done vide Application no/ LR No-11895/2026. Above-mentioned property mortgaged in A.U small finance bank Ltd. Mentioned lost documents can not be used hereafter for any loss purpose and If anybody have any objection and found above mentioned documents or property related documents of above-mentioned documents Kindly contact Bank branch or of advocate) within 7 days.
**Ashwani kumar Advocate**
Chamber number 122 tehsil compound Ghaziabad
9971333512

### Name Correction
I MOHD. YASEEN S/O Shri ABDUL SHAKOOR Resident of House No 9/17 GALI NO. 5, SITARA KHAN, AMBEDKAR BASTI, MAUJPUR, SEELAMPUR Delhi 110053 do hereby solemnly affirm and declare as under.That my Passport No H 4292513 under mention my incorrect name is MOHAMMAD YASIN My Correct name MOHD. YASEEN

### PUBLIC NOTICE
I, Raj Kumar Mendiratta s/o Late Sh. Ganpat Ram R/O 9/27A, Vijay Nagar Double Storey, Delhi-110009 hereby debar my two daughters (1) Gayatri Punjani W/o Nitin Punjani R/o 1396, Dr. Mukharjee Nagar, Delhi - 110 009 Mobile 9811554269 and (2) Gauri Dang W/o Dheeraj Dang R/o I-2/41, Sector-16, Rohini, New Delhi, Mobile 9910824288 from all my moveable and immoveable properties or to have any legal interest therein of any kind and as the said assets have been my self-acquired ones. That henceforth I have no concern/relation whatsoever of any kind with my abovesaid two daughters (1) Gayatri Punjani (2) Gauri Dang in as much as we have severed all my relations with them. That I will not be responsible for any activities of our abovesaid two daughters (1) Gayatri Punjani and (2) Gauri Dang and whosoever does any thing with them will be doing so at his own risk, cost and responsibilities.

### NAME CHANGE
I, RAJIYABEE Mother of NO-16121822H, Rank-HAV, Name-ABEEBU residing at VPO-VALLURU, TEHSIL-PAVAGADA, DIST-TUMKURU, KARNATAKA-572136, have changed my name from RAJIYABEE to RAJIYA for all future purposes vide Affidavit dated 07/01/2026 before Notary Public Delhi.

### NAME CHANGE
I, NO-6497014A Rank-HAV/ASH Name-VENKATAIAH ATUKARI residing at VPO-AYYAVARIPALLI, TEHSIL-ARDHAVEEDU, DIST-PRAKASAM, ANDHRA PRADESH-523336, have changed my minor son's name from ATVKARI V SHANMUKHCHAITANYA to ATUKARI V SHANMUKH for all future purposes vide affidavit dated 07/01/2026 Before Notary Public, Delhi.

### NAME CHANGE
I Usman Malik S/O Aas Mohd R/O J-3, Block-j, Jamia Nagar, Abul Fazal Enclave-1, South Delhi-110025 Have Changed my name to Mohd Usman for all future purposes..

### NAME CHANGE
I, hitherto known as Sarjeet alias Billu S/O Bhanwar Singh R/O 31, Sunger Pur Delhi, North West Delhi Delhi-110036, have change my name and shall hereafter be known as Sarjeet.

### NAME CHANGE
I, Sharvan Kumar S/O: Ratan Lal, R/O 291/2, brahampuri handiya mohalla, Muzaffarnagar, Muzaffar Nagar City, Uttar Pradesh, 251002, have change the name of my minor son Nimesh Tyagi 12 years and he shall hereafter be known as AGASTYA TYAGI.

### NAME CHANGE
I Parveen Kumar S/o Jagdish Prasad Bansal, B-193, LOK VIHAR, PITAM PURA. Saraswati Vihar, North West Delhi, Delhi-110034 have changed my name to Parveen Bansal for all future purposes.

### NAME CHANGE
I Jagbir Singh 245401, Khanoda, Pavsara, Paswasara, Bulandshahr, Uttar Pradesh, 245401 have changed my name to Jugbir Singh for All future purposes.

### NAME CHANGE
I Balraj S/o Nem Chand R/o 802, Basil tower Salcon, the Verandas, Sector 54, golf course road, Gurgaon have changed my name to Balraj Jain for all future purposes.

### PUBLIC NOTICE
This is to inform the general public that PNB Housing Finance Ltd., having its branch office at Shahdara, New Delhi, intends to extend a financial facility to Mr. Rishav Kumar Jha, against the security of Freehold Residential Second Floor, without roof right area measuring 50 sq. yds., i. e. 41.805 Sq. Mtrs., Built-on Plot No. 250, Out of Khasra No. 127 Mi. and 126 Mi., Situated at Girdhar Enclave Extension Hadbasht in the area of Village Kadkad Madan, Ghaziabad Tehsil and District Ghaziabad, U.P. The Said Property was owned by Mr. Yugdeep Singh S/o Late Mr. Kuldeep Singh, who derived title thereto by virtue of a Sale Deed bearing Document No. 8583, dated 26.03.2025, duly registered and executed by Mr. Varun Sharma S/o Mr. Ramkumar Sharma and Mr. Hitesh Mittal S/o Mr. Devendra Kumar Mittal. It is hereby further notified that the Original Sale Deed dated 16.07.2014, duly registered as Document No. 5436 on 16.07.2014, has been misplaced/lost and remains untraceable. A report in this regard has been duly lodged with the Crime Branch of Delhi Police vide LR No. 14393/2026, dated 07.01.2026. Accordingly, any person(s), individual(s), or entity (ies) having any claim, right, title, interest, lien, or objection whatsoever in respect of the aforementioned property or against the proposed mortgage in favour of PNB Housing Finance Ltd., are hereby called upon to submit their claims/objections in writing, along with supporting documents, to the undersigned within seven (7) days from the date of publication of this notice. Claims or objections, if any, may be submitted to Adv. Rishi Maheshwari (Mobile No.: - +91-9340118309). In the absence of any response within the stipulated time period, it shall be presumed that there are no claims, objections, or encumbrances pertaining to the said property, and the proposed transaction shall be completed without any further reference or demur.
**Rishi Maheshwari (Advocate)**
Office At : RZ-29, Upper Ground Floor, Bhagwati Garden Jain Road, Near Dwarka More New Delhi 110059.
Contact No- +91- 9340118309


## अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्‌घोषणा

### धारा 82 CrPC देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **सोहिल पुत्र** इदरीश, **निवासी** जीवन गेट, पूजा कॉलोनी, लोनी गाजियाबाद (उ0प्र0), ने **FIR No. 178/2023, U/S 379/411 IPC, पुलिस स्टेशन खजूरी खास, उत्तर-पूर्व जिला, दिल्ली,** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किया गया गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सोहिल** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सोहिल** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)

इसलिए इसके द्वारा उद्‌घोषणा की जाती है कि **FIR No. 178/2023, U/S 379/411 IPC, पुलिस स्टेशन खजूरी खास, उत्तर-पूर्व जिला, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **सोहिल** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **18.02.2026** को या इससे पहले हाज़िर हो।

**आदेशानुसार**
**सुश्री कनिका अग्रवाल**
**न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-03,**
**कमरा नं0-22, प्रथम तल, उत्तर-पूर्व जिला,**
**कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली**

**DP/199/NE/2026**
**(Court Matter)**


## कौमी पत्रिका
**संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर**
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

**Corporate Office:**
5, Bahadurshah Zafar Marg ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
**मोबाइल नंबर** : 9312262300

**E - mail address :** qpatrika@gmail.com
**Website:** www.qaumipatrika.in

**R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472**

**Legal Advisors:**
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

## मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत से पहले हांसी न्यायिक परिसर में तैयारियां तेज

**एजेंसी**

**हिसार।** भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत के हांसी न्यायिक परिसर में प्रस्तावित कार्यक्रम को देखते हुए तैयारियां युद्ध स्तर पर की जा रही हैं। न्यायिक परिसर भवन के सामने विशाल मंच तैयार किया जा रहा है, वहीं पूरे परिसर को भव्य रूप देने के लिए सजावट के कार्य भी किया जाएगा। बार एसोसिएशन के प्रधान पवन रापड़िया ने मंगलवार को वकीलों के साथ कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने चल रही तैयारियों का जायजा लिया और प्रबंधों को लेकर आवश्यक सुझाव भी दिए। बार एसोसिएशन के प्रधान पवन रापड़िया ने बताया कि भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत के हांसी आगमन पर उनका भव्य और शानदार स्वागत किया जाएगा। इसके लिए लगभग सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। उन्होंने कहा कि जिला सचिवालय परिसर की मुख्य सड़क से सटे गेट को आकर्षक ढंग से सजाया जाएगा, वहीं प्रवेश द्वार से लेकर न्यायिक परिसर भवन तक फूलों की सुंदर सजावट की जाएगी।पवन रापड़िया ने बताया कि मुख्य न्यायाधीश के हांसी आगमन को लेकर सभी न्यायाधीशों तथा बार एसोसिएशन से जुड़े वकीलों में विशेष उत्साह और खुशी का माहौल है। यह कार्यक्रम न केवल हांसी के लिए बल्कि पूरे क्षेत्र के न्यायिक इतिहास में एक महत्वपूर्ण अवसर साबित होगा। उन्होंने विश्वास जताया कि कार्यक्रम को गरिमापूर्ण एवं यादगार बनाने में किसी प्रकार की कमी नहीं छोड़ी जाएगी।

## खाद्य एवं सुरक्षा विभाग की टीम ने तीस किलोग्राम पनीर को करवाया नष्ट

**जींद।** खाद्य एवं सुरक्षा विभाग की टीम ने नरवाना में चार स्थानों पर पनीर, बटर, घी तथा क्रीम के चार सैंपल भरे। इस दौरान टीम ने टीम ने घटिया किस्म के तीस किलोग्राम पनीर को नष्ट भी करवाया। टीम द्वारा लिए गए सैंपलों को सील कर उन्हें लैबारेटरी भेज दिया गया है। सैंपल रिपोर्ट आने के बाद आगामी कार्रवाई विभाग द्वारा अमल में लाई जाएगी। जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी योगेश कादियान के नेतृत्व में खाद्य एवं सुरक्षा विभाग की टीम ने नरवाना स्थित जयराम डेयरी तथा पनीर भंडार पर दस्तक दी और पनीर के सैंपल लिए। टीम ने वहां पर घटिया तीस किलोग्राम पनीर भी मिला। जिस पर टीम ने विक्रेता को फटकार लगाते हुए नष्ट करवा दिया। जिसके बाद टीम ने कैनाल रोड पर अभय डेयरी से घी तथा क्रीम के सैंपल लिए। जिसके बाद टीम ने ढाकल रोड पर दस्तक देकर दुकान से बटर के सैंपल भरे। जिन्हें सील कर जांच के लिए लैबोरेटरी भेज दिया। सैंपल रिपोर्ट आने के बाद आगामी कार्रवाई विभाग द्वारा अमल में लाई जाएगी। जिला खाद्य एवं सुरक्षा अधिकारी डा. योगेश कादियान ने बताया कि लोगों को साफ-सुथरे खाद्य पदार्थ मिले, इसको लेकर चार स्थानों से सैंपल भरे गए हैं। तीस किलोग्राम पनीर को नष्ट करवाया गया है। सैंपल रिपोर्ट आने के बाद आगामी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

## सीआरएसयू के छात्र ने ऑस्ट्रेलिया में हुई गीता ज्ञान निबंध प्रतियोगिता में हासिल किया तृतीय स्थान

**जींद।** चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के संगीत विभाग के छात्र प्रदीप कुमार ने ऑस्ट्रेलिया में आयोजित विश्व स्तरीय गीता ज्ञान निबंध लेखन प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त कर न केवल विश्वविद्यालय बल्कि हरियाणा प्रदेश का नाम अंतराष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. रामपाल सैनी ने बताया कि यह प्रतियोगिता एसोसिएशन ऑफ हरियाणवी इन ऑस्ट्रेलिया (एएचए) द्वारा ऑस्ट्रेलिया में आयोजित की गई थी। जिसमें भारत सहित विभिन्न देशों के प्रतिभागियों ने अपनी प्रविष्टियां भेजी थी। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच प्रदीप कुमार ने अपने गहन गीता ज्ञान और उत्कृष्ट लेखन कौशल के बल पर यह उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। इस उपलब्धि के लिए प्रदीप कुमार को गीता संस्थान कुरुक्षेत्र में आयोजित समारोह के दौरान गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज द्वारा प्रशंसा पत्र तथा 100 ऑस्ट्रेलियन डॉलर की प्रोत्साहन राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया। वीसी ने प्रदीप कुमार को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के लिए अत्यंत गौरव का विषय है। हमारे विद्यार्थी शिक्षा के साथ-साथ भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक मूल्यों को भी अंतराष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत कर रहे हैं।

## अवैध रूप से चल रही तीन प्लास्टिक वेस्ट डंपिंग साइट सील

**झज्जर।** शहर में अनधिकृत स्थानों पर प्लास्टिक कचरे के डंपिंग-लोडिंग पर रोक के चलते एसडीएम अभिनव सिवाच ने विभागीय अधिकारियों को साथ लेकर चेकिंग अभियान चलाया। अभियान के दौरान टीम ने तीन अवैध साइट को सील किया और चार वाहन इंपाउंड किए गए। जिलाधीश ने शहर में अवैध प्लास्टिक के यातायात, डंपिंग और स्टोरेज पर पाबंदी लगाई हुई है। सोमवार की शाम एसडीएम अभिनव सिवाच ने पुलिस, आरटीए और नगर परिषद की टीम के साथ शहर के छोटूराम नगर में प्रदूषण फैलाने वाली खाली प्लॉटों में चल रही प्लास्टिक कचरे की यूनिट का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सामने आया कि क्षेत्र के कुछ बड़े भूखंडों में नियमों की अवहेलना करते हुए प्लास्टिक वेस्ट की अवैध डंपिंग की जा रही है। एसडीएम ने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को तीन प्लॉटों को सील करने के निर्देश दिए और डंपिंग में प्रयुक्त चार वाहनों को इंपाउंड करवाया। उन्होंने बताया कि बहादुरगढ़ क्षेत्र में प्लास्टिक कचरे को अनधिकृत स्थलों पर फेंकने से प्रदूषण बढ़ता है, जो आमजन की जीवन-गुणवत्ता व शांति के लिए गंभीर चुनौति बना हुआ है और सार्वजनिक हित में इसके विरुद्ध रोकथाम आवश्यक है। उन्होंने कहा कि बहादुरगढ़ में इस तरह की युनिट नहीं पनपने दी जाएगी।

# स्वस्थ नागरिक ही सशक्त समाज व आत्मनिर्भर राष्ट्र की नींवः नायब सिंह सैनी

**● गुरुग्राम में सोवाका लैब के उद्घाटन अवसर पर कही यह बात**

**एजेंसी**

**गुरुग्राम।** मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि एक स्वस्थ व्यक्ति से न केवल उसके परिवार बल्कि समाज का भी विकास होता है। स्वस्थ नागरिक ही सशक्त समाज, मजबूत अर्थव्यवस्था और आत्मनिर्भर राष्ट्र की नींव रखते हैं। हरियाणा सरकार ने इसी सोच के साथ आधुनिक जांच और उपचार सुविधाओं को आमजन तक सुलभ बनाया है। प्रदेश में पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल के तहत सीटी स्कैन, एमआरआई, हैमो डायलिसिस और कैथ लैब जैसी उन्नत सेवाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं। मुख्यमंत्री गुरुग्राम में सोवाका लैब के उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। उद्घाटन समारोह में डॉ. लाल पैथ लैब के चेयरमैन पद्मश्री ब्रिगेडियर डॉ.

अरविंद लाल ने मुख्यमंत्री का स्वागत व अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार निरंतर स्वास्थ्य के क्षेत्र में बेहतर कार्य कर रही है। प्रदेश सरकार द्वारा आज किडनी के मरीजों के लिए डायलिसिस की सुविधा मुफ्त में मुहैया करवाई जा रही है। इससे पहले मरीजों को इसके लिए काफी खर्च उठाना पड़ता था। हरियाणा सरकार इसके अलावा भी अनेक स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं मुहैया करवा रही है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य जांच लैब व्यक्ति के जीवन में अहम भूमिका निभाती हैं, यदि व्यक्ति समय रहते अपने स्वास्थ्य की जांच करवाए तो वह बहुत सारी गंभीर बीमारियों से बच सकता है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज गुरुग्राम तेजी से विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। मेडिकल व हेल्थ हब के रूप में गुरुग्राम की अपनी विशिष्ट पहचान बन रही है। स्वास्थ्य सुरक्षा की दिशा में आज एक और मील का पत्थर इस लैब के रूप में स्थापित होने से मजबूत सुरक्षा चक्र बन रहा है। उन्होंने कहा कि यह लैब स्वास्थ्य क्षेत्र में सेवाओं को अधिक गुणवत्तापूर्ण बनाएगी। इस मौके पर उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर, गुरुग्राम विधायक मुकेश शर्मा, पटौदी के विधायक बिमला चौधरी व अन्य मौजूद रहे।

# पुलिस कर्मियों को बेटी की शादी पर मिलेगा पांच लाख अनुदान

**डीजीपी अजय सिंघल ने कर्मचारियों के लिए बनाई योजना**

**एजेंसी**

**चंडीगढ़।** हरियाणा पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल ने कहा कि पुलिस लाइनों में खाली पड़ी जमीनों पर बैंक्वेट हॉल का निर्माण किया जाएगा, जहां पुलिसकर्मी अपने बच्चों की शादियां और सामाजिक कार्यक्रम कर सकेंगे। जिन स्थानों पर पहले से सामुदायिक केंद्र बने हुए हैं वहां बदलाव करके उन्हें बैंक्वेट हॉल का रूप दिया जाएगा। पुलिस महानिदेशक ने कहा कि विभागीय कर्मचारियों व अधिकारियों के लिए उन्होंने प्राथमिकताएं तय की हैं। पुलिस कर्मियों का मनोबल बढ़ाना और उनकी सामान्य समस्याओं को खत्म करना उनके टॉप एजेंडे में शामिल है। उन्होंने कहा कि पुलिस कर्मियों को बेटी की शादी के अवसर पर पांच लाख रुपये अनुदान दिया जाएगा। इसके लिए भी योजना बना ली गई है। इसके अलावा पुलिस कर्मचारियों के जो बच्चे पढ़ाई में बेहतर प्रदर्शन करेंगे उनके लिए दो लाख रुपये तक के अनुदान की योजना बनाई जाएगी। इसका सरकार के बजट पर किसी तरह का बोझ नहीं पड़ेगा। डीजीपी ने बताया कि कई जिलों तथा पुलिस के विंगों में साप्ताहिक अवकाश नहीं मिलने से कर्मचारी अक्सर तनाव में रहते हैं। इसके लिए सभी जिलों के एसपी की पॉलिसी बनाने के निर्देश जारी किए गए हैं। बहुत जल्द पुलिस विभाग में साप्ताहिक अवकाश लागू कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि पुलिस विभाग में कर्मचारियों के आवास की कई समस्याएं आई हैं। आवंटन और मरम्मत आदि जैसे विषयों पर जल्द बैठक बुलाई जाएगी। पुलिस कर्मियों के लिए नई हाउसिंग स्कीम को लागू किया जाएगा। इसके लिए भी सभी जिलों से स्टेटस रिपोर्ट मांगी गई है। मकानों की वर्तमान स्थिति तथा मांग का पता लगने के बाद फैसला लिया जाएगा।

# प्रत्येक गांवों तक जाएगा मनरेगा बचाओ अभियान, कांग्रेस ने पदाधिकारियों की नियुक्ति की

**एजेंसी**

**चंडीगढ़।**मनरेगा के नाम बदलने और इसमें हुए बदलावों के खिलाफ कांग्रेस ने 'मनरेगा बचाओ अभियान' शुरू किया है। इसी बीच प्रदेश के प्रत्येक गांवों तक इस अभियान को पहुंचाने के लिए पार्टी ने कई पदाधिकारियों की नियुक्तियां की है।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने आरोप लगाते हुए कहा कि मनरेगा से महात्मा गांधी का नाम खत्म करके राष्ट्रपिता का अपमान किया गया है। इसके मूल स्वरूप में बदलाव करके यह एक ऐसी जटिल प्रक्रिया बना दी गई है जिससे ग्रामीण, मजदूर, दलित, गरीब ,वंचित, महिला वर्ग को भारी नुकसान झेलना पड़ सकता है।

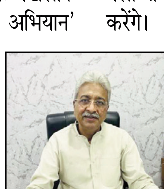

उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता मनरेगा को बचाने के लिए हर गांव, हर वार्ड, हर गली तक पहुंचेंगे और जागरूकता पैदा करेंगे। प्रदेश मीडिया प्रभारी संजीव भारद्वाज ने कहा कि हरियाणा में प्रदेश अध्यक्ष के अलावा नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा, सतपाल ब्रह्मचारी, सांसद कुमारी सैलजा, रणदीप सुरजेवाला, दीपेंद्र हुड्डा, जय प्रकाश, वरूण चौधरी, हरियाणा के सह प्रभारी जितेंद्र बघेल, प्रफुल्ला गुढ़ाडे, पूर्व अध्यक्ष चौधरी बीरेंद्र सिंह, चौधरी धर्मपाल सिंह मलिक, डॉ. अशोक तंवर,उदय भान, महिला कांग्रेस अध्यक्ष सुधा भारद्वाज, युवा प्रदेश अध्यक्ष निशित कटारिया समेत कई नेता इस अभियान को सफल बनाएंगे।

# हरियाणा को मिले कॉमनवेल्थ खेलों की मेजबानी : दीपेंद्र हुड्डा

**एजेंसी**

**चंडीगढ़।** हरियाणा के रोहतक के सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने केंद्र सरकार को कॉमनवेल्थ खेलों के आयोजन के मुद्दे पर घेरते हुए कहा है कि इन खेलों की मेजबानी अथवा सह मेजबानी हरियाणा को मिले। अब तक हरियाणा का प्रदर्शन अन्य राज्यों के मुकाबले सबसे बेहतर रहा है। वे यह मुद्दा लोकसभा में भी उठा चुके हैं।चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत में दीपेंद्र ने कहा कि हरियाणा ऐसा राज्य है जो कॉमनवेल्थ गेम्स, एशियन गेम्स और ओलंपिक में 50 प्रतिशत मेडल भारत के लिए जीतकर लाता है, लेकिन उसे नजरअंदाज कर दिया गया। पिछले 4 ओलंपिक में देश को मिले कुल मेडल में से आधे से ज्यादा हरियाणा के खिलाड़ियों ने जीते। पिछले ओलंपिक में करीब 25 प्रतिशत खिलाड़ी हरियाणा से थे। उन्होंने कहा कि वर्ष 2006 के बाद से ओलंपिक समेत जितने भी खेल हुए उनमें 50 प्रतिशत मेडल और 25 प्रतिशत खिलाड़ियों का हिस्सा हरियाणा का है। लेकिन जब कॉमनवेल्थ खेल 2030 के आयोजन की मेजबानी का अवसर

हमारे देश को मिला तो मेजबान प्रदेश के चयन में केंद्र की भाजपा सरकार ने हरियाणा को नहीं चुना। बल्कि इसके लिए गुजरात का चयन किया गया। कॉमनवेल्थ खेल 2030 के लिए लाखों करोड़ का निवेश अब अहमदाबाद में होगा, खेल का ढांचा तैयार होगा। अगर यही खेल का ढांचा, स्टेडियम और डेवलपमेंट पर लाखों करोड़ों खर्चा हरियाणा में होता।उन्होंने कहा कि देश में 60 किलोमीटर पर टोल होने का नियम है लेकिन हरियाणा में दो टोल के बीच औसत दूरी सबसे कम 45 किलोमीटर है जो गुजरात में 200 किलोमीटर, केरल में 223 किलोमीटर, राजस्थान में 100 किलोमीटर है। यही नहीं प्रति वर्ष प्रति किलोमीटर कलेक्शन हरियाणा में 70, गुजरात में 30 लाख, कर्नाटक में 35 लाख, झारखंड में 19 लाख, कर्नाटक में 35 लाख, महाराष्ट्र में 21 लाख है। दीपेंद्र ने आरोप लगाया कि हरियाणा में एचपीएससी के माध्यम से ग्रुप ए और ग्रुप बी की जो नौकरियां लग रही हैं उसमें ज्यादातर बाहर के बच्चे लगाए जा रहे हैं। एक के बाद एक लिस्ट आती है उसमें हरियाणा के बाहर के बच्चे चयनित होते हैं। यहां तक कि एचपीएससी के चेयरमैन भी बाहर के लगे हुए हैं। उन्होंने सवाल किया कि क्या 3 करोड़ हरियाणा वासियों में एक भी कोई ऐसा कोई नागरिक हरियाणा का नहीं मिला जो एचपीएससी चेयरमैन लग सके। जबकि यूपीएससी के चेयरमैन और यूपीएससी के सदस्य तक हरियाणा के लोग रहे हैं, मगर एचपीएससी में कोई इतना काबिल नहीं मिल पाया। पत्रकार वार्ता के दौरान सांसद जय प्रकाश जेपी, सांसद वरुण मुलाना, सांसद सतपाल ब्रह्मचारी, पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष उदयभान, 2 दर्जन विधायक, पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे।

# आत्मनिर्भरता पर केंद्रित होगा सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेला

### पर्यटन मंत्री ने ली अधिकारियों की बैठक, दिल्ली,गुरुग्राम, सोनीपत, पानीपत से चलेंगी मेला स्पेशल बस

**एजेंसी**

**चंडीगढ़।** हरियाणा का सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेला इस बार विकसित भारत आत्मनिर्भर भारत के संकल्प पर केंद्रित होगा। शिल्प महाकुंभ के तौर पर दुनिया भर में अपनी छवि बना चुके इस मेले में देश के अनूठे और सर्वश्रेष्ठ कलाकार, कलाकृति एवं प्रस्तुतियों के साथ-साथ भारतीय संस्कृति और स्वदेशी को प्रोत्साहन देने वाला वातावरण पर्यटकों को लुभाएगा। अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेले के 39 वें संस्करण में प्रादेशिक संस्कृति और कला को प्रोत्साहन देने के मकसद से कल्चरल नाइट में विशेष तौर पर हरियाणवी कलाकारों की प्रस्तुति का आयोजन होगा। चंडीगढ़ स्थित हरियाणा सिविल सचिवालय में विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ.अरविंद शर्मा ने पर्यटन विभाग निदेशक पार्थ गुप्ता, महाप्रबंधक ममता शर्मा एवं मातहत अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में 31 जनवरी से 15 फरवरी तक आयोजित होने वाले 39 वें सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेला की तैयारियों और प्रदेश भर में चल रही पर्यटन विकास की

परियोजनाओं पर विस्तृत रिपोर्ट पेश की गई। पर्यटन मंत्री शर्मा ने विभाग में मुख्यमंत्री घोषणाएं और बजट घोषणाओं पर भी फीडबैक लिया। उन्होंने कहा कि मेला परिसर तक पर्यटकों को आवागमन में परेशानी न हो, इसके लिए परिवहन विभाग के साथ समन्वय स्थापित करते हुए अंतरराज्यीय बस अड्डा कश्मीरी गेट, गुरूग्राम, पलवल, फरीदाबाद, सोनीपत, पानीपत आदि जिलों से बसों के रूट निर्धारित करवाए जाएं, ताकि मेले के आकर्षण और छटा को देखने वाले आमजन को सहूलियत हो। पर्यटन विभाग के निदेशक पार्थ गुप्ता ने बताया कि मेला में विभिन्न व्यवस्थाओं को लेकर सभी तैयारियों पर तेजी से काम किया जा रहा है। मेला परिसर में पर्यटकों की निरंतर बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए करवाए जा रहे सिविल वर्क में 60 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है, जिसे 20 जनवरी तक पूरा कर लिया जाएगा। यही नहीं पार्किंग, सुरक्षा व्यवस्था, जनसुविधाएं, इंटरनेट व्यवस्था को लेकर भी आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि स्वदेश दर्शन योजना के तहत टिक्कर ताल, मोरनी व यादवेंद्र गार्डन, पिंजौर को विकसित करने के लिए 92 करोड़ रुपए के टेंडर लगाए जा चुके हैं। इसी प्रकार पांच टूरिस्ट कांप्लेक्स को पीपीपी मोड पर विकसित करने, ढोसी की पहाड़ी पर रोपवे प्रोजेक्ट को लेकर मंथन किया गया।

# सोनीपत के मुंडलाना में सीएचसी के नए भवनों का शिलान्यास, स्वास्थ्य सुविधाएं मजबूत होंगी

**एजेंसी**

**सोनीपत।** बरोदा हल्के के गांव मुंडलाना में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के नए भवनों का शिलान्यास किया गया। कार्यक्रम में बरोदा से भाजपा प्रत्याशी एवं प्रदेश कार्यसमिति सदस्य प्रदीप सांगवान ने शिलान्यास करते हुए कहा कि हरियाणा सरकार की जनहितैषी स्वास्थ्य नीतियों के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सा ढांचे को लगातार सशक्त किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में नए भवनों का निर्माण 52 लाख रुपये की लागत से किया जाएगा और कार्य चार माह के भीतर पूरा करने का लक्ष्य है। प्रदीप सांगवान ने कहा कि नए भवन बनने से क्षेत्र के लोगों को बेहतर उपचार, जांच और प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होंगी, जिससे उन्हें बड़े अस्पतालों की ओर भटकना नहीं पड़ेगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए बजट में पर्याप्त प्रावधान किए हैं और बरोदा में विकास कार्यों के लिए अनुदान की

कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने उपस्थित ग्रामीणों से अपील की कि सरकार की स्वास्थ्य योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और स्वच्छता व स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहें। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, कर्मचारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

# नूंह में घरों के उपर से गुजर रही बिजली की तारें,भाजपा नेता ने सुनी समस्याएं

**एजेंसी**

**नूंह।** भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं नूंह से पूर्व विधायक चौधरी ज़ाकिर हुसैन ने सद्दीक़ नगर, नूंह शहर में कॉलोनी वासियों के मकानों के ऊपर से गुजर रही 66 केवी बिजली लाइन व खंभों की शिफ्टिंग को लेकर बिजली विभाग के अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कॉलोनी वासियों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और समाधान को लेकर अलग-अलग सुझाव भी लिए। निरीक्षण के दौरान एचवीपीएनएल के एसडीओ देव रत्तन चौहान, जेई सुरेंद्र कुमार सहित विभागीय अधिकारी एवं कॉलोनी के प्रमुख लोग मौजूद रहे। चौधरी ज़ाकिर हुसैन ने करीब कई घंटे तक मौके पर रहकर न सिर्फ स्थिति का जायजा लिया, बल्कि कॉलोनी वासियों की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए संभावित स्थायी समाधान पर भी चर्चा की। कई घंटे के निरीक्षण के बाद चौधरी ज़ाकिर हुसैन ने बिजली विभाग के अधिकारियों और कॉलोनी के प्रतिनिधियों के साथ जिला उपायुक्त नूंह अखिल पिलानी से मुलाकात कर समस्या के समाधान

को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की। बैठक के दौरान जिला उपायुक्त अखिल पिलानी ने एचवीपीएन के अधिकारियों को इस समस्या के समाधान हेतु जल्द से जल्द प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। सद्दीक़ नगर के निवासियों ने कॉलोनी के ऊपर से गुजर रही 66 केवी बिजली लाइन व खंभों की शिफ्टिंग को लेकर ग्रीवेंस कमेटी की बैठक में शिकायत दर्ज कराई थी। इस समस्या के समाधान के लिए कमेटी के चेयरमैन एवं हरियाणा सरकार में कैबिनेट मंत्री राव नरवीर सिंह ने भाजपा नेता चौधरी ज़ाकिर हुसैन से मौके पर जाकर निरीक्षण करने और समाधान को लेकर सुझाव देने का आह्वान किया था। हुसैन ने इस जिम्मेदारी को गंभीरता से लेते हुए मौके पर जाकर न सिर्फ निरीक्षण किया, बल्कि विभागीय अधिकारियों और कॉलोनी वासियों के साथ मिलकर व्यवहारिक समाधान पर विचार-विमर्श भी किया।

# हरियाणा में 12 जनवरी से 12 फरवरी तक चलेगा राज्यव्यापी सूर्य नमस्कार अभियान

**एजेंसी**

**चंडीगढ़।** हरियाणा योग आयोग जन-जन तक योग को पहुंचाने के उद्देश्य से हर वर्ष सूर्य नमस्कार का महा-उत्सव का आयोजन करता रहा है। इस वर्ष भी यह अभियान 12 जनवरी स्वामी विवेकानंद जयंती से प्रारंभ होकर 12 फरवरी महर्षि दयानंद सरस्वती जयंती तक चलेगा। इसी कड़ी में आयुष विभाग द्वारा योग सहायकों के लिए प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया जा रहा है, ताकि अभियान को प्रभावी रूप से क्रियान्वित किया जा सके।

हरियाणा योग आयोग के प्रवक्ता ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि आयुष विभाग के सहयोग से हरियाणा पिछले चार वर्षों में इस अभियान के माध्यम से गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड सहित 6 विश्व रिकॉर्ड स्थापित कर चुका है। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत प्रत्येक जिले को न्यूनतम एक लाख पंजीकरण का लक्ष्य दिया गया है तथा 100 प्रतिशत गांवों की भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए गए हैं। प्रवक्ता ने बताया कि इस अभियान में आयुष, शिक्षा, खेल, स्वास्थ्य, पुलिस, सेना तथा आर्य समाज सहित अन्य संस्थाओं व सभी प्रमुख विभागों की सहभागिता रहेगी।

मास्टर ट्रेनर्स को विशेष प्रशिक्षण दिया गया है जो विद्यालयों, महाविद्यालयों और योगशालाओं में सूर्य नमस्कार अभ्यास सुनिश्चित करेंगे। प्रवक्ता ने बताया कि इस अभियान के तहत सूर्य नमस्कार का अभ्यास प्रातः काल में योगिक विधि से करवाया जाएगा।

प्रतिदिन 10 से 15 मिनट में 6 आवर्ती चक्रवद्ध सूर्य नमस्कार का अभ्यास किया जाएगा। इसके अलावा, जो प्रतिभागी और संस्थाएं लगातार 6 दिन अभ्यास कर वेबसाइट पर अपडेट करेंगे, उन्हें ऑनलाइन प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाएगा। प्रतिभागियों को अभियान की आधिकारिक वेबसाइट 222-suryanamaskarharyana-in पर पंजीकरण करना अनिवार्य होगा।

# अन्नदाता, रोजगारदाता व नवाचार पद्धति के रूप में हरियाणा बन रहा केंद्र: नायब सिंह सैनी

**एजेंसी**

**गुरुग्राम।** मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि अन्नदाता, रोजगार दाता व नवाचार पद्धति के रूप में हरियाणा आज केंद्र बिंदु बन रहा है। सांझे प्रयास के साथ हरियाणा प्रदेश राष्ट्र हित में अपनी सक्रिय भागीदारी अदा कर रहा है और विकास की गति में हरियाणा सदैव अग्रणी रहेगा। मुख्यमंत्री गुरुग्राम यूनिवर्सिटी में आयोजित प्री बजट कंसलटेशन सेशन के पहले दिन के समापन सत्र में बोल रहे थे। सीएम नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा देश में बेहतर वित्त प्रबंधन के साथ आगे बढ़ेगा, जिसमें हर वर्ग के उत्थान के लिए योजनाओं का क्रियान्वयन प्रभावी रुप से होगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा के लोगों ने अपनी विशिष्ट पहचान कायम की है। जहां एक ओर किसान अन्नदाता के रूप में सेवाएं प्रदान कर रहे हैं, वहीं देश की सीमाओं पर हमारे युवा सजग प्रहरी बन हरियाणा प्रदेश का मान बढ़ा रहे हैं। आज हरियाणा कृषि के साथ ही खेल व औद्योगिक क्षेत्र में अपनी विशेष पहचान कायम कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एक नवंबर 1966 को हरियाणा के अस्तित्व में आने के समय अनेक आधारहीन तथ्य माने जा रहे थे लेकिन हरियाणा के मेहनती,

इच्छाशक्ति से परिपूर्ण लोगों ने अपने परिश्रम से प्रदेश को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज प्रदेश के विकास को लेकर जो सुझाव प्राप्त हुए हैं, वे अत्यंत सराहनीय और उपयोगी हैं। पहले के बजट में भी ऐसे कई सुझावों को शामिल किया गया था, जिनके सकारात्मक परिणाम प्रदेशवासियों को मिले हैं। उन्होंने कहा कि आज जब हरियाणा प्रदेश विजन 2047 को लेकर आगे बढ़ रहा है, तो विशेषज्ञों और जनप्रतिनिधियों के सुझाव और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि विभिन्न विभागों और अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत की गई प्रस्तुतियों में नवाचार, रोजगार और ज्ञान आधारित विकास को लेकर महत्वपूर्ण सुझाव सामने आए हैं।

**NAME CHANGE**

I, hitherto known as MEHAK ATRI W/o ARNAV AGGARWAL R/o 7227, Ist Floor DLF-4, Bouganvillae Lane, Near Vyapar Kenra, Gurgan, Haryana-122009, have changed my name and shall hereafter be known as MEHAK ATRI AGGARWAL.

**NAME CHANGE**

I hitherto known as Sach S/o Surender Kumar Saini R/o H.No-7, Baba Singh Near Old Bus Stand, Bhiwani Haryana-127021 have changed my name and shall here-after be known as Sach Partap Singh

# नूंह में उद्योगों के दूषित पानी से किसान परेशान,फसल हो रही खराब

**एजेंसी**

**नूंह।** पुन्हाना के गोधोला गांव के पास संचालित पनीर व पेठा फैक्ट्री से निकल रहा दूषित पानी किसानों के लिए बड़ी समस्या बनता जा रहा है। फैक्ट्रियों से निकलने वाला गंदा पानी पास से गुजर रही कोट ड्रेन में छोड़ा जा रहा है, जिससे आसपास के खेतों की फसलें लगातार प्रभावित हो रही हैं। हालात यह हैं कि किसान ड्रेन के पानी से सिंचाई तक नहीं कर पा रहे और मजबूरी में जमीनी पानी का सहारा लेना पड़ रहा है। इस पूरे मामले में सिंचाई विभाग व स्थानीय प्रशासन की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं, क्योंकि कार्रवाई केवल नोटिस और फाइलों तक सीमित स्थानीय किसान इरशाद, जाहिद, कासम, इसाक, षौकत आदि का आरोप है कि पनीर और पेठा फैक्ट्री से निकलने वाला पानी रासायनिक तत्वों से युक्त है। यह पानी ड्रेन में पहुंचते ही बदबू फैलाता है और उसका रंग भी बदल जाता है। पहले इसी ड्रेन के पानी से आसपास के खेतों में सिंचाई की जाती थी, लेकिन अब किसान उस पानी को खेतों में डालने से डर रहे हैं। कई किसानों का कहना है कि पहले जिन खेतों में अच्छी पैदावार होती थी, वहां अब फसल पीली पड़ने लगी है और उत्पादन भी घट रहा है। ड्रेन का पानी जब खेतों में जाता है तो फसल की जड़ें कमजोर हो जाती हैं। कुछ जगहों पर सब्जी और चारे की फसल पूरी तरह खराब हो चुकी है। किसानों का कहना है कि उन्होंने कई बार संबंधित विभागों और प्रशासन को शिकायत दी, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। कभी जांच के नाम पर खानापूर्ति कर दी जाती है तो कभी आश्वासन देकर मामला टाल दिया जाता है। ड्रेन का पानी उपयोग लायक न रहने के कारण किसान अब बोरवेल और ट्यूबवेल से सिंचाई करने को मजबूर हैं। इससे खेती की लागत लगातार बढ़ रही है। डीजल और बिजली पर अतिरिक्त खर्च करना पड़ रहा है, जो छोटे और सीमांत किसानों के लिए भारी पड़ रहा है। किसानों का कहना है कि अगर यही स्थिति रही तो आने वाले समय में खेती करना और भी मुश्किल हो जाएगा। सिंचाई विभाग के कनिष्ठ अभियंता जाहिद हुसैन ने बताया कि फैक्ट्रियों से ड्रेन में डाले जा रहे रसायन युक्त दूषित पानी से आस पास का माहौल दुर्गंधमय बना हुआ है।

# वेनेजुएला अमेरिका को 30 से 50 मिलियन बैरल कच्चा तेल देगा

## ट्रंप बोले- बिक्री का पैसा मेरे नियंत्रण में रहेगा

**नई दिल्ली ।** अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कहा है कि वेनेजुएला की अंतरिम सरकार अमेरिका को 30 से 50 मिलियन बैरल उच्च गुणवत्ता वाला कच्चा तेल सौंपेगी। यह तेल फिलहाल प्रतिबंधों के दायरे में है। ट्रंप ने यह घोषणा अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर की। उनके मुताबिक, अमेरिका इस तेल को बाजार भाव पर बेचेगा और बिक्री से मिलने वाली राशि राष्ट्रपति के नियंत्रण में रहेगी, जिसका इस्तेमाल वेनेजुएला और अमेरिका दोनों देशों के लोगों के हित में किया जाएगा। ट्रंप ने कहा कि तेल की सप्लाई तुरंत शुरू की जाएगी। उन्होंने ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट को बिना किसी देरी के इस योजना को लागू करने का निर्देश दिया है। योजना के तहत तेल को स्टोरेज जहाजों के जरिए अमेरिका लाया जाएगा और सीधे अमेरिकी बंदरगाहों पर उतारा जाएगा। फिलहाल कच्चे तेल की कीमत करीब 56 डॉलर प्रति बैरल बताई जा रही है। इस हिसाब से 30 से 50 मिलियन बैरल का यह सौदा लगभग 2.8 अरब डॉलर तक का हो सकता है। अमेरिका रोजाना करीब 2 करोड़ बैरल तेल की खपत करता है, ऐसे में वेनेजुएला से मिलने वाला यह तेल लगभग ढाई दिन की जरूरत के बराबर होगा। व्हाइट हाउस ने शुक्रवार को ओवल ऑफिस में प्रमुख तेल कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक बुलाने की बात कही है। इसमें एक्सॉन, शेवरॉन और कोनोकोफिलिप्स जैसी कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल हो सकते हैं। यह घोषणा उस सैन्य कार्रवाई के कुछ दिन बाद आई है, जिसमें अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला के नेता निकोलस मादुरो को गिरफ्तार कर अमेरिका ले जाया। वेनेजुएला के अधिकारियों के अनुसार, इस ऑपरेशन में 24 सुरक्षा कर्मियों की मौत हुई। अंतरिम राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने ट्रंप के बयानों का विरोध किया है, जबकि अमेरिका में डेमोक्रेट पार्टी ने इस कार्रवाई की आलोचना की है।

# यूनियन बैंक और बैंक ऑफ इंडिया होंगे एक!

## - प्रस्ताव अभी अधिकारिक रूप से अनुमोदित नहीं हुआ

**मुंबई ।**

सरकार ने एक बार फिर यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और बैंक ऑफ इंडिया के संभावित विलय पर विचार शुरू कर दिया है। यह प्रस्ताव अभी अधिकारिक रूप से अनुमोदित नहीं हुआ है लेकिन कई मीडिया रिपोर्टों में बताया गया है कि वित्त मंत्रालय इस बड़े कदम पर गंभीरता से काम कर रहा है, जिससे बैंकिंग सेक्टर को मजबूती मिल सके और प्रतिस्पर्धा बढ़े।

अगर यह विलय लागू होता है, तो नई इकाई स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के बाद देश का दूसरा सबसे बड़ा सरकारी बैंक बन जाएगी। इससे ऑपरेशनल एफिशिएंसी, पूंजी शक्ति और नेटवर्क में वृद्धि होने की उम्मीद जताई जा रही है। यह कदम 2017-2020 के दौरान सरकारी बैंकों के बड़े विलयों की दूसरी लहर की तरह माना जा रहा है, जब 27 बैंकों को 12 में संकरा गया था।

अब फिर से ऐसे मर्जर 2.0 पर चर्चा तेज हुई है, जिसमें कुछ बैंकों के बहुमत का विलय या पुनर्गठन हो सकता है। कुछ विश्लेषक मानते हैं कि विलय से बैंक की वित्तीय स्थिति और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बेहतर होगी, जबकि बैंक कर्मचारी संघों ने चेतावनी दी है कि इससे ग्रामीण सेवाओं और स्थानीय पहुंच पर नकारात्मक असर पड़ सकता है।

हालांकि संसद में वित्त राज्य मंत्री ने बताया है कि इस समय कोई आधिकारिक मर्जर प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है, लेकिन प्रारंभिक चर्चा और रणनीति तैयार की जा रही है।

# टाटा, जेएसडब्ल्यू और सेल पर स्टील कीमत तय करने का आरोप

## भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग की जांच में हुआ खुलासा

**नई दिल्ली ।**

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) की जांच में पता चला है कि टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू स्टील और सार्वजनिक क्षेत्र की इस्पात कंपनी सेल ने आपस में मिलकर स्टील की कीमतें तय की। यह कदम भारतीय प्रतिस्पर्धा कानून के खिलाफ माना गया है। आयोग ने प्रारंभिक जांच रिपोर्ट तैयार कर कंपनियों से जवाब और वित्तीय विवरण मांगे हैं।

सूत्रों के अनुसार, सीसीआई ने अभी तक कोई अंतिम आदेश जारी नहीं किया है। जांच रिपोर्ट के आधार पर कंपनियों की आपत्तियों और सुझावों को सुना जाएगा, और फिर ही आयोग अंतिम फैसला लेगा। अगर कंपनियों पर जुर्माना लगाया जाता है, तो उसकी गणना वित्तीय विवरणों के आधार पर की जाएगी। टाटा स्टील और सेल ने उक्त मामले में अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। सीसीआई ने 2021 से स्टील क्षेत्र में गोलबंदी और कीमत तय करने की गतिविधियों की जांच शुरू की थी। पिछले साल केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा था कि स्टील और सीमेंट उद्योग में सांठगांठ देश और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए गंभीर समस्या है।

# एफएमसीजी कंपनियों की बिक्री में तेजी, 5 फीसदी तक होगी बढ़ोतरी

**नई दिल्ली ।**

एक रिपोर्ट के अनुसार आने वाले कुछ महीनों में रोजमर्रा के सामान बनाने वाली कंपनियों (एफएमसीजी) की बिक्री में 5 प्रतिशत तक वृद्धि हो सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कम मुद्रास्फीति, नकारात्मक खाद्य मुद्रास्फीति और उपभोक्ता विश्वास में बढ़ोतरी से एफएमसीजी क्षेत्र को मजबूती मिलेगी। रिपोर्ट के मुताबिक, लगभग 18 महीनों के सुस्त प्रदर्शन के बाद अगस्त से अक्टूबर की अवधि में एफएमसीजी बिक्री में 5.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। यह अप्रैल 2024 के बाद की सबसे मजबूत तिमाही वृद्धि है और पिछली तिमाही व पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में कम से कम एक प्रतिशत अंक अधिक है। पिछले साल इसी अवधि में बिक्री 4.2 प्रतिशत बढ़ी थी। रिपोर्ट के अनुसार भारत कोविड से पहले एफएमसीजी उत्पादों के लिए 139 गुना खरीदारी कर रहा था। कोविड महामारी के पहले वर्ष के दौरान यह आंकड़ा घटकर 130 रह गया। तब से यह 2024 और 2025 में बढ़कर 157 हो गया है। यह महत्त्वपूर्ण है कि प्रमुख आवश्यक श्रेणियों में कीमतों में बढ़ोतरी के कारण खरीदार हर खरीदारी पर दस रुपये अतिरिक्त दे रहे हैं। इसके अलावा, वस्तु एवं सेवा कर दरों में कटौती से ब्रांडेड और गैर-ब्रांडेड उत्पादों के बीच अंतर कम होने की उम्मीद है।

# आरबीआई ने बैंकों के डिविडेंड पर कड़े नियम जारी किए

## बैंक तभी डिविडेंड देंगे जब वे न्यूनतम पूंजी आवश्यकताओं और अनिवार्य बफर्स का पालन करेंगे

**नई दिल्ली ।**

भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने भारतीय बैंकिंग सेक्टर की वित्तीय स्थिरता मजबूत करने के लिए बैंकों द्वारा डिविडेंड भुगतान पर नए और सख्त नियमों का मसौदा जारी किया है। इसका मुख्य उद्देश्य है कि बैंक मुनाफा बांटने से पहले अपनी पूंजी पर्याप्तता और परिसंपत्ति की गुणवत्ता सुनिश्चित करें और भविष्य की अनिश्चितताओं के लिए संसाधन सुरक्षित रखें। ये नियम सभी वाणिज्यिक बैंकों और भारत में काम करने वाले विदेशी बैंकों पर लागू होंगे। हालांकि क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, स्मॉल फाइनेंस बैंक और पेमेंट बैंक फिलहाल इस दायरे से बाहर हैं। बैंक केवल तब डिविडेंड दे पाएंगे जब वे न्यूनतम पूंजी आवश्यकताओं और अनिवार्य बफर्स का पालन करेंगे। घरेलू प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण बैंकों को अतिरिक्त पूंजी बफर बनाए रखना अनिवार्य होगा।

डिविडेंड देने के बाद भी बैंक का पूंजी अनुपात निर्धारित सीमा से नीचे नहीं जाना चाहिए। अब बैंक डिविडेंड के लिए समायोजित कर पश्चात लाभ दिखाएंगे। इसमें शुद्ध एनपीए घटाने के बाद भी लाभ सकारात्मक होना जरूरी है। विदेशी शाखाओं वाले बैंक भी तभी अपने देश में मुनाफा भेज पाएंगे। यदि कोई बैंक इन शर्तों को पूरा नहीं करता है, तो उसे डिविडेंड देने या मुनाफा विदेश भेजने की अनुमति नहीं होगी। आरबीआई के दिशा-निर्देशों या कानून का उल्लंघन करने पर बैंक पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है।

# आरबीआई का बैंक पर्यवेक्षण सूचकांक बढ़ा

**मुंबई ।** भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सितंबर तिमाही में अपने बैंक पर्यवेक्षण आंकड़ा गुणवत्ता सूचकांक (एसडीक्यूआई) को 90.7 बताया, जो अप्रैल-जून तिमाही के 89.9 की तुलना में बढ़ा है। यह संकेत है कि बैंकों ने वित्तीय आंकड़े अधिक सटीक, समय पर और पूर्णता के साथ जमा किए। एसडीक्यूआई का उद्देश्य यह जांचना है कि बैंक आरबीआई के पर्यवेक्षण रिटर्न नियमों का कितना पालन कर रहे हैं। यह सूचकांक बैंकों की निगरानी और जांच में केंद्रीय बैंक के लिए महत्वपूर्ण आधार प्रदान करता है। आरबीआई के अनुसार एसडीक्यूआई स्कोर का वर्गीकरण इस प्रकार है- 70 से कम गंभीर चिंता, 70-80 सुधार की जरूरत, 80-90 स्वीकार्य एवं 90 से अधिक अच्छा। सितंबर 2025 तिमाही में किसी भी बैंक का स्कोर 80 से कम नहीं था, जो सकारात्मक संकेत है। यह सूचकांक 87 बैंकों के आंकड़ों को शामिल करता है, जिसमें ऋण की गुणवत्ता, जोखिम प्रबंधन, नकदी स्थिति और पूंजी पर्याप्तता शामिल हैं।

# लेनोवो का भारत में अगले तीन साल में कारोबार दोगुना करने का लक्ष्य

## - वृद्धि का आधार घरेलू खपत और भारत, दुनिया के लिए नवाचार रणनीति होगा

**लास वेगास ।** लेनोवो (एशिया प्रशांत) के एक अधिकारी ने कहा कि कंपनी अगले तीन वर्षों में भारत में अपने कारोबार को दोगुना करना चाहती है। इस वृद्धि का आधार घरेलू खपत और भारत, दुनिया के लिए नवाचार रणनीति होगा। मोटोरोला व्यवसाय पिछले दो वर्षों में राजस्व दोगुना से अधिक बढ़ा। बुनियादी ढांचा और सेवाओं का कारोबार उच्च दोहरे अंकों की दर से बढ़ रहा है। कंपनी का दृष्टिकोण है कि यह वृद्धि जारी रहे और अगले तीन वर्षों में लक्ष्य पूरा हो। लेनोवो भारत में अपने मुख्य सर्वरों का निर्माण कर रही है। मोटोरोला फोन के लिए सॉफ्टवेयर का महत्वपूर्ण हिस्सा स्थानीय स्तर पर विकसित किया जा रहा है। कंपनी भारत, भारत के लिए और भारत, दुनिया के लिए नीति को आगे बढ़ाएगी। भर्ती संख्या साझा नहीं की गई, लेकिन संसाधन समय से पहले जोड़ने की योजना है। जुलाई-सितंबर तिमाही में राजस्व 23 फीसदी बढ़कर 1.2 अरब डॉलर हुआ, डिजिटलीकरण, प्रीमियम उत्पादों की मांग और जीएसटी सुधारों का लाभ मिला।

# सीएमएस को एसबीआई से मिला 1000 करोड़ का ठेका

**मुंबई ।** सीएमएस इन्फो सिस्टम्स ने भारतीय स्टेट बैंक से 5000 एटीएम प्रबंधन का 1,000 करोड़ रुपये का 10 साल का ठेका हासिल किया है। अनुबंध में प्रबंधित सेवाएं, नकदी दक्षता सुधार और एटीएम कार्यक्षमता बढ़ाना शामिल है। कंपनी के मुख्य व्यापार अधिकारी अनुष राघवन ने कहा कि इससे राजस्व में 500 करोड़ रुपये की वृद्धि होगी। इस कदम से लाखों ग्राहकों को स्थिर और उच्च गुणवत्ता वाली स्व-सेवा बैंकिंग सुविधा मिलेगी।

# भारत को चांदी आयात पर निर्भरता कम करने की आवश्यकता- जीटीआरआई

## - जनवरी-नवंबर 2025 तक कुल आयात 8.5 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचा

**नई दिल्ली ।**

भारत वर्तमान में चांदी के आयात में अत्यधिक निर्भर है। वित्त वर्ष 2024-25 में देश ने 4.83 अरब अमेरिकी डॉलर का चांदी आयात किया, जबकि निर्यात केवल 47.84 करोड़ अमेरिकी डॉलर रहा। 2025 में यह आयात और तेज़ी से बढ़ा, अक्टूबर में 2.7 अरब अमेरिकी डॉलर और नवंबर में 1.1 अरब अमेरिकी डॉलर का आयात हुआ। जनवरी-नवंबर 2025 तक कुल आयात 8.5 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया और पूरे वर्ष का अनुमान 9.2 अरब अमेरिकी डॉलर है। विश्व में चांदी प्रसंस्करण में चीन सबसे बड़ा केंद्र है। चीन 6.3 अरब अमेरिकी डॉलर के चांदी अयस्क और सांद्रण का आयात करता है, जिसमें से 5.6 अरब अमेरिकी डॉलर का आयात ही देश के भीतर प्रसंस्कृत किया जाता है। इसके बाद यह उच्च मूल्य वाले उत्पादों इलेक्ट्रॉनिक्स, सौर पैनल और चिकित्सा उपकरणों में परिवर्तित होकर निर्यात होता है। टीआरआई के एक अधिकारी का कहना है कि भारत को चांदी को केवल कीमती धातु नहीं, बल्कि औद्योगिक और ऊर्जा धातु के रूप में अपनाना चाहिए। इसके लिए घरेलू शोधन एवं पुनर्चक्रण क्षमता बढ़ाना और आयात स्त्रोतों में विविधता लाना आवश्यक है। दीर्घकालिक खनन साझेदारियों के माध्यम से आपूर्ति सुनिश्चित करना भी जरूरी है। वैश्विक चांदी की लगभग 55-60 प्रतिशत मांग औद्योगिक क्षेत्रों में है। विशेषकर सौर ऊर्जा, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, इलेक्ट्रिक वाहन और चिकित्सा उपकरणों में इसका उपयोग बढ़ रहा है। सौर फोटोवोल्टिक सेल्स में कंडक्टिव पेस्ट के रूप में चांदी दक्षता बढ़ाने में मदद करती है।

# शेयर बाजार हल्की गिरावट पर बंद

**मुम्बई।**

भारतीय शेयर बाजार सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार को गिरावट के साथ बंद हुए। एशियाई बाजारों से मिलेजुले संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से दिन के अंत में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 102.20 अंक टूटकर 84,961.14 जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 37.95 अंक नीचे आकर 26,140.75 पर बंद हुआ था। कारोबार के दौरान लार्जकैप में गिरावट रही जबकि मिडकैप और स्मॉलकैप में बढ़त रही। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 276.15 अंक ऊपर आकर 61,424.70 और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 70.65 अंक नीचे आकर17,958.50 पर बंद हुआ। वहीं सेक्टोरल आधार पर , निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स , निफ्टी फार्मा और निफ्टी इंडिया डिफेंस तेजी के साथ बंद हुआ।दूसरी ओर निफ्टी ऑयल एंड गैस, निफ्टी इन्फ्रा , निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज और निफ्टी कमोडिटीज की कमजोरी के साथ बंद हुआ।

सेंसेक्स पैक में टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, सन फार्मा, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, इटरनल, एलएंडटी के शेयर उछले जबकि पावर ग्रिड, एचडीएफसी बैंक, एशियन पेंट्स, टाटा स्टील, एचयूएल, एसबीआई, भारती एयरटेल, एमएंडएम, बजाज फाइनेंस, इंडिगो के शेयरों को नुकसान हुआ। बाजार जानकारों के अनुसार मुनाफावसूली के साथ ही विदेशी निवेशकों के सतर्कता बरतने से बाजार नीचे आया है। इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुले। शुरुआती कारोबार में आईटी शेयरों में खरीदारी देखने को मिली, लेकिन ऑटो और फाइनेंशियल सेक्टर में मुनाफावसूली के कारण बाजार पर दबाव बना रहा। सेंसेक्स बड़ी गिरावट के साथ 84,620 के स्तर पर खुला। । वहीं निफ्टी-50 भी गिरावट के साथ 26,143 अंक पर खुलने के बाद निफ्टी 33.70 अंक की कमजोरी के साथ

26,145 के स्तर पर ट्रेड करता नजर आया। वहीं एशिया के शेयर बाजारों में बुधवार को मिला-जुला कारोबार देखा गया। ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स, एसएंडपी 200 इंडेक्स 0.38 फीसदी बढ़ा, क्योंकि नवंबर में महंगाई दर घटकर 3.4 फीसदी रही, जो अक्टूबर के 3.8 फीसदी से कम और बाजार के अनुमान से नीचे थी। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 1.89 फीसदी चढ़ा, जबकि जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 0.45 फीसदी गिर गया। वहीं एशियाई कारोबार के दौरान अमेरिकी शेयर बाजारों के फ्यूचर्स में ज्यादा बदलाव नहीं दिखा। अमेरिका की वेनेजुएला में हालिया सैन्य कार्रवाई के बाद निवेशकों का भरोसा बढ़ा। इससे एसएंडपी 500 और डाउ जोंस नए रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुए। इस दौरान एसएंडपी 500 में 0.62 फीसदी, डाउ जोंस में 0.99 फीसदी और नैस्डैक में 0.65 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई।

# एलआईसी ने पेश की नई लाइफटाइम इंश्योरेंस स्कीम व रिवाइवल ऑफर

## - योजना 12 जनवरी 2026 से उपलब्ध होगी

**नई दिल्ली ।** भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने नए साल की शुरुआत में अपनी नई पॉलिसी जीवन उत्सव सिंगल प्रीमियम लॉन्च करने का ऐलान किया है। यह योजना 12 जनवरी 2026 से उपलब्ध होगी। यह नॉन-लिंक्ड और नॉन-पार्टिसिपेटिंग पॉलिसी है, जिसमें शेयर बाजार के उतार-चढ़ाव का कोई असर नहीं। ग्राहक केवल एक बार प्रीमियम जमा करेंगे और जीवनभर का बीमा कवर पाएंगे। यह पॉलिसी बचत और बीमा का संतुलित मिश्रण प्रदान करती है। एलआईसी ने लैप्स हुई पॉलिसियों के लिए भी विशेष ऑफर पेश किया है। इसमें लेट फीस पर 30 फीसदी तक की छूट (अधिकतम 5,000 रुपए) दी जाएगी। लाभार्थी वे ग्राहक होंगे जिनकी पॉलिसी बकाया प्रीमियम की तारीख से पांच साल के भीतर बंद हुई हो, और इसमें माइक्रो इंश्योरेंस व नॉन-लिंक्ड प्लान शामिल हैं। मेडिकल छूट नहीं मिलेगी। एलआईसी के अनुसार पुरानी पॉलिसी को चालू रखना नई पॉलिसी लेने से अधिक फायदेमंद है, क्योंकि पुराने बोनस और बीमा कवर का लाभ निरंतर मिलता रहता है।

# भारत ने गुणवत्ता नियंत्रण आदेश वापस लिए, व्यापारिक राहत की उम्मीद

## क्यूसीओएस ने उत्पादन लागत बढ़ाई और निर्यातकों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता कमजोर की

**नई दिल्ली ।**

भारत ने हाल ही में गुणवत्ता नियंत्रण आदेशों (क्यूसीओ) को वापस लेना शुरू किया है, जिसे उद्योग जगत ने राहत और कुछ क्षेत्रों में तारीफ के साथ स्वागत किया। यह कदम उन नीतियों को पलटने की दिशा में पहला संकेत है जिन्होंने उत्पादन और निर्यात को प्रभावित किया। वस्त्र, इस्पात और रसायन उद्योग में कच्चे माल की आपूर्ति सबसे अधिक बाधित हुई। विशेषज्ञों के अनुसार क्यूसीओएस ने उत्पादन लागत बढ़ाई और निर्यातकों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता कमजोर की। विश्लेषकों का कहना है कि क्यूसीओ को वापस लेना केवल हानि नियंत्रण है, इसे सुधार या नीति सफलता नहीं मानना चाहिए। यह घटना भारत की आर्थिक शासन प्रणाली में गहराई से मौजूद समस्या, अंदरूनी हस्तक्षेप और समय पर नुकसान की पहचान में देरी का संकेत देती है। इससे नीतियों को अक्सर बाद में पलटना पड़ता है। क्यूसीओ सिर्फ एक उदाहरण हैं। इसी तरह जीएसटी संरचना और रुपये की सॉफ्ट-पेगिंग जैसी नीतियाँ भी समय के साथ संशोधित की गईं।

नीति का अचानक विस्तार और तत्काल पलटना यह दर्शाता है कि नीति निर्माण में समन्वय और स्थायित्व की कमी है। क्यूसीओएस ने विशेष रूप से निर्यातोन्मुखी क्षेत्रों पर असर डाला। उदाहरण के लिए, वस्त्र और परिधान उद्योग में पॉलिएस्टर और विस्कॉस के आयात में गिरावट आई, जिससे कंपनियों को महंगे घरेलू विकल्प अपनाने पड़े और उत्पादन प्रभावित हुआ। नवंबर 2025 से उनका क्रमिक निरस्तीकरण शुरू हुआ, जिससे व्यापारिक गतिविधियों में सहजता लौट रही है।

# बैंकों में सेल्स स्टाफ की भर्ती में बढ़ोतरी, व्यवसाय पक्ष पर जोर

**नई दिल्ली ।**

बैंकों में हाल के महीनों में सेल्स स्टाफ की नियुक्तियों में तेजी आई है। टीम लीज सर्विसेज के आंकड़ों के अनुसार बैंकों ने पिछले छह महीनों में भर्ती में 10-15 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह बदलाव सतर्क भर्ती माहौल से सक्रिय भर्ती रणनीति की ओर संकेत करता है। भर्ती का अधिकांश ध्यान आवास, वाहन और स्वर्ण ऋण जैसे सुरक्षित और बढ़ते खंडों पर रहा, जबकि रिकवरी खंड में नियुक्तियां कम रही। टीमलीज सर्विसेज के एक अधिकारी ने बताया कि मझोले निजी बैंक और एनबीएफसी छोटे और मझोले शहरों में अपनी बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए आक्रामक रूप से फ्रंटलाइन स्टाफ की नियुक्ति कर रहे हैं। इसके विपरीत बड़े निजी बैंक तकनीकी आधारित उत्पादकता और लागत अनुकूलन पर ध्यान केंद्रित कर संतुलित भर्ती कर रहे हैं। केंद्रीय बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने दिसंबर में रेपो रेट में 25 आधार अंक की कटौती की। वर्ष 2025 में कुल 125 आधार अंक की कटौती हुई। बैंक अधिकारियों का कहना है कि कम निधि लागत का लाभ धीरे-धीरे व्यवसाय वृद्धि में दिखाई दे रहा है। इस कारण बैंकों की भर्ती रणनीति अब संग्रह की तुलना में व्यवसाय और ऋण विस्तार पर अधिक केंद्रित है।

# विश्व पटल पर बालिकाओं का नवयुगः बदली सोच, उभरी शक्ति

ललित गर्ग

भविष्य की दिशा स्पष्ट है-समानता केवल अधिकारों की सूची नहीं, बल्कि अवसरों की वास्तविक उपलब्धता है। बालिकाओं को बचाना पहला कदम था; अब उन्हें बढ़ने, उड़ने और नेतृत्व करने देना अगला चरण है। स्वास्थ्य, शिक्षा और सुरक्षा के साथ-साथ रोजगार, संपत्ति अधिकार, डिजिटल अवसर और निर्णय-निर्माण में हिस्सेदारी-ये सभी समानता के स्तंभ हैं। यदि इन पर निरंतर और समन्वित कार्य हुआ, तो आने वाले वर्षों में लिंगानुपात केवल सुधरेगा ही नहीं, बल्कि समाज अधिक संतुलित, संवेदनशील और उत्पादक बनेगा।

एक समय था जब दुनिया के बड़े हिस्से में बेटी का जन्म बोझ समझा जाता था। गर्भ में ही उसके जीवन का अंत कर दिया जाता, या जन्म के बाद भेदभाव, उपेक्षा और वंचना उसका भाग्य बनती। सदियों तक चली इस दकियानूसी एवं पुरानपंथी सोच ने समाज, सभ्यता और प्रकृति-तीनों को गहरे घाव दिए। किंतु आज उसी दुनिया में सोच के स्तर पर एक निर्णायक मोड़ दिखाई दे रहा है, एक नयी सोच का उदय हो रहा है। गैलप इंटरनेशनल जैसे वैश्विक सर्वे यह संकेत देते हैं कि 44 देशों में माता-पिता की बड़ी संख्या अब संतान के लिंग को लेकर उदासीन हो रही है, उन्हें फर्क नहीं पड़ता कि बच्चा लड़का है या लड़की। यह बदलाव केवल आंकड़ों का खेल नहीं, बल्कि मानव चेतना में घटित एक ऐतिहासिक परिवर्तन है। बालिकाओं को लेकर बदल रही यह सोच मानवीयता का दर्शन करा रही है। यह सच है कि तस्वीर का एक पक्ष उजला है तो दूसरा अब भी चिंताजनक। पिछले 25 वर्षों में दुनिया ने लगभग 70 लाख बच्चियों को बचाया है, यह मानवीय प्रगति का बड़ा प्रमाण है। परंतु यह भी उतना ही कड़वा सत्य है कि आज भी हर साल दस लाख से अधिक बच्चियां गर्भ में ही खत्म कर दी जाती हैं और बीते 45 वर्षों में यह संख्या पाँच करोड़ से अधिक रही है। यानी लड़का-लड़की के भेद का राक्षस अभी पूरी तरह पराजित नहीं हुआ है। इसके बावजूद, उम्मीद की किरण इसलिए प्रबल है क्योंकि अब यह भेद सामाजिक स्वीकृति खो रहा है, और यही किसी भी क्रांति की सबसे ठोस बुनियाद होती है।

भारत में यह संघर्ष और भी जटिल रहा है। कम शिक्षा, रूढ़िवादी पितृसत्तात्मक सोच, अंधविश्वास और सामाजिक भ्रांतियों ने लंबे समय तक बालिकाओं के अस्तित्व पर संकट बनाए रखा। लेकिन हाल के वर्षों में स्थिति में उल्लेखनीय सुधार दिखता है। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे के अनुसार, भारत में बेटों की चाहत 1999 के 33 प्रतिशत से घटकर अब 15 प्रतिशत रह गई है। यह गिरावट केवल सांख्यिकीय नहीं, बल्कि मानसिकता में आए बदलाव का संकेत है। फिर भी, 15 प्रतिशत भी कम नहीं क्योंकि इसका सीधा असर लिंगानुपात पर पड़ता है। आज देश में लिंगानुपात 1000 लड़कों पर 943 लड़कियों का है। वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार जन्म के समय लड़के-लड़कियों का प्राकृतिक अनुपात लगभग 105: 100 होता है, जो पाँच वर्ष की आयु तक बराबर हो जाना चाहिए। यदि पाँच साल के बाद भी 1000 लड़कों पर 57 लड़कियाँ कम हैं, तो स्पष्ट है कि प्रकृति नहीं, समाज हस्तक्षेप कर रहा है। 57 बड़ा अंतर है।

सुधार की जो गति चल रही है, उस हिसाब से इस अंतर को पाटने में पच्चीस साल से ज्यादा लग जाएंगे। ये बच्चियां दुनिया में कदम रखें और अच्छी तरह से खुशगवार जिंदगी जिएं, इसके लिए उन्हें बचाने के उपाय, उनकी व्यापकता और गति सब बढ़ाने होंगे। सृष्टि के संतुलन के लिए भी यह जरूरी है। समाज की विडम्बनापूर्ण सोच ही वह 'बाहरी शक्ति' है-भेदभाव, उपेक्षा, असमान पोषण, स्वास्थ्य और अवसर जो संतुलन को बिगाड़ रही है। मौजूदा सुधार की गति से इस अंतर को पाटने में पच्चीस वर्ष से अधिक लग सकते हैं। इसलिए उपायों की व्यापकता और गति दोनों को बढ़ाना अनिवार्य है।

इस बदलाव के पीछे शिक्षा सबसे बड़ा कारक बनकर उभरी है। जब-जब लड़कियों को शिक्षा के समान अवसर मिले, उन्होंने न केवल अपनी क्षमताएँ सिद्ध कीं, बल्कि समाज की दिशा भी बदली। भारत सहित कई देशों में बालिका शिक्षा, छात्रवृत्ति, डिजिटल साक्षरता, कौशल विकास और स्वास्थ्य सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं ने लड़कियों के जीवन-पथ को नया आयाम दिया है। आज ग्रामीण क्षेत्रों तक स्कूल नामांकन में बालिकाओं की भागीदारी बढ़ी है, उच्च शिक्षा में उनकी उपस्थिति मजबूत हुई है और विज्ञान, तकनीक, खेल, प्रशासन तथा उद्यमिता-हर क्षेत्र में वे अपनी पहचान बना रही हैं। महत्वपूर्ण यह भी है कि अब नीतियाँ केवल संरक्षण तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि सशक्तिकरण की ओर बढ़ी हैं। शिक्षा के साथ-साथ पोषण, मातृत्व स्वास्थ्य, सुरक्षित परिवहन, डिजिटल पहुँच और नेतृत्व प्रशिक्षण, इन सभी ने मिलकर बालिकाओं के आत्मविश्वास को पंख दिए हैं। यह समग्र दृष्टि ही भविष्य की महिलाओं को 'सहायता पाने वाली' नहीं, बल्कि 'निर्णय लेने वाली' बनाती है।

दुनिया के कई देशों में महिलाएँ अब राजनीति, प्रशासन और कॉरपोरेट नेतृत्व में अग्रिम पंक्ति में हैं। वे राष्ट्राध्यक्ष हैं, सेनाओं का नेतृत्व कर रही हैं, वैज्ञानिक खोजों की अगुआई कर रही हैं और वैश्विक संस्थानों में नीति-निर्धारण का हिस्सा हैं। यह परिवर्तन इस बात का प्रमाण है कि अवसर मिलने पर प्रतिभा लिंग नहीं देखती। गैलप इंटरनेशनल के सर्वे में उभरी उदासीनता कि संतान का लिंग मायने नहीं रखता, दरअसल इसी विश्वास का सामाजिक विस्तार है कि लड़कियाँ भी उतनी ही सक्षम हैं। पहली बार दुनिया के स्तर पर बालिकाओं को लेकर एक सकारात्मक परिदृश्य उभरा है, इन बालिकाओं को लेकर बदली सोच एवं उभरी शक्ति के परिदृश्यों के बीच यह समय बालिकाओं-महिलाओं पर हो रहे अपराध, शोषण, बलात्कार, भेदभाव के त्रासद एवं क्रूर स्थितियों पर आत्म-मंथन करने का है, क्योंकि बालिकाओं एवं महिलाओं के समावेश, न्याय व सुरक्षा की स्थिति को बताने वाले वैश्विक शांति व सुरक्षा सूचकांक के 177 देशों में भारत का 128वां स्थान है। एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार, महिलाओं के विरूद्ध अपराध में राष्ट्रीय औसत 66.4 है। राजधानी दिल्ली का स्थान 144.4 अंकों के साथ सर्वोच्च है।

माना जाता है कि 90 प्रतिशत यौन उत्पीड़न जान-पहचान के व्यक्ति ही करते हैं। यानी बालिकाएं अपने ही घर या परिचितों के बीच सबसे ज्यादा असुरक्षित है। कानून और योजनाएँ आवश्यक हैं, पर पर्याप्त नहीं। असली परिवर्तन संस्कृति में होता है-घर के भीतर, भाषा में, परंपराओं में। जब परिवार बेटी के जन्म को उत्सव मानता है, उसकी शिक्षा में निवेश करता है, उसे निर्णयों में भागीदार बनाता है-तभी लिंगानुपात के आँकड़े स्थायी रूप से सुधरते हैं। मीडिया, साहित्य और सिनेमा की भूमिका भी यहाँ निर्णायक है; वे या तो रूढ़ियों को पोषित करते हैं या नई दृष्टि गढ़ते हैं। आज सकारात्मक प्रस्तुतियाँ बढ़ रही हैं, जो लड़कियों को आत्मनिर्भर, साहसी और नेतृत्वकारी रूप में दिखाती हैं यह सांस्कृतिक परिवर्तन का संकेत है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की शुरूआत का लक्ष्य भी बालिका लिंग अनुपात में गिरावट के मुद्दे पर ध्यान केंद्रित करना है।

भविष्य की दिशा स्पष्ट है-समानता केवल अधिकारों की सूची नहीं, बल्कि अवसरों की वास्तविक उपलब्धता है। बालिकाओं को बचाना पहला कदम था; अब उन्हें बढ़ने, उड़ने और नेतृत्व करने देना अगला चरण है। स्वास्थ्य, शिक्षा और सुरक्षा के साथ-साथ रोजगार, संपत्ति अधिकार, डिजिटल अवसर और निर्णय-निर्माण में हिस्सेदारी-ये सभी समानता के स्तंभ हैं। यदि इन पर निरंतर और समन्वित कार्य हुआ, तो आने वाले वर्षों में लिंगानुपात केवल सुधरेगा ही नहीं, बल्कि समाज अधिक संतुलित, संवेदनशील और उत्पादक बनेगा। एक समय था जब बालिका को कोख में ही समाप्त कर दिया जाता था; आज वही दुनिया उसके जन्म पर प्रसन्नता व्यक्त कर रही है। यह बदलाव अधूरा है, पर निर्णायक है। भारत में बेटों की चाहत का घटता ग्राफ, दुनिया भर में लिंग-उदासीनता की बढ़ती प्रवृत्ति और महिलाओं के लिए विस्तृत होती शिक्षा-सशक्तिकरण योजनाएँ-सब मिलकर संकेत देते हैं कि आने वाला समय वास्तव में महिलाओं का समय है। यदि यह गति बनी रही, तो देश की बालिकाएँ न केवल अपना परचम फहराएँगी, बल्कि मानव सभ्यता को अधिक न्यायपूर्ण और संतुलित दिशा भी देंगी। यही सृष्टि का स्वाभाविक और आवश्यक संतुलन है।

## संपादकीय

### भारत को घुड़की न दें

अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप ने अब भारत को भी घुडकाना शुरू कर दिया है। बेशक वह भारत में 'वेनेजुएला प्रयोग' को दोहराने का दुस्साहस नहीं कर सकते, क्योंकि वह भारत की चौतरफा ताकत को अच्छी तरह जानते हैं। भारत की ईमानदारी और प्रतिबद्धताओं को भी समझते हैं। भारत एक प्रमाणित परमाणु शक्ति सम्पन्न राष्ट्र है, अमरीका से अधिक यह कौन जानता है, क्योंकि अमरीका ने भारत के साथ असैन्य परमाणु करार कर रखा है। बहरहाल राष्ट्रपति ट्रंप का नया बयान आया है-'दरअसल प्रधानमंत्री मोदी बहुत अच्छे इनसान हैं। वे जानते हैं कि मैं इससे (रूस से तेल खरीद) खुश नहीं हूं और मुझे खुश रखना जरूरी है। यदि रूस से तेल खरीद जारी रही, तो भारत पर बहुत जल्दी और टैरिफ लग सकते हैं। वह भारत के लिए ठीक नहीं होगा।' गौरतलब यह है कि भारत अप्रैल, 2025 में रूस से 8.6 मिलियन टन कच्चा तेल खरीदता था, जो नवंबर तक घट कर 7.7 मिलियन टन हो गया। भारत अमरीका से भी करीब 3 मिलियन टन तेल खरीदता है। अमरीका की तुलना में रूस से तेल खरीद आज भी अधिक है। भारत ने किसी दबाव में तेल खरीद को कम नहीं किया, यह उसकी जरूरतों के मुताबिक है। तेल भंडारों और क्षमताओं को लेकर अमरीका का स्थान बहुत नीचे है। वेनेजुएला में सबसे अधिक प्रमाणित 303 अरब बैरल तेल के भंडार हैं और वह आज भी सबसे बड़ा सप्लायर है। उसके बाद सऊदी अरब और ईरान सबसे अधिक तेल बेचते हैं। राष्ट्रपति ट्रंप की पूरी रणनीति तेल कारोबार पर वर्चस्व स्थापित करने की है, जिसका विरोध अमरीका में ही किया जा रहा है। पूर्व उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने वेनेजुएला हमले और वहां के राष्ट्रपति को अगवा कर-के अमरीका लाने के ऑपरेशन को लेकर ट्रंप के खिलाफ आक्रामक बयान दिए हैं। उन्हें 'राजनीतिक' भी माना जा सकता है, लेकिन राष्ट्रपति ट्रंप के खिलाफ महाभियोग लाने पर भी चर्चा छिड़ चुकी है। डेमोक्रेट्स और ट्रंप की पार्टी के सांसद अपने ही राष्ट्रपति के खिलाफ महाभियोग लाकर उन्हें पद से हटाने की राजनीति में जुट गए हैं। जहां तक टैरिफ का मामला है, वह अमरीकी अदालत के विचाराधीन है, लिहाजा ट्रंप नए टैरिफ नहीं थोप सकते। अलबत्ता अमरीकी राष्ट्रपति कमोबेश भारत को घुड़कियां देने से बाज जरूर आएं। यदि उन्होंने घोषित 50 फीसदी से अधिक टैरिफ थोपने का कोई फैसला लिया, तो अमरीकी कांग्रेस (संसद) उसे खारिज कर सकती है। राष्ट्रपति ट्रंप बड़बोले नेता हैं, लिहाजा उनकी टिप्पणियों पर हर बार पलटटिप्पणी भारत करे, ऐसा संभव नहीं है और न ही भारत के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री को ट्रंप के बयानों की चिंता करनी चाहिए। भारत पर कुल 50 फीसदी टैरिफ थोपने के बावजूद भारत की आर्थिक विकास दर 8 फीसदी से अधिक रही है। सभी अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों और प्रमुख रेटिंग एजेंसियों के आकलन हैं कि वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की विकास दर 7 फीसदी से अधिक रहेगी। टैरिफ के बावजूद भारत की जीडीपी 375 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच चुकी है और भारत विश्व में सबसे तेज गति से बढड़े वाली अर्थव्यवस्था है।

## चिंतन-मनन

### प्रयश्चित ही कर्म फल से मुक्ति का आधार है

यह ठीक है कि जिस व्यक्ति के साथ अनाचार बरता गया अब उस घटना को बिना हुई नहीं बनाया जा सकता। सम्भव है कि वह व्यक्ति अन्यत्र चला गया हो। ऐसी दशा में उसी आहत व्यक्ति की उसी रूप में क्षति पूर्ति करना सम्भव नहीं। किन्तु दूसरा मार्ग खुला है। हर व्यक्ति समाज का अंग है। व्यक्ति को पहुँचाई गई क्षति वस्तुतः प्रकारान्तर से समाज की ही क्षति है। उस व्यक्ति को हमने दुष्कर्मों से जितनी क्षति पहुँचाई है उसकी पूर्ति तभी होगी जब हम उतने ही वजन के सत्कर्म करके समाज को लाभ पहुँचाये। समाज को इस प्रकार हानि और लाभ का बैलेन्स जब बराबर हो जायेगा तभी यह कहा जायेगा कि पाप का प्रायश्चित हो गया और आत्मग्लानि एवं आत्मप्रताड़ना से छुटकारा पाने की स्थिति बन गई। सस्ते मूल्य के कर्मकाण्ड करके पापों के फल से छुटकारा पा सकना सर्वथा असम्भव है। स्वाध्याय, सत्संग, कथा, कीर्तन, तीर्थ, व्रत आदि से चित्त में शुद्धता की वृद्धि होना और भविष्य में पाप वृत्तियों पर अंकुश लगाने की बात समझ में आती है। धर्म कृत्यों से पाप नाश के जो माहात्म्य शास्त्रों में बताये गये हैं उनका तात्पर्य इतना ही है कि मनोभूमि का शोधन होने से भविष्य में बन सकने वाले पापों की सम्भावना का नाश हो जाये। ईश्वरीय कठोर न्याय व्यवस्था में ऐसा ही विधान है कि पाप परिणामों की आग में जल मरने से जिन्हें बचना हो वे समाज की उत्कृष्टता बढ़ाने की सेवा-साधना में संलग्न हों और लदे हुए भार से छुटकारा प्राप्त कर शान्ति एवं पवित्रता की स्थिति उपलब्ध कर लें।

## अदृश्य रफ्तारः क्यों जरूरी है पृथ्वी की निरंतर धुरी पर दौड़?

दिलीप कुमार पाठक

पृथ्वी घूर्णन दिवस हर साल 8 जनवरी को मनाया जाता है, जो हमें हमारे ग्रह की उस निरंतर गति की याद दिलाता है जिसे हम महसूस तो नहीं कर पाते, लेकिन जिसका हमारे जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ता है।

यह दिन वैज्ञानिक जिज्ञासा और सत्य की खोज का प्रतीक है, जो सदियों के अंधविश्वास को तोड़कर वैज्ञानिक तथ्यों की स्थापना को समर्पित है। सदियों पहले तक मनुष्य का यह मानना था कि पृथ्वी स्थिर है और सूर्य सहित सभी खगोलीय पिंड इसके चारों ओर चक्कर लगाते हैं। लेकिन विज्ञान की प्रगति के साथ यह स्पष्ट हुआ कि हमारी पृथ्वी न केवल सूर्य की परिक्रमा करती है, बल्कि अपनी धुरी पर भी निरंतर घूमती रहती है। इसी घूर्णन गति के कारण ही पृथ्वी पर दिन और रात का चक्र चलता है, जो जीवन की लय को निर्धारित करता है। इस वैज्ञानिक सत्य की गहराई में जाएं तो हम पाते हैं कि पृथ्वी की यह घूर्णन गति केवल समय का मापदंड नहीं है, बल्कि यह हमारे अस्तित्व का आधार भी है। आज के आधुनिक युग में जब हम 2026 में प्रवेश कर चुके हैं, विज्ञान हमें यह समझने में मदद करता है कि पृथ्वी लगभग 1670 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से घूम रही है। इतनी तीव्र गति के बावजूद हमें झटका महसूस नहीं होता, क्योंकि हम और हमारा वायुमंडल भी इसी गति का हिस्सा हैं। यह घूर्णन ही है जो समुद्र के जल स्तर को संतुलित रखता है और पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण बल के साथ तालमेल बिठाकर हमें धरातल पर टिकाए रखता है। इसके बिना पृथ्वी का आकार भी वैसा नहीं होता जैसा आज हम देखते हैं, क्योंकि घूर्णन के कारण ही यह ध्रुवों पर थोड़ी चपटी और भूमध्य रेखा पर उभरी हुई है।

इस विशेष दिवस का इतिहास फ्रांसीसी भौतिक विज्ञानी लियोन फौकॉल्ट से जुड़ा हुआ है, जिन्होंने 1851 में एक ऐतिहासिक प्रयोग के माध्यम से पृथ्वी के घूमने के प्रमाण प्रस्तुत किए थे। फौकॉल्ट ने पेरिस के पेंथियन की छत से एक लंबा पेंडुलम लटकाया था और दुनिया को यह दिखाया कि समय के साथ पेंडुलम के दोलन की दिशा बदल रही है। यह बदलाव पेंडुलम के कारण नहीं, बल्कि पृथ्वी के अपनी धुरी पर घूमने के कारण हो रहा था। उनके इस सफल प्रदर्शन ने खगोल विज्ञान की दुनिया में एक नई क्रांति ला दी और आम जनमानस के लिए इस सत्य को स्वीकार करना आसान बना दिया। आज फौकॉल्ट पेंडुलम दुनिया भर के कई विज्ञान संग्रहालयों में देखा जा सकता है, जो हमें निरंतर पृथ्वी की गति का स्मरण कराता रहता है।

पृथ्वी की घूर्णन गति हमारे अस्तित्व के लिए अत्यंत आवश्यक है क्योंकि यह न केवल दिन-रात का निर्माण करती है, बल्कि पृथ्वी के तापमान को भी संतुलित रखती है। यदि पृथ्वी घूमना बंद कर दे, तो इसके एक हिस्से में हमेशा चिलचिलाती गर्मी और दूसरे हिस्से में जमा देने वाली ठंड होगी, जिससे जीवन का अस्तित्व ही संकट में पड़ जाएगा। इसके अलावा, पृथ्वी के घूमने से उत्पन्न होने वाला कोरियोलिस प्रभाव समुद्र की लहरों और वायुमंडल में हवाओं की दिशा को नियंत्रित करता है। मौसम का बदलना, बादलों की गति और महासागरीय धाराओं का प्रवाह, ये सभी पृथ्वी के निरंतर घूमने का ही परिणाम हैं। यह घूर्णन ही पृथ्वी के चारों ओर उस चुंबकीय क्षेत्र का निर्माण करता है, जो हमें सूर्य की हानिकारक विकिरणों से बचाता है।

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में, यह दिवस हमें जलवायु परिवर्तन और पृथ्वी के बदलते स्वरूप पर भी विचार करने के लिए मजबूर करता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि ग्लोबल वार्मिंग के कारण ग्लेशियरों का पिघलना पृथ्वी के द्रव्यमान वितरण को बदल रहा है, जिससे इसकी घूर्णन गति पर सूक्ष्म प्रभाव पड़ सकता है। यह सूक्ष्म बदलाव भविष्य में हमारे सटीक समय मापन और उपग्रह संचार प्रणालियों के लिए चुनौतियां खड़ी कर सकता है। अतः, पृथ्वी घूर्णन दिवस केवल एक खगोलीय घटना का उत्सव नहीं है, बल्कि यह हमारे पारिस्थितिक तंत्र की संवेदनशीलता को समझने का भी दिन है। यह हमें सिखाता है कि प्रकृति की हर क्रिया एक निश्चित गणित और संतुलन पर आधारित है, जिसे बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

आज के आधुनिक युग में पृथ्वी घूर्णन दिवस मनाने का उद्देश्य नई पीढ़ी को विज्ञान के प्रति जागरूक करना और उन्हें ब्रह्मांड के रहस्यों को समझने के लिए प्रेरित करना है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि भले ही हम अपने पैरों के नीचे की जमीन को स्थिर महसूस करते हों,

लेकिन हम वास्तव में अंतरिक्ष में एक अविश्वसनीय गति से यात्रा कर रहे हैं। शैक्षणिक संस्थानों में इस दिन छात्रों को खगोल भौतिकी के बारे में बताया जाता है और महान वैज्ञानिकों के संघर्षपूर्ण योगदान को याद किया जाता है। सरल शब्दों में कहें तो, यह दिवस कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है कि हमारी पृथ्वी सही गति और सही झुकाव के साथ घूम रही है, जिससे जीवन फलता-फूलता रहे। हमें इस दिन यह संकल्प लेना चाहिए कि हम वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाएंगे और अपनी पृथ्वी के पर्यावरण को सुरक्षित रखने में योगदान देंगे ताकि आने वाली पीढ़ियाँ भी इस अद्भुत ग्रह की गति का आनंद ले सकें।

(लेखक पत्रकार हैं)

## दिल्ली की जहरीली हवा एक शहर नहीं पूरे क्षेत्र की विफलता

कांतिलाल मांडोत

दिल्ली में प्रदूषण कोई नई समस्या नहीं रही है, लेकिन अब यह समस्या इस हद तक पहुंच चुकी है कि इसे केवल पर्यावरणीय संकट कहना कम होगा। यह एक मानवीय त्रासदी का रूप ले चुकी है। हालिया अध्ययन ने एक बार फिर इस सच्चाई को उजागर किया है कि राजधानी दिल्ली की हवा में घुला जहर सिर्फ दिल्ली की देन नहीं है। करीब 65 फीसदी प्रदूषण शहर के बाहर से आता है, खासतौर पर एनसीआर के अन्य जिलों और पड़ोसी राज्यों से। दिल्ली अपने स्तर पर केवल 35 फीसदी प्रदूषण के लिए जिम्मेदार है। इसके बावजूद सबसे ज्यादा बदनाम भी दिल्ली ही होती है और सबसे ज्यादा मार भी यहीं के लोगों को झेलनी पड़ती है।

दिल्ली की भौगोलिक स्थिति इसे प्रदूषण के मामले में बेहद संवेदनशील बनाती है। उत्तर और उत्तर पश्चिम दिशा से चलने वाली हवाएं हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, राजस्थान और पंजाब के औद्योगिक क्षेत्रों, खेतों और शहरी इलाकों से उठे धुएं और धूल को दिल्ली में लाकर पटक देती हैं। सर्दियों में हालात और बिगड़ जाते हैं क्योंकि ठंडी हवा के कारण वातावरण में ऐसी परत बन जाती है जो प्रदूषक कणों को ऊपर उठने नहीं देती। नतीजा यह होता है कि दिल्ली की हवा में पीएम 2.5 और पीएम 10 जैसे बेहद सूक्ष्म कण कई गुना खतरनाक स्तर तक पहुंच जाते हैं। नई स्टडी बताती है कि सर्दियों के मौसम में दिल्ली के भीतर गाड़ियों से निकलने वाला धुआं लोकल पीएम 2.5 प्रदूषण का करीब आधा हिस्सा बनाता है। यह योगदान इंडस्ट्री, निर्माण कार्यों और कचरा या ईंधन जलाने जैसे स्त्रोतों से भी ज्यादा है। दिल्ली की सड़कों पर वाहनों की संख्या लगातार बढ़ रही है। ट्रैफिक जाम में फंसे वाहन घंटों धुआं उगलते रहते हैं। पुरानी डीजल गाड़ियां आज भी सड़कों पर दौड़ रही हैं और सार्वजनिक परिवहन अभी भी जरूरत के मुकाबले अपर्याप्त है। लेकिन इन सबके बावजूद कुल मिलाकर बाहरी प्रदूषण ही सबसे बड़ा खिलाड़ी बनकर सामने आता है।

रिपोर्ट में यह भी साफ कहा गया है कि दिल्ली की प्रदूषण समस्या को केवल शहर की सीमाओं के भीतर रहकर हल नहीं किया जा सकता। यह एक क्षेत्रीय समस्या है और इसका समाधान भी क्षेत्रीय स्तर पर ही संभव है। दिल्ली सरकार चाहे जितने प्रतिबंध लगा ले, अगर एनसीआर और पड़ोसी राज्यों में हालात नहीं सुधरते तो राजधानी को राहत नहीं मिल सकती। यही वजह है कि हर साल वही कहानी दोहराई जाती है। सर्दी आते ही हवा जहरीली हो जाती है, स्कूल बंद होते हैं, निर्माण कार्य रुकते हैं, गाड़ियां सड़कों से हटाई जाती हैं और कुछ दिनों बाद सब कुछ फिर सामान्य मान लिया जाता है।

हालांकि पराली जलाने के मोर्चे पर 2025 की सर्दी ने एक उम्मीद की किरण जरूर दिखाई है। आंकड़ों के मुताबिक इस दौरान पराली जलाने से दिल्ली के पीएम 2.5 प्रदूषण में करीब 10.6 फीसदी की कमी आई है, जो 2024 की तुलना में एक बड़ी राहत मानी जा सकती है। 15 अक्टूबर से 30 नवंबर के बीच जब पराली जलाने का सबसे ज्यादा असर होता है, उस दौरान 2025 में इसका औसत योगदान 4.9 फीसदी रहा जबकि 2024 में यही आंकड़ा 15.5 फीसदी था। यह बताता है कि अगर नीतियां सही हों और उन्हें ईमानदारी से लागू किया जाए तो हालात सुधर सकते हैं। इसके बावजूद 12 नवंबर 2025 को एक दिन ऐसा भी आया जब पराली से प्रदूषण का योगदान 22.47 फीसदी तक पहुंच गया, जो यह याद दिलाने के लिए काफी है कि खतरा अभी टला नहीं है।

दिल्ली और एनसीआर में प्रदूषण का असर अब केवल आंखों में जलन या सांस लेने में दिक्कत तक सीमित नहीं रहा। यह लोगों की जिंदगी छीन रहा है। अस्पतालों में अस्थमा, एलर्जी, हृदय रोग और फेफड़ों से जुड़ी बीमारियों के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। बच्चों के फेफड़े पूरी तरह विकसित होने से पहले ही कमजोर हो रहे हैं। बुजुर्गों के लिए यह हवा मौत को दावत देने जैसी है। गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं पर इसका असर अलग और बेहद खतरनाक है। कई शोध यह संकेत दे चुके हैं कि वायु प्रदूषण के कारण समय से पहले मौतों की संख्या तेजी से बढ़ रही है।

यह संकट सामाजिक असमानता को भी गहराता है। अमीर लोग एयर प्यूरीफायर, बंद गाड़ियां और महंगे इलाज का सहारा ले सकते हैं, लेकिन गरीब और मजदूर वर्ग के पास ऐसा कोई विकल्प नहीं होता। खुले में काम करने वाले, सड़क किनारे रहने वाले और झुग्गियों में बसे लोग इस जहर को सबसे ज्यादा मात्रा में अपने भीतर लेते हैं। उनके लिए प्रदूषण कोई मौसम नहीं बल्कि रोज की मजबूरी है।

सरकारें भी इस स्थिति में अक्सर मजबूर नजर आती हैं। ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान जैसे उपाय कागजों पर मजबूत दिखते हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर इनका असर सीमित ही रहता है। ऑड ईवन, पटाखों पर प्रतिबंध और निर्माण कार्यों पर रोक जैसे फैसले तात्कालिक राहत देते हैं, स्थायी समाधान नहीं। असल जरूरत इस बात की है कि दिल्ली एनसीआर और पड़ोसी राज्य मिलकर एक साझा रणनीति बनाएं, जिसमें जवाबदेही तय हो और राजनीतिक इच्छाशक्ति साफ नजर आए।

अगर आगे की राह की बात करें तो यह साफ है कि केवल एक क्षेत्र या एक सरकार के बूते यह लड़ाई नहीं जीती जा सकती। परिवहन व्यवस्था में आमूलचूल बदलाव जरूरी है। सार्वजनिक परिवहन को इतना मजबूत और सुविधाजनक बनाना होगा कि लोग निजी गाड़ियों से दूरी बनाएं। इलेक्ट्रिक वाहनों को तेजी से अपनाना होगा। उद्योगों को स्वच्छ ईंधन की ओर जाना ही पड़ेगा। निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रण अब विकल्प नहीं बल्कि अनिवार्यता बननी चाहिए। कचरा जलाने पर पूरी तरह रोक और उसके लिए मजबूत व्यवस्था जरूरी है। किसानों को पराली न जलाने के लिए केवल दंड नहीं बल्कि व्यवहारिक और आर्थिक विकल्प भी देने होंगे।

इस लड़ाई में नागरिकों की भूमिका भी कम नहीं है। जब तक समाज खुद यह नहीं मानेगा कि स्वच्छ हवा उसका अधिकार है और जिम्मेदारी भी, तब तक हालात नहीं बदलेंगे। हर छोटी आदत मायने रखती है। कारपूल करना, सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करना, कचरा न जलाना और पेड़ों की रक्षा करना जैसे कदम किसी एक दिन में चमत्कार नहीं करेंगे, लेकिन लंबे समय में यही बदलाव की नींव बनेंगे।

दिल्ली की हवा आज लोगों से त्राहिमाम करवा रही है। सांस लेना एक संघर्ष बन गया है। बच्चे मास्क पहनकर स्कूल जाने को मजबूर हैं और बुजुर्ग घरों में कैद हो चुके हैं। अगर अब भी इस संकट को गंभीरता से नहीं लिया गया तो आने वाली पीढ़ियां हमें कभी माफ नहीं करेंगी। प्रदूषण सिर्फ पर्यावरण का मुद्दा नहीं है, यह जीवन और मृत्यु का सवाल बन चुका है। हवा पर किसी एक शहर का हक नहीं होता और उसकी जिम्मेदारी भी किसी एक पर नहीं छोड़ी जा सकती। दिल्ली की जहरीली हवा यह साफ संदेश दे रही है कि अब आधे अधूरे उपाय नहीं, बल्कि ठोस और साझा समाधान का समय आ चुका है।

## संक्षिप्त समाचार

### यूक्रेन युद्ध : रूस के सीमा क्षेत्रों में ड्रोन हमले, दो की मौत

**कीव, एजेंसी।** यूक्रेन और रूस के बीच चल रहे युद्ध के बीच रूस के सीमा क्षेत्रों में ड्रोन हमलों की खबर सामने आई है। स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक, यूक्रेनी ड्रोन हमलों में दो लोगों की मौत हो गई है। ये हमले ऐसे समय पर हुए हैं, जब इस युद्ध को खत्म करने के लिए पेरिस में शांति वार्ता होने वाली है। रूस के बेलगोरोड क्षेत्र के गवर्नर व्याचेस्लाव ग्लाडकोव ने बताया कि एक ड्रोन ने एक कार को निशाना बनाया, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हुई और एक बच्चा समेत दो लोग घायल हुए। इसके अलावा कुर्स्क इलाके में भी एक ड्रोन हमले में एक और व्यक्ति की जान गई। वहीं, यूक्रेन के खार्किव क्षेत्र में रूसी हमलों से तीन लोग घायल हुए हैं। शुक्रवार को हुए रूसी मिसाइल हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर पांच हो गई है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने कहा कि सुरक्षा गारंटी से जुड़े दस्तावेजों पर बातचीत तेज हो गई है। पेरिस में यूरोपीय और अमेरिकी प्रतिनिधियों के साथ अहम बैठकें प्रस्तावित हैं।

### अमेरिका में बच्चों के टीकाकरण नियमों में बड़ा बदलाव

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका ने बच्चों के टीकाकरण से जुड़ा एक बड़ा और विवादास्पद फैसला लिया है। सरकार ने हर बच्चे के लिए जरूरी माने जाने वाले टीकों की संख्या कम कर दी है। अब कुछ टीके, जैसे फ्लू वैक्सीन, परिवारों की पसंद पर छोड़ दिए गए हैं और उनके लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश नहीं दिए गए हैं। यह फैसला यूएस डिपार्टमेंट ऑफ हेल्थ एंड ह्यूमन सर्विसेस की समीक्षा के बाद लिया गया। अधिकारियों का कहना है कि इस बदलाव से किसी भी बच्चे का टीकों तक पहुंच या बीमा कवरेज प्रभावित नहीं होगी। हालांकि, डॉक्टरों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने इस फैसले की कड़ी आलोचना की है। उनका कहना है कि इससे टीकाकरण की दर घट सकती है और बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। यह कदम तब उठाया गया, जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दिसंबर में आदेश दिया था कि अमेरिका के टीकाकरण नियमों की तुलना दूसरे देशों से की जाए और जरूरत हो तो बदलाव किया जाए। विशेषज्ञों का मानना है कि टीकों पर साफ और मजबूत सरकारी मार्गदर्शन बहुत जरूरी है, ताकि बच्चों को गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखा जा सके।

### पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में आईईडी धमाका, एक की मौत

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** पाकिस्तान के उत्तर पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक वाहन को निशाना बनाकर किए गए आईईडी धमाके में एक व्यक्ति की मौत हो गई है और आठ अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि धमाका सोमवार को अशांत लक्की मरवत जिले में बेगूखेल रोड पर नवारा खेल इलाके के पास हुआ। जिस वाहन को निशाना बनाया गया, उसमें एक सीमेंट फैक्टरी के कर्मचारी सवार थे। घायलों में दो लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

### होलोकॉस्ट के बारे में बताने वालीं ईवा श्लॉस का निधन

**बर्लिन, एजेंसी।** जर्मनी के यातना शिविर ऑशविट्ज से जिंदा बचीं और होलोकॉस्ट की भयावहता के बारे में बताने वालीं ईवा श्लॉस का निधन हो गया है। वह 96 साल की थीं। ब्रिटेन स्थित ऐनी फ्रैंक ट्रस्ट ने बताया कि ईवा का निधन शनिवार को लंदन में अपने घर में हुआ। वह, इस ट्रस्ट की मानद अध्यक्ष थीं। ईवा का जन्म 1929 में वियना में हुआ था। नाजी जर्मनी के ऑस्ट्रिया पर कब्जा करने के बाद ईवा अपने परिवार के साथ एम्स्टर्डम आ गई थीं। इसके बाद वह अपनी हमउम्र ऐनी फ्रैंक की दोस्त बनीं, जिसकी डायरी होलोकॉस्ट के सबसे चर्चित वृत्तांतों में से एक है।

### चैटबॉट पर अश्लील तस्वीरें बनाने के आरोप, ब्रिटेन ने एक्स से मांगा जवाब

**लंदन, एजेंसी।** ब्रिटिश सरकार और मीडिया नियामक ऑफकॉम ने एलन मस्क के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। आरोप है कि एक्स के कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) चैटबॉट ग्रोक का इस्तेमाल कर लोगों की आपत्तिजनक और बच्चों से जुड़ी अश्लील तस्वीरें तैयार की जा रही हैं। ब्रिटेन ने कंपनी से इस गंभीर सुरक्षा चूक पर जवाब तलब किया है। ब्रिटिश नियामक ने स्पष्ट किया कि एआई के जरिये इस तरह की तस्वीरें बनाना या साझा करना कानूनन अपराध है। ऑफकॉम के प्रवक्ता के अनुसार, कंपनी से पूछा गया है कि वह यूजरों की सुरक्षा के लिए अपने कानूनी दायित्वों का पालन कैसे कर रही है। इससे पहले फ्रांस के मंत्रियों ने भी एक्स की इस सेवा को स्पष्ट रूप से अवैध बताते हुए इसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की थी। इधर, विवाद बढ़ता देख ग्रोक ने स्वीकार किया कि सुरक्षा घेरे में खामियों की वजह से ऐसी तस्वीरें बनी हैं, जिन्हें अब तेजी से सुधारा जा रहा है।

# ईरान में और भड़की विरोध प्रदर्शनों की आग; अब तक 35 की मौत, सैंकड़ों हिरासत में

**तेहरान, एजेंसी।** ईरान में विरोध प्रदर्शनों की आग और उग्र होती जा रही है। देश में खस्ताहाल अर्थव्यवस्था के विरोध में शुरू हुए प्रदर्शनों के दौरान अब तक कम से कम 35 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं सैंकड़ों लोगों को हिरासत में ले लिया गया है लेकिन इन प्रदर्शनों के थमने के कोई आसार नजर नहीं आ रहे। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को हस्तक्षेप की चेतावनी दी है और अमेरिका खामेनेई की सत्ता गिराने के लिए मौके की तलाश में है।

अमेरिका की 'ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी' ने बताया कि एक सप्ताह से अधिक समय से जारी इन प्रदर्शनों के दौरान 1,200 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया गया है। वहीं एजेंसी ने बताया कि मारे गए लोगों में 29 प्रदर्शनकारी, चार बच्चे और ईरान के सुरक्षाबलों के दो सदस्य शामिल हैं। एजेंसी के मुताबिक ईरान के 31 में से 27 प्रांतों के 250 से अधिक जगहों पर प्रदर्शन हो रहे हैं। इस बीच अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी 'फार्स' ने सोमवार देर रात बताया कि प्रदर्शनों के दौरान लगभग 250 पुलिसकर्मी और 'बसीज' बल के 45 सदस्य घायल हुए हैं।

**मौके की तलाश में अमेरिका :** मृतकों की संख्या बढ़ने के साथ यह आशंका भी जताई जा रही है कि अमेरिका ईरान में जल्द ही हस्तक्षेप कर सकता है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को ईरान को चेतावनी देते हुए कहा था कि अगर तेहरान शांतिपूर्वक विरोध कर रहे प्रदर्शनकारियों के खिलाफ हिंसा करता है तो अमेरिका 'उन्हें बचाने के लिए आगे आएगा। हालांकि यह अभी स्पष्ट नहीं है कि ट्रंप हस्तक्षेप करेंगे या नहीं और अगर करेंगे तो किस तरह करेंगे, लेकिन उनके बयानों को लेकर ईरान की ओर से तीखी प्रतिक्रिया आई है। ईरानी अधिकारियों ने पश्चिम एशिया में तैनात अमेरिकी सैनिकों को निशाना बनाने की धमकी दी है।

**दावा- ईरानी सुप्रीम लीडर खामेनेई रूस भागने की फिराक में :** ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई ने देश में चल रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच रूस भागने की योजना तैयार कर ली है। अगर प्रदर्शनों को रोका नहीं जा सका, तो खामेनेई देश छोड़ देंगे। ब्रिटिश अखबार 'द टाइम्स' को मिली एक खुफिया रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, 86 साल के खामेनेई अपने बेटे और उत्तराधिकारी मुजतबा समेत करीब 20 लोगों के छोटे दल के साथ तेहरान छोड़ सकते हैं। ईरान में आठ दिन से खामेनेई के खिलाफ प्रदर्शन जारी हैं। मानवाधिकार कार्यकर्ताओं की रिपोर्ट के मुताबिक, अब तक 78 शहरों के 222 से ज्यादा स्थानों पर प्रदर्शन हो चुके हैं। इनमें कम से कम 20 लोगों की मौत हुई है, जिनमें से तीन बच्चे हैं। वहीं, 44 नाबालिगों को गिरफ्तार किया गया है।

**देश छोड़ने के लिए पहले से तैयार खामेनेई :** खामेनेई कई चैरिटेबल फाउंडेशनों के जरिए अरबों डॉलर की संपत्ति पर नियंत्रण रखते हैं। इनमें 'सेताद' नाम की संस्था प्रमुख है, जिसकी वैल्यू पहले भी कई अरब डॉलर आंकी गई है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि शासन से जुड़े कई वरिष्ठ नेताओं के रिश्तेदार पहले से ही अमेरिका, कनाडा और खाड़ी देशों में रह रहे हैं। खुफिया सूत्रों के अनुसार, इस योजना के तहत विदेशों में संपत्तियां, प्रॉपर्टी और कैश पहले से सुरक्षित कर लिया गया है, ताकि जरूरत पड़ने पर तुरंत देश छोड़ा जा सके।

**प्रदर्शनकारियों को लेकर हमले की चेतावनी दे चुका अमेरिका :** पिछले हफ्ते अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने ईरान को चेतावनी दी थी कि अगर प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई की गई तो अमेरिका कड़ी प्रतिक्रिया देगा। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, हम पूरी तरह तैयार हैं। अगर ईरान ने पहले की तरह लोगों को मारना शुरू किया, तो उसे बहुत भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। अमेरिका स्थित मानवाधिकार संगठन ॥न्न्ह्र और ओस्लो स्थित हेंगाव ने आरोप लगाया है कि सुरक्षा बलों ने आम नागरिकों पर अंधाधुंध फायरिंग की, जिसमें बच्चों को भी नहीं बख्शा गया।

देशभर में फैले इन प्रदर्शनों की शुरुआत ईरानी मुद्रा के गिरने और महंगाई बढ़ने के बाद हुई। प्रदर्शनकारी सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं और शासन परिवर्तन की मांग कर रहे हैं। वहीं, ईरान की सरकारी फर्स न्यूज एजेंसी के मुताबिक, प्रदर्शनों में 250 पुलिसकर्मी और बसीज बल के 45 सदस्य घायल हुए हैं।

**ईरान को 'एक्सिस ऑफ रेजिस्टेंस' भी कमजोर पड़ी :** ईरान के सहयोगी देशों और गुटों की स्थिति कमजोर हुई है। 2023 में शुरू हुए इजराइल-हमास युद्ध के बाद हमास को भारी नुकसान हुआ है। लेबनान की हिजबुल्लाह के कई शीर्ष नेता मारे गए हैं। दिसंबर 2024 में सीरिया के राष्ट्रपति को सत्ता से हटाया गया।

## जापान में भूकंप के झटकों से कांपी धरती, रिक्टर स्केल पर 6.2 तीव्रता; जानमाल का नुकसान नहीं

**टोक्यो, एजेंसी।** जापान एक बार फिर भूकंप के तेज झटकों से सहम गया है। भूकंप की रिक्टर स्केल पर 6.2 तीव्रता मापी गई। सूचना के अनुसार अभी तक किसी तरह से जानमाल के नुकसान की खबर नहीं है। मंगलवार को पश्चिमी जापान में एक शक्तिशाली भूकंप आया, लेकिन सुनामी का कोई खतरा नहीं है। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के अनुसार प्रारंभिक तीव्रता 6.2 वाले इस भूकंप का केंद्र उत्तर पश्चिमी जापान के शिमाने प्रांत में था। भूकंप के झटकों से मात्सुए प्रांत की राजधानी और आसपास के शहर, जिनमें पड़ोसी तोत्तोरी प्रांत के कुछ शहर भी सहम गए।

एजेंसी ने बताया कि भूकंप का केंद्र तट से लगभग 10 किलोमीटर (6.2 मील) की गहराई पर स्थित था, और साथ ही यह भी कहा कि सुनामी का कोई खतरा नहीं है। भूकंप से किसी के घायल होने या नुकसान की कोई खबर नहीं है। परमाणु नियामक प्राधिकरण ने कहा कि शिमामे परमाणु ऊर्जा संयंत्र और क्षेत्र में स्थित एक संबंधित सुविधा में कोई असामान्यता नहीं पाई गई। जापान तथाकथित प्रशांत अग्नि-वलय क्षेत्र में स्थित है, जो दुनिया के सबसे अधिक भूकंप संभावित क्षेत्रों में से एक है। भूकंप के बाद बिजली आपूर्ति में दिक्कत आने के कारण पश्चिमी जापान में बुलेट ट्रेन सेवाओं को भी रोक दिया गया। जेआर वेस्ट के अनुसार, सान्यो शिंकानसेन लाइन सेवाएं ओकायामा और हिरोशिमा स्टेशनों के बीच रोक दी गई हैं। रेलवे कंपनी के अनुसार, दोपहर करीब 1 बजे तक सेवाएं फिर से शुरू होने की उम्मीद है। क्योडो न्यूज ने बताया कि लाइन के अन्य हिस्सों में देरी हो रही है। इससे पहले, पिछले साल 31 दिसंबर को भी जापान के उत्तरी हिस्से में इवाते प्रांत के तट के पास 5.7 तीव्रता का भूकंप आया था। यह भूकंप इवाते के पूर्वी तट से लगभग 30 किलोमीटर की गहराई पर आया, जिसकी तीव्रता इवाते के मोरिओका शहर में जापान के 7-पॉइंट भूकंपीय पैमाने पर 4 मापी गई। उस भूकंप का केंद्र लगभग 40.1 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 142.9 डिग्री पूर्वी देशांतर पर स्थित था। उस समय भी सुनामी को लेकर कोई चेतावनी जारी नहीं की गई थी।

## बांग्लादेश में 18 दिन में छठे हिंदू की हत्या

### दुकानदार पर धारदार हथियार से हमला; बढ़ती हिंसा को लेकर फेसबुक पोस्ट किया था

**ढाका, एजेंसी।** बांग्लादेश के नरसिंदी जिले में सोमवार रात एक हिंदू दुकानदार की धारदार हथियारों से हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान 40 वर्षीय शरत चक्रवर्ती मणि के रूप में हुई है। यह बीते 18 दिनों में छठे हिंदू व्यक्ति की हत्या है। शरत चक्रवर्ती मणि पलाश उपजिला के चारसिंदूर बाजार में अपनी किराना दुकान चला रहे थे। इसी दौरान अचानक पहुंचे अज्ञात हमलावरों ने उन पर धारदार हथियारों से हमला कर दिया और मौके से फरार हो गए। गंभीर रूप से घायल मणि को अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

19 दिसंबर को मणि ने फेसबुक पर एक पोस्ट लिखकर देश में बढ़ती हिंसा पर चिंता जताई थी और अपने इलाके को मौत की घाटी बताया था।

**कल ही एक और हिंदू की गोली मारकर हत्या :** 5 जनवरी को ही जेसोर जिले में भी एक हिंदू व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मोनिरामपुर इलाके में एक आइस फैक्ट्री मालिक राणा प्रताप बैरागी की सार्वजनिक रूप से हत्या हुई। वे कपलिया बाजार में आइस फैक्ट्री चलाते थे और दैनिक बीडी खबर' अखबार के कार्यकारी संपादक भी थे। रिपोर्ट के मुताबिक, बाइक पर सवार तीन हमलावर उन्हें फैक्ट्री से बाहर बुलाकर एक गली में ले गए और सिर में नजदीक से गोली मारकर फरार हो गए। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। बदमाश गोली मारने के बाद मौके से फरार हो गए। बाद में पुलिस ने घटनास्थल से सात खाली कारतूस बरामद किए। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। हत्या के कारणों का फिलहाल खुलासा नहीं हुआ है।

## लेबनान के कई इलाकों में इस्राइल का ड्रोन हमला, निरस्त्रीकरण बैठक से पहले हिज्बुल्लाह के खिलाफ कार्रवाई

**लेबनान , एजेंसी।** इस्राइल की वायुसेना ने मंगलवार लड़के दक्षिणी और पूर्वी लेबनान के कई इलाकों पर हमला किया, जिसमें देश का तीसरा सबसे बड़ा शहर सीदोन भी शामिल है। मंगलवार तड़के करीब एक बजे हुए हमले में दक्षिणी तटीय शहर सीदोन में एक तीन मंजिला व्यावसायिक इमारत ध्वस्त हो गई।

यह घटना लेबनान के सेना कमांडर की ओर से इस्राइल के साथ सीमावर्ती क्षेत्रों में आतंकवादी समूह हिजबुल्लाह को निरस्त्र करने के अपने मिशन पर सरकार को जानकारी देने से कुछ दिन पहले हुई। घटनास्थल पर मौजूद एसोसिएटेड प्रेस के एक फोटोग्राफर ने बताया कि यह इलाका एक व्यावसायिक जिले में था, जिसमें वर्कशॉप और मैकेनिक की दुकानें थीं और इमारत में कोई नहीं रहता था। इस हमले के बाद कम से कम एक व्यक्ति को एम्बुलेंस से अस्पताल ले जाया गया। बचाव दल घटनास्थल पर अन्य लोगों की तलाश कर रहे थे, लेकिन तत्काल किसी की मौत की जानकारी सामने नहीं आई। वहीं, सोमवार को इजरायली सेना ने दक्षिणी और पूर्वी लेबनान में कई ठिकानों पर हमला किया। उनका कहना था कि इन ठिकानों पर हिज्बुल्लाह और हमास जैसे आतंकवादी समूहों का बुनियादी ढांचा मौजूद था।

ये हमले इस्राइल के सैन्य प्रवक्ता अविचाई अद्राई की ओर से एक्स पर चेतावनी पोस्ट करने के लगभग दो घंटे बाद हुए। इस पोस्ट में उन्होंने कहा था कि सेना पूर्वी बेका घाटी के दो गांवों और दक्षिणी लेबनान के दो अन्य गांवों में हिज्बुल्लाह और फिलिस्तीनी हमास समूहों के ठिकानों पर हमला करेगी। सीदोन में हुआ बाद का हमला बिना किसी पूर्व सूचना के किया गया था और इस्राइली सेना ने इस पर तुरंत कोई बयान जारी नहीं किया। लेबनान की सरकारी समाचार एजेंसी ने बताया कि बेका घाटी के मनारा गांव में जिस घर पर हमला हुआ, वह हमास के सैन्य कमांडर शरहाबिल अल-सैयद का था। जो मई 2024 में एक इस्राइली ड्रोन हमले में मारा गया था।

इस्राइल की चेतावनी के बाद इलाकों को खाली करा लिया गया था और इन हमलों में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। सोमवार को लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि सोमवार सुबह दक्षिणी गांव ब्राईकेह में एक कार पर हुए ड्रोन हमले में दो लोग घायल हो गए। इस्राइली सेना ने कहा कि हमले में हिजबुल्लाह के दो सदस्यों को निशाना बनाया गया था।

लेबनानी सेना ने पिछले साल फिलिस्तीनी समूहों के निरस्त्रीकरण की प्रक्रिया शुरू की थी, जबकि सरकार ने कहा कि 2025 के आखिर तक इस्राइल की सीमा से सटे सभी क्षेत्र हिजबुल्लाह की सशस्त्र मौजूदगी से मुक्त हो जाएंगे। लेबनानी सरकार गुरुवार को एक बैठक में हिजबुल्लाह के निरस्त्रीकरण पर चर्चा करने वाली है, जिसमें सेना कमांडर जनरल रुडोल्फ हायकल भी शामिल होंगे। सोमवार को हुए हवाई हमले लिटानी नदी के उत्तर में स्थित गांवों में हुए जो इस्राइल की सीमा से काफी दूर हैं।

## 'मुझे नहीं दिखता कार्रवाई का खतरा', ट्रंप की धमकी के बाद मेक्सिको की राष्ट्रपति शीनबाम का बड़ा बयान

**मेक्सिको सिटी, एजेंसी।** वेनेजुएला में अमेरिकी सैन्य कार्रवाई और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की धमकियों के बाद कई देशों पर इसी तरह की कार्रवाई की तलवार लटकी हुई है। इस बीच मेक्सिकन सरकार और विश्लेषकों ने मेक्सिकन ड्रग कार्टेल के खिलाफ एकतरफा अमेरिकी सैन्य कार्रवाई की संभावना को खारिज कर दिया है।

उनका कहना है कि मेक्सिकन राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम का प्रशासन वॉशिंगटन की मांगों का पालन कर रहा है और दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंध महत्वपूर्ण हैं। कई लोगों को उम्मीद है कि मेक्सिको से और अधिक रियायतें हासिल करने के लिए इस तरह की और धमकियां दी जाएंगी।

**'मुझे नहीं दिखता कोई जोखिम', बोलीं शीनबाम :** हालांकि, ट्रंप की ओर से कोई अप्रत्याशित कदम उठाने की संभावना से पूरी तरह से इनकार नहीं किया जा सकता है। इस बीच सोमवार को शीनबाम ने अमेरिकी सैन्य कार्रवाई की संभावना को कम करके आंका। उन्होंने कहा, 'मुझे इसमें कोई जोखिम नहीं दिखता। अमेरिका सरकार के साथ समन्वय और सहयोग है।' उन्होंने कहा, 'मुझे हमले की संभावना पर विश्वास नहीं है, मुझे तो यह भी विश्वास नहीं है कि वे इसे गंभीरता से ले रहे हैं। विदेशी सैन्य हस्तक्षेप से संगठित अपराध का समाधान नहीं होता।'

**मेक्सिको क्यों नहीं है वेनेजुएला :** दरअसल, मेक्सिको की स्थिति वेनेजुएला या अमेरिका की धमकियों की जद में आए क्यूबा जैसे देशों से बिल्कुल अलग है। पहली बात तो यह है कि शीनबाम एक लोकप्रिय और वैध रूप से निर्वाचित राष्ट्रपति हैं। दूसरा मेक्सिको अमेरिका का प्रमुख व्यापारिक साझेदार है। एक ऐसा देश जहां 4 करोड़ मेक्सिकन रहते हैं। तीसरा अमेरिका में पूर्व मेक्सिकन राजदूत मार्था बार्सेना ने कहा कि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने मेक्सिको के साथ उच्च स्तरीय सहयोग को स्वीकार किया है।

## 'मैं किडनैप किया गया राष्ट्रपति और एक युद्ध बंदी हूं', अमेरिकी अदालत में बोले मादुरो

**न्यूयॉर्क , एजेंसी।** वेनेजुएला के नेता निकोलस मादुरो, जिन्हें अमेरिका ने पकड़कर नशीले पदार्थों से जुड़े आतंकवाद के आरोपों में मुकदमे के लिए न्यूयॉर्क लाया है, ने एक अमेरिकी संघीय न्यायाधीश के सामने कहा कि वह निर्दोष हैं और खुद को 'युद्ध बंदी' मानते हैं। सोमवार को कड़ी सुरक्षा के बीच उन्हें पहली बार अदालत में पेश किया गया। सुनवाई के दौरान उन्होंने एक ट्रांसलेटर के जरिए कहा, 'मैं एक किडनैप किया गया राष्ट्रपति हूं। मैं एक युद्ध बंदी हूं।' अमेरिका की डेल्टा फोर्स के जवानों ने शनिवार सुबह एक सटीक सैन्य अभियान में वेनेजुएला के एक सैन्य अड्डे से मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को हिरासत में लिया और हवाई जहाज से न्यूयॉर्क ले आए।

अदालत में हुई यह सुनवाई औपचारिक थी। इस दौरान मादुरो और उनकी पत्नी दोनों ने 25 पन्नों की चार्जशीट में लगाए गए सभी आरोपों को गलत बताया और खुद को निर्दोष बताया। मादुरो ने कहा, 'मैं निर्दोष हूं। मैंने कोई अपराध नहीं किया है। मैं एक सभ्य व्यक्ति हूं और आज भी अपने देश का राष्ट्रपति हूं।' सिलिया फ्लोरेस ने भी अदालत से कहा, 'मैं वेनेजुएला गणराज्य की प्रथम महिला हूं।'

जब मादुरो ने अपने अपहरण की बात शुरू की, तो न्यायाधीश एल्विन हेलरस्टीन ने उन्हें रोकते हुए कहा कि उन्हें अदालत के सामने सिर्फ अपनी पहचान बतानी है। मादुरो के वकील बैरी पोलॉक ने अदालत में कहा कि वह यह सवाल उठा सकते हैं कि किसी देश के राष्ट्रपति की गिरफ्तारी कानूनी है या नहीं, क्योंकि उन्हें संप्रभु सुरक्षा (इम्युनिटी) मिलनी चाहिए, और यह भी कि उनका सैन्य तरीके से

पकड़ा जाना कितना वैध है। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा है कि मादुरो को लाने की कार्रवाई कानून लागू करने की प्रक्रिया थी, न कि कोई युद्ध। मादुरो और फ्लोरेस को एक संघीय हिरासत केंद्र में रखा गया है, जिसकी हालत को लेकर खुद जज भी आलोचना कर चुके हैं। कभी सख्त शासन करने वाले मादुरो अब आम कैदी की तरह दिख रहे थे। उन्होंने साधारण कपड़े पहन रखे थे और उनके साथ सुरक्षाकर्मी थे। अदालत कक्ष में प्रवेश करते समय, अमेरिकी मार्शलों से घिरे मादुरो ने सभी को स्पेनिश में 'ब्यूनस डियास', यानी 'शुभ दिन' कहा। सिलिया फ्लोरेस के माथे पर पट्टी बंधी हुई थी। उनके वकील मार्क डॉनेली ने बताया कि अमेरिकी बलों द्वारा पकड़े जाने के समय उन्हें चोट लगी थी और उनकी कुछ पसलियां टूट सकती हैं। मादुरो और फ्लोरेस पर पर मुख्य आरोपों में नार्को-टेररिज्म की साजिश शामिल है, जिसमें कथित तौर पर वेनेजुएला की सेना और खुफिया एजेंसियों का इस्तेमाल करके कोकीन की खेप को अमेरिका में तस्करी करने का आरोप है। इसी कारण उन पर नशीले पदार्थों से जुड़े आतंकवाद की साजिश का आरोप लगाया गया है।

इन आरोपों को मजबूत करने के लिए, उन पर मशीनगन और खतरनाक हथियार रखने के भी आरोप लगाए गए हैं।

## न्यू जर्सी विशेष चुनाव : भारतीय-अमेरिकी समुदाय से समर्थन की अपील के साथ चुनावी मैदान में उतरे कांग्रेस उम्मीदवार

**वाशिंगटन, एजेंसी।** काउंटी कमिश्नर और वोटिंग राइट्स अटॉर्नी जॉन बार्टलेट न्यू जर्सी के 11वें कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट से होने वाले विशेष चुनाव में चुनाव लड़ रहे हैं। जॉन बार्टलेट सीधे तौर पर भारतीय मूल के अमेरिकी मतदाताओं से समर्थन मांग रहे हैं। उनका कहना है कि उनका इस समुदाय से निजी और राजनीतिक दोनों तरह का जुड़ाव है और वह उनकी समस्याओं को समझते हैं। जॉन बार्टलेट ने बताया कि यह विशेष चुनाव इसलिए हो रहा है क्योंकि मौजूदा सांसद मिकी शेरिल न्यू जर्सी की गवर्नर चुनी गई हैं, जिससे यह सीट खाली हो गई। उन्होंने कहा, '5 फरवरी को हमारा एक विशेष चुनाव होने वाला है, और हममें से एक दर्जन लोग डेमोक्रेटिक प्राइमरी चुनाव लड़ रहे हैं। मैं उन उम्मीदवारों में से एक हूं। मैं यूनाइटेड स्टेट्स कांग्रेस में इस डिस्ट्रिक्ट का प्रतिनिधित्व करने का मौका चाहता हूं।' भारतीय अमेरिकी समुदाय से अपने रिश्ते पर बात करते हुए बार्टलेट ने आईएएनएस को एक इंटरव्यू में बताया कि शादी के कारण वह इस समुदाय का हिस्सा हैं। उनकी पत्नी डॉक्टर कैथी जोशी भारतीय मूल की अमेरिकी हैं। उन्होंने कहा कि पत्नी के जरिए उन्होंने भारतीय संस्कृति और समुदाय के बारे में बहुत कुछ सीखा है। वह भारत भी कई बार जा चुके हैं और उत्तरी न्यू जर्सी में रहने वाले भारतीय अमेरिकियों से उनका लगातार संपर्क रहा है। पैसिक काउंटी में एक काउंटी कमिश्नर के तौर पर, बार्टलेट ने कहा कि उन्होंने अप्रवासी समुदायों को शामिल करने को प्राथमिकता दी। उन्होंने खास तौर पर भाषा की सुविधा पर ध्यान दिया। 2020 की जनगणना के दौरान लोगों तक जानकारी सिर्फ अंग्रेज़ी और स्पेनिश में ही नहीं, बल्कि अरबी, हिंदी और बंगाली में भी पहुंचाई गई। उनका कहना है कि जब सभी की गिनती होती है, तभी उन समुदायों को सही संसाधन मिल पाते हैं। बार्टलेट ने न्यू जर्सी के 11वें डिस्ट्रिक्ट को राज्य के कुछ सबसे प्रमुख भारतीय अमेरिकी समुदायों का घर बताया, जिसमें पार्सिपेनी, लिविंगस्टन, शॉर्ट

हिल्स, रैंडोल्फ और वेन शामिल हैं। उन्होंने कहा, '11वां डिस्ट्रिक्ट 12 प्रतिशत एशियाई अमेरिकी है, और उनमें से आधे से ज्यादा भारतीय अमेरिकी हैं। यहां अलग-अलग पीढ़ियों, पेशों और अनुभवों वाले परिवार रहते हैं। उनका कहना है कि इस इलाके के भारतीय अमेरिकी परिवारों को वीज़ा और इमिग्रेशन से जुड़ी दिक्कतों, नस्लीय और धार्मिक भेदभाव, और बढ़ती महंगाई जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। बार्टलेट ने कहा कि वह चाहते हैं कि इन समुदायों की बात अंदर से समझने वाला और उनकी समस्याओं पर तुरंत ध्यान देने वाला प्रतिनिधि उन्हें मिले।

करीब 25 साल से मतदान अधिकारों के वकील रहे जॉन बार्टलेट का कहना है कि वह ऐसे समय में कांग्रेस का चुनाव लड़ रहे हैं, जब नागरिक अधिकारों और लोकतंत्र पर खतरे बढ़ते जा रहे हैं। उन्होंने ट्रंप प्रशासन पर नागरिक अधिकारों और मतदान अधिकारों को कमजोर करने का आरोप लगाया। उनका कहना है कि 2028 का राष्ट्रपति चुनाव निष्पक्ष और स्वतंत्र रहे, इसके लिए सही लोगों का चुना जाना जरूरी है। बार्टलेट ने यह भी कहा कि कम मतदान वाले विशेष चुनाव में भारतीय अमेरिकी मतदाताओं की भागीदारी बहुत अहम है। उन्होंने कहा, 'एक स्पेशल चुनाव में, अगर आप अपने बेस और अपने समर्थकों को वोट डालने के लिए लाते हैं, तो आप जीतने वाले उम्मीदवार होंगे।' उन्होंने भारतीय अमेरिकियों से जल्दी मतदान, डाक से मतदान या 5 फरवरी को वोट डालने की अपील की। नीतियों की बात करें तो बार्टलेट ने स्वास्थ्य सेवा, इमिग्रेशन और भारत-अमेरिका रिश्तों को अहम बताया। उन्होंने सरकारी स्वास्थ्य सेवा विकल्प को फिर से शुरू करने की बात कही और उन नीतियों की आलोचना की, जिनसे परिवारों पर खर्च का बोझ बढ़ा है।

उन्होंने टैरिफ और वीज़ा पाबंदियों को भी गलत बताया, जिनसे भारतीय अमेरिकी कारोबार और परिवार प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि एडिसन की ओकट्री रोड और जर्सी सिटी की न्यूआर्क एवेन्यू जैसे इलाकों पर इन नीतियों का सीधा असर पड़ा है। भारत को अमेरिका के लिए दुनिया के सबसे अहम साझेदारों में से एक बताते हुए बार्टलेट ने कहा कि दोनों देशों के बीच व्यापार और लोगों के रिश्तों को और मजबूत करने की जरूरत है, न कि ऐसी नीतियां बनाने की, जो इमिग्रेशन और व्यापार को मुश्किल बनाएं। उन्होंने कहा, '5 फरवरी को यह चुनाव भारतीय अमेरिकी समुदाय के लिए अपनी ताकत दिखाने, अपना राजनीतिक प्रभाव दिखाने और कुछ सच में खास करने का एक मौका है।

# चेहरे की रौनक रखें बरकरार

**आम** तौर पर देखने में आता है कि कुछ स्त्रियां जब वजन घटाती हैं तो उनके चेहरे पर इसका बुरा प्रभाव दिखाई देने लगता है। ऐसे बहुत कम लोग होते हैं जिनके चेहरे पर वजन घटने पर किसी प्रकार का प्रभाव न दिखे। ऐसा होने पर जिन स्त्रियों का रंग गोरा होता उनका रंग पीला पडने लगता है, उनकी आंखों के नीचे काले घेरे पडने लगते हैं और जिन स्त्रियों का रंग सांवला होता है उनका चेहरा और भी सांवला लगने लगता है। जो स्त्रियां चेहरे की सुंदरता खो जाने या रौनक कम हो जाने से परेशान हैं, उनके लिए यहां कुछ उपयोगी सुझाव दिए जा रहे हैं।

### पहले यह करें

क्लींजिंग मिल्क से चेहरे को सुबह-शाम साफ करें। इसके अलावा आप ब्लीचिंग क्रीम का प्रयोग करें। इसे लगाने के 15 मिनट बाद चेहरा पानी से साफ करें। इससे आपके चेहरे के रोएं हलके भूरे हो जाएंगे और आपके चेहरे पर रौनक आ जाएगी। ब्लीच के बाद किसी भी कोल्ड क्रीम से मालिश करके त्वचा के अनुरूप फेस पैक लगाएं। सूखने के बाद पैक को पहले स्पंज से गीला करके अंगुलियों की मदद से गोल-गोल घुमाते हुए मसाज करते हुए छुडाएं, इससे चेहरे की मृत त्वचा पैक के साथ निकल जाएगी।

### मेकअप से पाएं बेहतर रूप

ऊपर बताए गए उपायों के अलावा सही ढंग से किया गया मेकअप ही ऐसा उपाय है, जिससे चेहरे पर तुरंत रौनक आ जाती है। आप मेकअप इस तरह से करें –

- सबसे पहले चेहरे को क्लींजिंग मिल्क से साफकरें।
- कंसीलर को चेहरे के दाग-धब्बों तथा आंखों के नीचे काले घेरों पर लगाएं। इसे अपनी अंगुलियों के टिप्स से अच्छी तरह से मिलाएं। फिर टिश्यू पेपर से थपथपा कर सेट करें।
- फिर त्वचा के रंग से मेल खाती मेकअप स्टिक का उपयोग करें और इसे भी अंगुलियों की सहायता से पूरे चेहरे पर फैलाएं। चेहरे के साथ गर्दन तथा कानों का भी ध्यान रखें, ताकि कहीं आप गर्दन या कानों को अनदेखा ना करें।
- इसके बाद कॉम्पेक्ट पाउडर लगाएं, जिससे चेहरे की त्वचा एक समान प्रतीत हो।
- आंखों को उभारने के लिए पलकों के ऊपर बरौनियों पर आईशैडो लगाएं। आईब्रो को आईब्रो पेंसिल से गहरा करें।
- अब ब्लशर को गालों के ऊपर से शुरू कर के कानों तक ले जाते हुए लगाएं। नाक, माथे व ठोडी पर भी थोडा सा ब्लशर लगाएं, फिर ब्रश से अतिरिक्त झाड दें। नाक, माथे व ठोढी पर भी थोडा सा रूज भी लगाएं। फिर लिपस्टिक लगाने से पूर्व लिप लाइनर से होंठों को सही आकार दें। लिप लाइनर लिपस्टिक से एक शेड गहरा चुनें।
- किसी अच्छी कंपनी के ही ब्यूटी प्रोडक्ट्स इस्तेमाल करें। घर लौटने पर मेकअप साफकरना न भूलें।

### आजमाएं कुछ घरेलू उपाय भी

- उचित आहार व फलों के रस का नियमित सेवन करें। ऐसा करने से कुछ समय बाद आपके चेहरे पर स्वाभाविक रौनक दिखाई देने लगेगी।
- खीरे के रस को एक कटोरी में डालकर फ्रीजर में रखें। दिन में दो बार उस बर्फ को चेहरे पर कुछ देर मलें।
- 1 अंडे की सफेदी में एक चम्मच ग्लिसरीन मिलाकर खूब अच्छी तरह फेंटें फिर चेहरे परेफेस पैक की तरह लगाएं।
- टमाटर को बीच से आधा काटकर चेहरे पर कुछ देर मलने से दाग-धब्बे दूर हो जाते हैं और चेहरे पर रौनक आ जाती है।

# अगर आप बनना चाहती हैं आकर्षण का केंद्र

**लोगों** का आकर्षण का केंद्र बनने के लिए कुछ छोटी-छोटी, किंतु महत्वपूर्ण बातों पर ध्यान रखना व उनके प्रति सजग रहना जरूरी होता है। इसके लिए आप यहां बताए जा रहे टिप्स को अपनाएं –

### सजगता एवं बुद्धिमत्ता जरूरी

ऐसे लोगों की कही बातों पर ध्यान देना, उन्हें समझना, को लेकर अगर आप सजग रहती हैं तो कोई वजह नहीं कि सामने वाला आपसे मुंह मोडे।

### बॉडी लैंग्वेज सही रखें

यह ध्यान रखें कि आपके बोलने, खडे होने, चलने व हंसने का अंदाज आपके व्यक्तित्व की पहचान बनता है। उनके प्रति भी आप सजग रहें।

### आत्मविश्वास भी बढाता है आकर्षण

आत्मविश्वास से भरी स्त्रियां हमेशा ज्यादा आकर्षित करती हैं। स्त्री भले ही कितनी भी खूबसूरत हो, यदि उसमें आत्मविश्वास नहीं तो वह जीवन में कभी खुश व संतुष्ट नहीं रह सकती, न ही रख सकती है।

### एंजॉय करना सीखें

जो स्त्री जिंदगी को एंजॉय करना जानती है, खुशियां उसे ही मिलती हैं। वही संतुष्ट हो पाती है व दूसरों को खुशी दे पाती है।

### सक्रिय रहें

जो स्त्रियां एक्टिव रहती हैं व लगातार व्यस्त रहती हैं वही दूसरों के लिए उदाहरण बनती हैं।

### सिर्फ कवर को ही न सजाएं

जरूरी नहीं कि जो किताब बाहर कवर से अच्छी लग रही हो वह भीतर से भी अच्छी हो। अपनी असलियत पहचानने की कोशिश करें। अगर कहीं जरूरी लगे तो अपने आपको बदलें भी। और बन सकती है आकर्षण का केंद्र इन महत्वपूर्ण बातों को ध्यान में रख कर।

# स्वस्थ बालों के लिए 6 उपाय

**खूबसूरत** बाल ईश्वर की देन होते हैं, लेकिन उन्हें संवारना और स्वस्थ बनाए रखना आपके हाथ में होता है। यहां दिए गए उपाय अपनाकर आप पा सकती हैं काले, घने लहराते बाल।

- सबसे पहले अपने आहार पर ध्यान दें। हरी पत्तेदार सब्जियां खाना आज ही से शुरू कर दें। फलों के जूस, डेयरी प्रोडक्ट्स, नारियल, सैलेड आदि को अपने दैनिक आहार का हिस्सा बनाएं।
- सोने से पहले बालों में ऑलिव ऑयल या सरसों का तेल लगाएं। दूसरी सुबह शैंपू करके हेयर सीरम लगाएं।
- सप्ताह में 2-3 बार उरद की दाल और मेथी का पेस्ट बालों में लगाएं। फिर खूब अच्छी तरह 10 मिनट बाद उन्हें शैंपू करें। ऐसा करने से बाल रेशमी, मुलायम हो जाते हैं।
- कभी भी पुराना रबर बैंड बालों के लिए इस्तेमाल न करें। ऐसा करने से बाल टूटते हैं और दोमुंहे हो जाते हैं। बजाय इसके आप फैब्रिक कोटेड इलास्टिक बैंड इस्तेमाल कर सकती हैं।
- टेबल स्पून मेयोनीज के साथ आठ स्ट्रॉबेरी को मसल लें। इस मिश्रण से धुले और गीले बालों का मसाज करें। फिर कुछ देर के लिए शॉवर कैप लगाएं। उसके बाद गर्म तौलिए को सिर पर लपेटें और थोडी देर बाद शैंपू कंडीशनर से बालों को धो लें।
- डैंड्रफ दूर करने और बालों का रूखापन हटाने के लिए केले को शहद में मिलाकर बालों में 30-40 मिनट तक लगाएं। फिर बालों को ताजे पानी से अच्छी तरह धो लें।

# लहसुन का अचार

**सामग्री:** 1 किलो लहसुन, 10 ग्राम मेथीदाना, 10 ग्राम जीरा, 10 ग्राम हींग, 30 नींबू, 30 ग्राम साबुत धनिया, 100-100 ग्राम नमक, गुड़ और मिर्च पाउडर, 10 ग्राम राई, आधा किलो तिल का तेल।

**विधि:** हींग, मेथीदाना, धनिया और जीरा को एक फ्राइंगपैन में बगैर तेल के सुनहरा होने तक भूनें। इस मिश्रण को मिक्सर में पीसकर एक तरफ रख दें। नींबू का रस निकालकर छान लें। इसमें नमक डालें। जिंजेली ऑयल को गरम करें और राई डालें। राई तड़कने लगे, तब लहसुन डालें। जब मिश्रण एक चौथाई पक जाए, तब नींबू का रस डाल दें। जब लहसुन आधा पक जाए तब हल्दी पाउडर, मिर्च पाउडर, मसाला पाउडर और नमक डालें। थोड़ी देर और पकाएं। अब इसमें गुड़ डालें। 10 मिनट तक पकाएं। ठंडा करके बॉटल में रख दें।

# टाईम पास

## आज का राशिफल

**मेष** — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। आय-व्यय समान्य रहेगा। शुभांक-5-7-9

**वृष** — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

बुरी संगति से बचें। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। एकाकी प्रवृति का त्याग करें। शुभांक-3-5-7

**मिथुन** — का की कू घ ङ छ के को हा

कारोबार के विस्तार का मानस बनेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-2-4-6

**कर्क** — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

नये-नये व्यापारिक अनुबंध होंगे। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। हरि करे सो खरी इसीलिए पूरे मनोयोग से कार्य करें। यात्रा योग हैं। शुभांक-5-7-9

**सिंह** — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

कार्यक्षेत्र में खुशनुमा माहौल बनेगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-2-5-8

**कन्या** — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। शुभांक-3-5-7

**तुला** — रा री रु रे रो ता ती तू ते

योजना क्रियान्वन के लिए समय अच्छा व सकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। सफलता मिलेगी। सुनियोजित तरीके से कार्यारम्भ करें। शुभांक-2-5-7

**वृश्चिक** — तो ना नी नू ने नो य यी यू

व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते हैं। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। कार्य सफल होगें। शुभांक-4-5-7

**धनु** — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। धार्मिक यात्रा का योग बना है। शुभांक-3-6-8

**मकर** — भे जा जी खी खू खे खो गा गी

सैर-सपाटे में समय व्यतीत होगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। शुद्ध गोचर का लाभ। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आर्थिक लाभ के किये कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-4-6-8

**कुंभ** — गू गे गो सा सी सू से सो दा

मनोरंजन के साधनों पर धन-व्यय होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। स्त्री का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-5-8

**मीन** — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। आर्थिक स्थिति सुधरेगी। शुभांक-2-4-6

## काकुरो पहेली - 1950

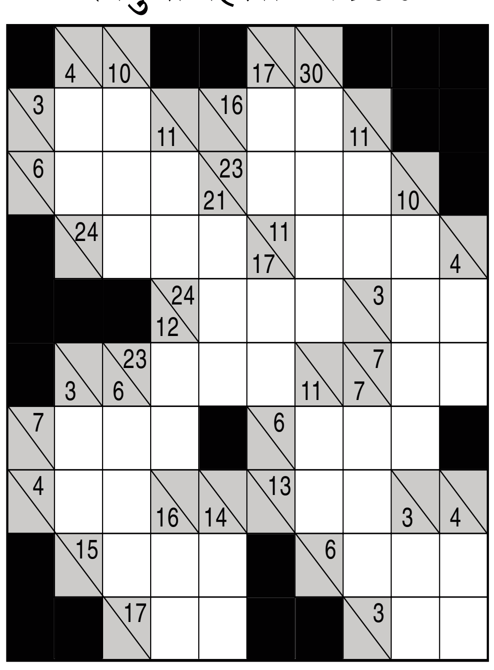

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

**उदाहरणत:**

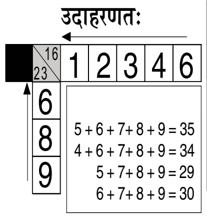

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

### काकुरो - 1949 का हल

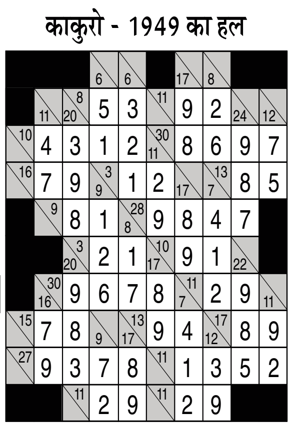

## लॉफिंग ज़ोन

एक बार में थर्टी फर्स्ट की पार्टी मना रहे युवक-युवतियों का ध्यान अचानक बोर्ड पर गया, जिसमें लिखा था 'यहाँ देर रात तक नहीं चलेगी पार्टियाँ।'

उनमें से एक युवक ने घड़ी देखी और घबराया हुआ मेन गेट पर आकर झाँकने लगा।

तभी पास ही गश्त लगा रहे पुलिस वाले ने कहा- तुम्हारे पास अब सिर्फ चार ही मिनट बचे है। यहाँ से जल्दी भागो वर्ना अंदर कर दूँगा।

□ □ □

प्रेमिका से मिलने गया प्रेमी बोला- अभी तुमसे मिलने आते समय रास्ते में किसी ने मेरी जेब ही काट ली?

प्रेमिका- तो तुमने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज की?

प्रेमी नहीं- ...जैसे ही मैंने कटी हुई जेब देखी, फौरन पास वाले दर्जी से सिलवा ली।

□ □ □

अपने दोस्तों के साथ ताश खेल रहा क्रोधित पति (पत्नी से)- युधिष्ठिर भी तो जुआ खेलते थे, फिर तुम मुझे क्यों रोकती हो?

पत्नी इतराकर बोली- कभी नहीं रोकूँगी! खूब खेलो जुआ, लेकिन इस बात को याद रखना की द्रौपदी के पाँच पति थे।

## फिल्म वर्ग पहेली - 1950

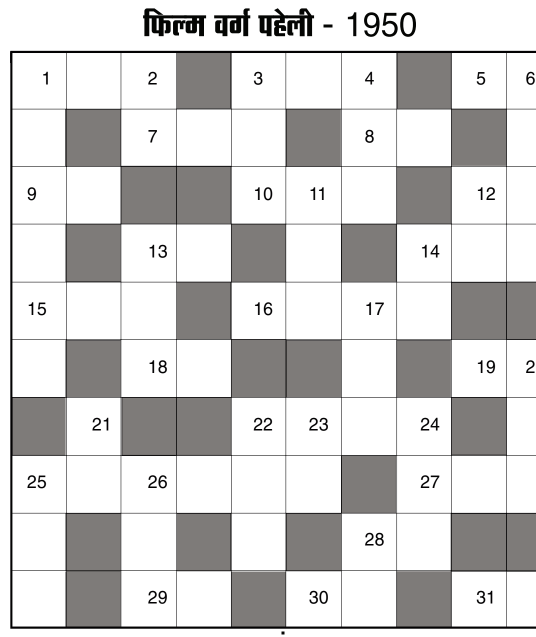

**बायें से दायें:-**

१. अनिल, रेखा की 'तू मेरा मखना' गीत वाली फिल्म-३
३. 'किसीसे तुम प्यार करो' गीत वाली अक्षय, लारा, प्रियंका की फिल्म-३
५. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-२
७. राजकुमार, मीनाकुमारी की 'चलो दिलदार चलो' गीत वाली फिल्म-३
८. मंगेशकर बहनों लता, आशा, उषा की चौथी बहन का नाम क्या हैं?-२
९. अमिताभ, जया की 'आए तुम याद मुझे' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'परदेसी तो हैं परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
१२. देवआनंद, निम्मी की 'ओ रूपनगर के सौदागर' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'मैं ने तुझसे प्यार' गीत वाली विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-२
१४. राजकपूर, मीनाकुमारी की 'ऐ चाँद जहाँ वो जाए' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी, अमीषा की फिल्म-३
१६. अजय देवगन, मनीषा, करिश्मा की एक फिल्म-४
१८. 'जलता है जिया' गीत वाली सुनील दत्त, रीनाराय, आशा की फिल्म-२
१९. सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'तारे हैं बारती' गीत वाली अनिल, तब्बू, पूजा बत्रा की फिल्म-४
२५. मनीष, मनीषा की 'तू दीवाना पागल मेरा' गीत वाली फिल्म-३,३
२७. 'लड़की है क्या' गीतवाली फिल्म-३
२८. 'मेरे खयालों की' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'सूर्यवंशी' में नायिका कौन थी-२
३०. सनी, जूही की 'जादू तेरी नजर' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'जब कोई बात' गीतवाली फिल्म-२

**ऊपर से नीचे:-**

१. 'रात कली इक ख्वाब में आई' गीत वाली फिल्म-२,२,२
२. फिल्म 'आर या पार' की नायिका-२
३. शाहरूख, माधुरी की 'बड़ी मुश्किल है' गीत वाली फिल्म-३
४. 'तुम भी चलो हम भी चलें' गीत वाली अमिताभ, सायरा की फिल्म-३
६. राजेश खन्ना, राखी की 'छोड़दे जवानी में उदासी' गीत वाली फिल्म-४
११. 'तेरी चाहत में' गीत वाली फिल्म-१,२
१२. नसीरूद्दीनशाह, पूजा की 'आज हमने दिल का हर फैसला' गीत वाली फिल्म-२
१३.'बहारों फूल बरसाओ' गीतवाली फिल्म-३
१४. अमिताभ, शशि, शत्रुघ्न, राखी, परवीन, बिंदिया की फिल्म-२
१७. जीतेंद्र, हेमा की 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-३
२०.फिल्म 'शोला और शबनम' नायिका कौन थी?-३
२१. फिल्म 'गुनाह' की नायक कौन था-२
२२. जीतेंद्र, लीना की 'कभी खोले ना तिजोरी का' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'मझे तेरे जैसी लड़की' गीत वाली डिनो और बिपाशा की फिल्म-२
२४. अक्षय, करीना की 'यार बदल ना जाना' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'फूलों सा चेहरा तेरा' गीत वाली फिल्म-३
२६. राजेश, धर्मेन्द्र, वहीदा की 'हमने देखी है' गीत वाली फिल्म-३
२८.'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनीदेओल, सुष्मिता सेन की फिल्म-२

### फिल्म वर्ग पहेली- 1949

## सूडोकु -1950

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 7 | | | | | | | 4 | |
| | | 5 | | 3 | | | 7 | |
| | | | | | 8 | | | 2 |
| | | | | | 1 | 9 | | |
| | 2 | | | | | | 8 | |
| | | 6 | 7 | | | | | |
| 1 | | | 4 | | | | | |
| | 9 | | | 2 | | 5 | | |
| | 8 | | | | | | | 1 |

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

### सूडोकु -1949 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 8 | 4 | 5 | 6 | 1 | 3 | 7 | 2 | 9 |
| 7 | 2 | 6 | 4 | 9 | 5 | 3 | 8 | 1 |
| 9 | 3 | 1 | 7 | 8 | 2 | 6 | 5 | 4 |
| 1 | 7 | 2 | 9 | 6 | 8 | 4 | 3 | 5 |
| 5 | 6 | 9 | 3 | 2 | 4 | 1 | 7 | 8 |
| 4 | 8 | 3 | 5 | 7 | 1 | 9 | 6 | 2 |
| 2 | 9 | 7 | 1 | 5 | 6 | 8 | 4 | 3 |
| 3 | 1 | 8 | 2 | 4 | 7 | 5 | 9 | 6 |
| 6 | 5 | 4 | 8 | 3 | 9 | 2 | 1 | 7 |

## शब्द पहेली - 1950

**बाएँ से दाएँ**

1.जायकेदार,लजीज-5
4.नट का खेल-4
7.राय,वोट-2
8.दुरुह,कठिन-3
9.प्रहार,घात-2
10.अचरज भरा कार्य-4
11.शराब,मद्य-2
13.साझेदार-4
14.क्षण,लम्हा-2
16.सहयोग-3
18.अड़िग-3
19.कैद, बंधक-3,2
21.चुगली करना-2,3
24.धावक (अंग्रेजी-3)
26.अग्नि, आग-3
28.टैक्स, हाथ-2
29.एक मुगल सम्राट-4
30.टकटकी-2
32.कैंची से काटना-4
33.आत्मा-2
35.सीरा,मिष्ठान-3
36.आगमन-2
37.जोरदार-4
38.तेज दौड़ना-5

**ऊपर से नीचे**

1.बुरी आदत-2
2.झगड़ा,रार-4
3.फिल्मी दुनिया-3,2
4.लेखनी,पेन-3
5.इस पर रोटी सेंकते हैं-2
6.वटवृक्ष-4
7.मन को भाने वाला-5
10.बुरा आचरण-4
12.यमराज-2
15.चुनौती-4
17.विदरण,एकता भंग-3
18.आर्द्रक-4
20.भूमि,धरती-3
22.आवेश में आना-4
23.नामकरण-2,3
25.नरक में रहना-5
26.जामफल-4
27.बेल,लतिका-2
29.प्रार्थना,ईश्वर वंदना-4
31.जलजला-3
34.मैं का बहुवचन-2
36.रुपये का सोलहवां भाग-2

### शब्द पहेली - 1949 का हल

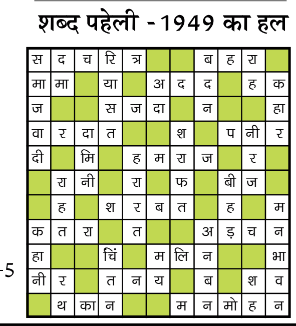

## शिक्षकों के अपमान पर भाजपा ने विधानसभा में केजरीवाल के खिलाफ किया प्रदर्शन

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** दिल्ली विधानसभा शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायकों और नेताओं ने आम आदमी पार्टी (आआपा) पर शिक्षकों का अपमान करने और झूठी राजनीति फैलाने का आरोप लगाते हुए दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। भाजपा नेताओं ने विधानसभा परिसर में महात्मा गांधी के मूर्ति के नीचे आआपा के खिलाफ पोस्टर और बैनर लेकर विरोध किया और नारे लगाए। पोस्टर-बैनर पर केजरीवाल माफी मांगो और झूठ बोलकर शिक्षकों को बदनाम करना बंद करो लिखा हुआ था। भाजपा ने आरोप लगाया कि आआपा नेताओं ने सरकारी स्कूलों के शिक्षकों को आवारा कुत्तों की गिनती की जिम्मेदारी देने संबंधी झूठी अफवाह फैलाई, जबकि ऐसा कोई आदेश नहीं है। इससे शिक्षकों की गरिमा को ठेस पहुंची और आआपा झूठी राजनीति कर रही है। तिमारपुर विधानसभा से भाजपा विधायक सूर्य प्रकाश खत्री ने कहा कि आम आदमी पार्टी झूठी राजनीति फैला रही है। केजरीवाल और उनके नेता शिक्षकों का सम्मान करने की बजाय झूठ बोलकर उन्हें अपमानित करने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता ने आआपा को सबक सिखाया है, अब वे हताशा में झूठ फैला रहे हैं।

## भाजपा महिला मोर्चा की बैठक में कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने पर जोर

**नई दिल्ली।** पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों के मद्देनजर भारतीय जनता पार्टी की महिला मोर्चा की अहम बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में महिला मोर्चा की अध्यक्ष वनाथी श्रीनिवासन और भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव बीएल संतोष के साथ महिला मोर्चा के राज्य चुनाव प्रभारी और सह-प्रभारी मौजूद रहीं। इस बैठक में चुनावी राज्यों में महिला कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने के साथ-साथ जनसंपर्क अभियान की योजना बनाने पर जोर रहा। इस बैठक का उद्देश्य आने वाले पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों की तैयारियों की समीक्षा करना था। सूत्रों के मुताबिक बैठक में महिला कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने पर जोर दिया गया। महिलाओं तक पहुंचने के लिए आउटरीच कार्यक्रमों की योजना तैयार करने से लेकर जनसंपर्क कार्यों को तेज करने पर जोर दिया गया। सूत्रों के अनुसार हर राज्य की स्थिति के अनुसार अलग-अलग चुनावी रणनीतियों पर चर्चा हुई। बैठक में दोहराया गया कि भाजपा महिला मोर्चा जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करने, महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने और चुनावी प्रक्रिया में उनकी सक्रिय और प्रभावी भूमिका सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उल्लेखनीय है कि इस साल पश्चिम बंगाल, असम, पुदुचेरी, केरल और तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव होने हैं। इन राज्यों में केवल असम में भाजपा की सरकार है। भाजपा के सामने बाकी चार राज्यों में अपनी पकड़ को मजबूत कर जीतना है।

## सूरत रिवरफ्रंट पर 10 जनवरी को इंटरनेशनल काइट फेस्टिवल, देश-विदेश के 94 पतंगबाज लेंगे भाग

**सूरत।** गुजरात के सूरत में आगामी 10 जनवरी को रांदेर जोन स्थित रिवरफ्रंट पर अंतरराष्ट्रीय पतंग उत्सव (इंटरनेशनल काइट फेस्टिवल) का आयोजन होगा। इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन को लेकर सूरत महानगरपालिका, जिला प्रशासन और गुजरात सरकार का पर्यटन विभाग व्यापक तैयारियां कर रहा है।यह पतंग उत्सव गुजरात सरकार के पर्यटन विभाग, जिला प्रशासन और सूरत महानगरपालिका के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। आयोजन स्थल अडाजण क्षेत्र में तापी नदी के किनारे स्थित रिवरफ्रंट के समीप रखा गया है। इन तैयारियों के तहत विभिन्न विभागों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।पतंग उत्सव में कुल 94 पतंगबाज हिस्सा लेंगे। इनमें 45 अंतरराष्ट्रीय पतंगबाज बहरीन, कोलंबिया, फ्रांस, जर्मनी और पोलैंड जैसे देशों से आएंगे। वहीं देश के 20 पतंगबाज कर्नाटक, महाराष्ट्र, पंजाब और केरल से भाग लेंगे, जबकि गुजरात से 29 पतंगबाज अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। इस आयोजन के दौरान अनोखे और आकर्षक पतंगों के करतब दर्शकों के लिए खास आकर्षण रहेंगे। देश-विदेश के पतंगबाजों के साथ-साथ सूरत शहर के खिलाड़ी, विद्यार्थी और बड़ी संख्या में नागरिक भी इस पतंग उत्सव में शामिल होंगे।

## हकारिता मंत्रालय का क्षेत्रीय समीक्षा सम्मेलन 8-9 जनवरी को उदयपुर में

**जयपुर।** केंद्र सरकार के सहकारिता मंत्रालय की ओर से 8 एवं 9 जनवरी को उदयपुर में क्षेत्रीय समीक्षा सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य सहकारिता क्षेत्र में केंद्र एवं राज्यों की विभिन्न पहलों की प्रगति की समीक्षा करना तथा भविष्य की रणनीति पर विचार-विमर्श करना है। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को सहकारिता मंत्रालय के सचिव डॉ. आशीष कुमार भूटानी संबोधित करेंगे, जबकि राजस्थान के मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन सत्र को संबोधित करेंगे। मंत्रालय के संयुक्त सचिव (सीटीपी प्रभाग) इस विषय पर अवलोकन प्रस्तुतीकरण करेंगे तथा राजस्थान के सहकारिता विभाग की शासन सचिव का स्वागत उद्बोधन होगा। सहकारिता विभाग की शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां आनन्दी ने बताया कि दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस के अंतर्गत विभिन्न विषयों पर आधारित कुल 12 सैशन्स होंगे।

# छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के छिपाकर रखे गए 11 नग क्लेमोर माइन बरामद

**एजेंसी**

**मोहला-मानपुर-अम्बागढ़।** छत्तीसगढ़ के मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ जिले की अम्बागढ़ चौकी पुलिस ने आज मंगलवार नक्सलियों के छिपाकर रखे गए कुल 11 नग क्लेमोर माइन(पाइप बम) निर्माण में प्रयुक्त डंप किया गया विस्फोटक सामग्री बरामद किया है।

राजनांदगांव रेंज के पुलिस महानिरीक्षक अभिषेक शांडिल्य आज बताया कि जिला मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी पुलिस ने जिले को नक्सल-मुक्त करने के उद्देश्य से नक्सल विरोधी अभियान चलाया जा रहा है, जिससे नक्सल के हर निशान और सुबत को खोजने के साथ नक्सलियों की धर पकड़ तेज कर दी गई है। इसी क्रम में सभी जिलों के कप्तानों को अभियान में और तेज लाने के निर्देश दिए गए हैं। इस बाबत जिला

पुलिस अधीक्षक यशपाल सिंह ने पत्रकारों को जानकारी दी कि आज डीआरजी टीम जिला पुलिस मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी एवं आईटीबीपी 40 वीं वाहिनी के जवानों द्वारा परवीडीह पहाड़ी क्षेत्र में संयुक्त सर्च अभियान चलाया। सर्च अभियान के दौरान सुरक्षा बलों की सतर्कता और सूझ-बूझ के साथ कार्रवाई करते हुए नक्सलियों के छिपाकर रखे गये कुल 11 नग क्लेमोर माइन (पाइप बम) निर्माण में प्रयुक्त विस्फोटक डम्प को बरामद किया गया। समय रहते इस डम्प की बरामदगी से नक्सलियों की किसी भी साजिश को पूरी तरह नाकाम कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि थाना मोहला क्षेत्रांतर्गत स्थित परवींडीह की पहाड़ी, जो कि घने जंगलों एवं दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों से युक्त है, पूर्व में नक्सलियों की गतिविधियों का प्रमुख गढ़ रही है। इसी क्षेत्र में नक्सलियों द्वारा सुरक्षाबलों को नुकसान पहुँचाने की मंशा से क्लेमोर माइन (पाइप बम) तैयार करने के लिए विस्फोटक सामग्री का डम्प छिपाकर रखा गया था।

## आआपा नेताओं ने विधानसभा के बाहर प्रदूषण के खिलाफ किया प्रदर्शन

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** दिल्ली विधानसभा में आम आदमी पार्टी (आआपा) की नेता प्रतिपक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी मार्लेना के नेतृत्व में पार्टी नेताओं ने राजधानी में बढ़ते वायु प्रदूषण के मुद्दे पर मास्क पहन कर विधानसभा के बाहर प्रदेश सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने कहा कि दिल्ली में प्रदूषण से बुरा हाल है, अस्पताल भरे हुए है, लेकिन दिल्ली सरकार प्रदूषण के मुद्दे से भाग रही है। उन्होंने कहा कि आज दिल्ली की सबसे बड़ी समस्या प्रदूषण है, लेकिन जब आम आदमी पार्टी (आआपा) इस गंभीर मुद्दे पर चर्चा

की मांग करती है तो बहाने बनाकर चर्चा से बचती है। आतिशी ने सवाल उठाया कि आखिर यह सारा ड्रामा क्यों किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि फुटबॉल के महान खिलाड़ी मेसी जब दिल्ली में आए तो स्टेडियम में एक्यूआई के नारे लगे थे। यह केवल दिल्ली नहीं बल्कि पूरे देश की बेइज्जती थी। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार प्रदूषण पर चर्चा से इसलिए बचना चाहती है क्योंकि उनके पास इस समस्या का कोई जवाब नहीं है। उन्होंने कहा कि आज पूरी दिल्ली प्रदूषण के खिलाफ आवाज उठा रही है लेकिन सरकार कुछ नही करना चाहती। आतिशी ने मांग की कि यह दिखावटी राजनीति तुरंत बंद की जाए और प्रदूषण के मुद्दे पर तत्काल गंभीर चर्चा कराई जाए।

## शिक्षकों के जरिए कुत्तों की गिनती संबंधित गुमराह करने वाले बयानों को लेकर माफी मांगे केजरीवाल : सूद

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने आम आदमी पार्टी (आआपा) संयोजक अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखा सरकारी स्कूलों के शिक्षकों को लेकर कुत्तों की गिनती संबंधित गुमराह करने वाले बयानों के लिए माफी मांगने को कहा है। आशीष सूद ने आज दिल्ली विधानसभा परिसर में प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए कहा कि केजरीवाल के गैरजिम्मेदाराना व्यवहार को बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने पत्र में दिल्ली में सरकारी स्कूल के शिक्षकों की ड्यूटी लगाने के बारे में केजरीवाल के हाल ही में दिए गए गलत और गुमराह करने वाले बयानों पर गहरी चिंता व्यक्त की है।शिक्षा मंत्री ने कहा कि केजरीवाल ने सार्वजनिक रूप से आरोप लगाया है कि शिक्षकों को आवारा कुत्तों की गिनती से संबंधित ड्यूटी दी जा रही है। ये दावे न केवल गलत हैं, बल्कि तथ्यों को गंभीर रूप से गलत तरीके से पेश करना भी है। इस मामले पर सरकारी सर्कुलर पहले से ही पब्लिक डोमेन में है। प्रशासन में आपके अनुभव को देखते हुए दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री के तौर पर आपके बयानों को सिर्फ़ गलतफहमी नहीं माना जा सकता। से पीछे हटने की शूट-एंड-स्कूट राजनीति करती है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि इस तरह की राजनीति अनावश्यक उथल-पुथल पैदा करती

इसके बजाय, वे इस महत्वपूर्ण सुरक्षा पहल को सुचारू रूप से लागू करने में बाधा डालने की जानबूझकर की गई कोशिश का हिस्सा लगते हैं। दुर्भाग्य से ऐसा व्यवहार एक लगातार पैटर्न को दिखाता है जिसमें आआपा बिना किसी आधार के आरोप लगाने, सनसनी फैलाने और फिर ज़िम्मेदारी है, जनता का विश्वास कम करती है और शासन में बाधा डालती है। वे बच्चों के कल्याण या स्कूलों के कामकाज में ऐसी हरकतों को दखल देने की इजाजत नहीं दे सकता। पूर्व मुख्यमंत्री के तौर पर आपको गलत जानकारी फैलाने के लिए दिल्ली के लोगों से सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए।

## दिल्ली के तुर्कमान गेट इलाके में बुलडोजर एक्शन पर भाजपा सांसद बोले- अतिक्रमण बिल्कुल बर्दाश्त नहीं होगा

**एजेंसी**

**नई दिल्ली ।** दिल्ली के तुर्कमान गेट इलाके में बुधवार सुबह अवैध अतिक्रमण हटाने के दौरान हुई पथराव की घटना पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं ने प्रतिक्रिया दी है। भाजपा नेताओं ने कहा कि दिल्ली में कतई भी अतिक्रमण नहीं करने दिया जाएगा। समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में भाजपा सांसद योगेंद्र चंदोलिया ने कहा कि हम सभी धर्मों का सम्मान करते हैं, लेकिन किसी भी हालत में अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। एमसीडी या डीडीए की ओर से जो भी कार्रवाई जरूरी है, वह की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि दिल्ली में कतई भी अतिक्रमण नहीं करने दिया जाएगा, इसके लिए हर संभव कार्रवाई की जाएगी। भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि कार्रवाई हाईकोर्ट के आदेश पर की गई है। उन्होंने कहा, 'मैं पुरानी दिल्ली का रहने वाला हूं और यहां के लोग शांति पसंद हैं। अतिक्रमण हटाने का काम पूरी तरह से कानून के तहत और हाईकोर्ट के आदेश के अनुसार किया गया। एजेंसियों ने हाईकोर्ट के निर्देशों का पालन किया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर उचित कार्रवाई की जाएगी। पुलिस चाहिए। 'मंत्री आशीष सूद ने कहा कि फैज-ए-इलाही मस्जिद अपनी तय जगह पर है। जो कार्रवाई हो रही है, वह मस्जिद के आसपास के अवैध अतिक्रमण के खिलाफ हो रही है।

मामले पर नजर रख रही है।' वहीं, इस मामले पर दिल्ली सरकार में मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि चाहे वह हाईकोर्ट का आदेश हो या सुप्रीम कोर्ट का, इसे लागू करना पुलिस और सरकार का कर्तव्य है। उन्होंने कहा, 'हाई कोर्ट के आदेशों का पालन किया जा रहा है। लेकिन जो लोग ऐसी (पत्थरबाजी) हरकतें कर रहे हैं, वे गलत हैं। पुलिस को उनके खिलाफ कार्रवाई करनी मस्जिद पर कोई असर नहीं पड़ा है। प्रशासन पूरी तरह अलर्ट और तैयार है। बता दें कि बुधवार सुबह दिल्ली के तुर्कमान गेट इलाके में अवैध निर्माण के खिलाफ एमसीडी ने कार्रवाई की। हालांकि, कुछ लोगों ने बुलडोजर एक्शन का विरोध करते हुए पथराव किया, जिसके बाद पुलिस को बल का प्रयोग करना पड़ा। इस मामले में फिलहाल 10 लोगों को हिरासत में लिया गया है।

## मप्र में मानसिक स्वास्थ्य आधारित पुलिसिंग को मिला राष्ट्रीय सम्मान

**एजेंसरी**

**भोपाल।** मध्य प्रदेश पुलिस में मानसिक स्वास्थ्य, तनाव प्रबंधन एवं संवेदनशील पुलिसिंग को सुदृढ़ करने की दिशा में किए गए दूरदर्शी और नवाचारपूर्ण प्रयासों के लिए पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा को हार्टफुलनेस संस्था द्वारा 'प्रथम हार्टफुलनेस चेंज मेकर अवार्ड' 21 दिसंबर को हैदराबाद स्थित कान्हा शांतिवनम में आयोजित अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम में भारत के उपराष्ट्रपति की उपस्थिति में देने की घोषणा की गई थी। भोपाल स्थित पुलिस मुख?यालय में हार्टफुलनेस संस्था के प्रतिनिधि एवं आईजी रूचिवर्धन ने डीजीपी मकवाणा को यह सम्मान संस?था की ओर से प्रदान किया। इस अवसर पर डीजीपी कैलाश मकवाणा ने बताया कि मध्य प्रदेश पुलिस ने यह दृष्टिकोण अपनाया कि प्रभावी पुलिसिंग की नींव केवल कानून प्रवर्तन ही नहीं बल्कि मानसिक संतुलन, भावनात्मक स्थिरता और संवेदनशील व्यवहार पर आधारित होती है। इसी सोच के

तहत वर्ष 2022 से मध्य प्रदेश पुलिस में हार्टफुलनेसमेडिटेशन को व्यवस्थित रूप से अपनाया गया, जिसे फरवरी 2025 में हार्टफुलनेस संस्था के साथ हुए समझौता ज्ञापन के माध्यम से और अधिक सुदृढ़ किया गया। इस पहल के अंतर्गत प्रदेश के सभी पुलिस प्रशिक्षण संस्थानों में नवआरक्षकों को नियमित ध्यान अभ्यास कराया जा रहा है। वर्तमान में लगभग 1000 प्रशिक्षित हार्टफुलनेस प्रशिक्षक सक्रिय हैं तथा पुलिस विभाग अपने इन-हाउस प्रशिक्षक भी तैयार कर रहा है। ध्यान आधारित प्रशिक्षण के सकारात्मक परिणाम स्वरूप पुलिसकर्मियों की निर्णय क्षमता, कार्यकुशलता एवं भावनात्मक संतुलन में उल्लेखनीय सुधार देखा जा रहा है, वहीं, समाज में पुलिस की छवि भी अधिक संवेदनशील और भरोसेमंद रूप में उभर रही है।

आईजी (प्रशासन) रुचिवर्धन मिश्रा ने बताया कि योग, ध्यान और मानसिक कल्याण आधारित यह प्रयोग देश में अपनी तरह की अग्रणी पहल है, जो भविष्य में राष्ट्रीय स्तर पर एक अनुकरणीय मॉडल के रूप में स्थापित हो सकता है। हार्टफुलनेस संस्था ने डीजीपी कैलाश मकवाणा के नेतृत्व को करुणा, सेवा और मानवीय मूल्यों पर आधारित बताते हुए कहा कि मध्य प्रदेश पुलिस आज यह उदाहरण प्रस्तुत कर रही है कि अच्छी पुलिसिंग की शुरुआत भीतर से मजबूत और संतुलित पुलिसकर्मी से होती है।

## आया नगर हत्याकांड में बड़ी कामयाबी: क्राइम ब्रांच ने मुठभेड़ के बाद दो कुख्यात बदमाशों को किया गिरफ्तार

**एजेंसरी**

**नई दिल्ली।** दक्षिण दिल्ली के आया नगर इलाके में हुए सनसनीखेज हत्याकांड का खुलासा करते हुए क्राइम ब्रांच ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने मुठभेड़ के बाद दो कुख्यात अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इनमें नरेन्द्र उर्फ निट्टू शामिल है, जो चर्चित अपराधी नीरज फरीदपुरिया का शूटर बताया जा रहा है। आरोपितों के पास से भारी मात्रा में अवैध हथियार और कारतूस बरामद किए गए हैं। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपयुक्त हर्ष इदौरा ने प्रेस वार्ता कर बताया कि 30 नवंबर 2025 को आया नगर में डेयरी संचालक रतन लाल लोहिया की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। हमलावर करीब आधे घंटे तक घात लगाए बैठे रहे और जैसे ही रतन लाल मौके पर पहुंचे, ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। फॉरेंसिक जांच में सामने आया कि मृतक के शरीर में 69 गोलियां लगी थीं। इस जघन्य वारदात से पूरे इलाके में दहशत फैल गई थी। पुलिस जांच में इस हत्याकांड के पीछे रंदीप भाटी-नीरज फरीदपुरिया गैंग का हाथ सामने आया। पुलिस के मुताबिक, यह हत्या बदले की भावना से की गई थी। मई 2025 में मृतक के बेटे दीपक पर प्रॉपर्टी विवाद को लेकर व्यवसायी अरुण लोहिया की गोली मारकर हत्या करने का आरोप है। दीपक फिलहाल न्यायिक हिरासत में है। क्राइम ब्रांच की एजीएस टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि वांछित आरोपी द्वारका इलाके में मौजूद हैं। सूचना के आधार पर टीम ने घेराबंदी की। खुद को घिरा देख आरोपियों ने पुलिस पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी।

## महापौर ने केशव पुरम क्षेत्र का किया निरीक्षण, नागरिक सुविधाओं को बेहतर करने के दिए निर्देश

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह ने बी-3 ब्लॉक, केशव पुरम क्षेत्र का शिक्षा समिति के अध्यक्ष एवं क्षेत्रीय पार्षद योगेश वर्मा के साथ निरीक्षण किया। इस अवसर पर निगम के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान क्षेत्रीय नागरिकों ने महापौर के समक्ष साफ-सफाई, सार्वजनिक सुविधाओं, रखरखाव एवं अन्य स्थानीय मुद्दों से जुड़ी अपनी समस्याएं रखीं। महापौर ने प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी समस्याओं का समयबद्ध एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि नागरिकों की शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी।इस दौरान स्थानीय निवासियों ने डीडीए के एक खाली पड़े प्लॉट में लंबे समय से पड़ी गंदगी की ओर भी ध्यान आकर्षित किया, जिससे क्षेत्र में अस्वच्छता फैल रही थी। महापौर राजा इकबाल सिंह ने मामले का तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित विभाग को उक्त प्लॉट की तुरंत सफाई कराने और भविष्य में पुनः गंदगी न फैले, इसके लिए नियमित करें। शिक्षा समिति के अध्यक्ष योगेश वर्मा ने कहा कि क्षेत्र के समग्र विकास और नागरिक सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए दिल्ली नगर निगम द्वारा लगातार प्रयास किये जा

निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।महापौर ने कहा कि स्वच्छता, बेहतर नागरिक सुविधाएं और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना दिल्ली नगर निगम की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जमीनी स्तर पर कार्य करते हुए नागरिकों से निरंतर संवाद बनाए रखें और समस्याओं का स्थायी समाधान रहे है। निगम क्षेत्र में स्वच्छता, बुनियादी ढांचे और नागरिक सुविधाओं को और बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

इस निरीक्षण का उद्देश्य क्षेत्र में नागरिक सुविधाओं की स्थिति का जायजा लेना तथा स्थानीय निवासियों की समस्याओं को प्रत्यक्ष रूप से सुनकर उनके त्वरित समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाना था।

## निफ्ट ने आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाई, फीस में भी की कटौती

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए अपने विभिन्न स्नातक और परास्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन फॉर्म भरने की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। कपड़ा मंत्रालय की ओर से जारी विज्ञप्ति के मुताबिक, पहले की समय सीमा को संशोधित करते हुए, निफ्ट ने अब 13 जनवरी 2026 तक बिना किसी विलंब शुल्क के ऑनलाइन आवेदन स्वीकार करने का निर्णय लिया है। इसके अलावा, जो उम्मीदवार इस तारीख तक फॉर्म नहीं भर पाते हैं, वे 14-16 जनवरी 2026 तक विलंब शुल्क के साथ आवेदन कर सकते हैं। यह कदम अधिक से अधिक योग्य उम्मीदवारों को प्रवेश प्रक्रिया में भाग लेने का अवसर प्रदान करने के लिए उठाया गया है।

# धर्मेंद्र प्रधान ने शास्त्रीय भारतीय भाषाओं में 55 साहित्यिक कृतियों का किया लोकार्पण

**एजेंसरी**

**नई दिल्ली।** केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने राजधानी में शास्त्रीय भारतीय भाषाओं में प्रकाशित 55 साहित्यिक कृतियों का लोकार्पण किया। इनमें केंद्रीय भारतीय भाषा संस्थान (सीआईआईएल) के अंतर्गत शास्त्रीय भाषाओं के उत्कृष्टता केंद्रों द्वारा विकसित 41 पुस्तकें तथा केंद्रीय शास्त्रीय तमिल संस्थान (सीआईसीटी) द्वारा प्रकाशित 13 पुस्तकें और एक तिरुक्कुरल की भारतीय सांकेतिक भाषा (इंडियन साइन लैंग्वेज) श्रृंखला शामिल हैं। इन प्रकाशनों में कन्नड़, तेलुगु, मलयालम, ओड़िया और तमिल भाषाओं से संबंधित महत्वपूर्ण शैक्षणिक और शोधपरक कृतियां सम्मिलित हैं। इसके साथ ही तिरुक्कुरल का भारतीय सांकेतिक भाषा में प्रस्तुतीकरण समावेशी भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा रहा है। यह प्रयास देश की भाषायी विरासत को शिक्षा और अनुसंधान के केंद्र में लाने तथा सांस्कृतिक गौरव को सुदृढ़ करने की व्यापक राष्ट्रीय पहल का हिस्सा है।

इस अवसर पर अपने संबोधन में धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने भारतीय भाषाओं के संवर्धन और

संरक्षण के लिए व्यापक कार्य किया है। उन्होंने कहा कि अनुसूचित सूची में भाषाओं को शामिल करने से लेकर शास्त्रीय ग्रंथों के भारतीय भाषाओं में अनुवाद और मातृभाषा में शिक्षा को प्रोत्साहन देने तक निरंतर प्रयास किए गए हैं। उन्होंने कहा कि अनेक प्रयासों के बावजूद भारतीय भाषाएं समय की कसौटी पर खरी उतरी हैं।प्रधान ने कहा कि भारत लोकतंत्र की जननी है और भाषायी विविधता इसकी शक्ति है। उन्होंने समाज से आह्वान किया कि देश की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और साहित्यिक धरोहर को संरक्षित किया जाए तथा भावी पीढ़ियों तक पहुंचाया जाए। उन्होंने दोहराया कि सभी भारतीय भाषाएं राष्ट्रीय भाषाएं हैं और ये समाज को जोड़ने का कार्य करती हैं। उन्होंने कहा कि तिरुक्कुरल का भारतीय सांकेतिक भाषा में समावेशन समावेशी भारत की परिकल्पना को सशक्त करता है, जहां ज्ञान तक सभी की समान पहुंच सुनिश्चित हो। उन्होंने इसे भारत के बौद्धिक साहित्य में एक मूल्यवान योगदान बताया।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारतीय भाषाओं में शिक्षा की दिशा को आगे बढ़ाती है और भारत 'एकता में विविधता' का सजीव उदाहरण है। उन्होंने औपनिवेशिक काल की मैकाले मानसिकता का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय सभ्यता ने सदैव भाषाओं को संवाद और सांस्कृतिक सौहार्द के सेतु के रूप में देखा है। प्रधान ने भारतीय भाषा समिति, उत्कृष्टता केंद्रों, सीआईआईएल और सीआईसीटी को भारतीय भाषाओं के संवर्धन के लिए उनके प्रयासों पर बधाई और शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में उच्च शिक्षा सचिव विनीत जोशी, भारतीय भाषा समिति के अध्यक्ष चामू कृष्ण शास्त्री, सीआईआईएल के निदेशक प्रो. शैलेन्द्र मोहन, सीआईसीटी के निदेशक प्रो. आर. चंद्रशेखरन, सलाहकार (लागत) मनमोहन कौर सहित शिक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

## स्पेशल स्टाफ टीम ने शराब तस्कर को पकड़ा, 1550 क्वार्टर जब्त

**एजेंसी**

**नई दिल्ली ।** गणतंत्र दिवस से पहले अवैध शराब की तस्करी रोकने के लिए दिल्ली पुलिस के विशेष अभियान में बड़ी सफलता हाथ लगी है। पश्चिम दिल्ली जिले की स्पेशल स्टाफ टीम ने 31 कार्टन अवैध शराब जब्त की, जिसमें कुल 1550 क्वार्टर शराब शामिल थी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि मंगलवार शाम हरियाणा के नंबर प्लेट की एक गाड़ी केशवपुरम रिंग रोड से जेजे कॉलोनी, ख्याला की तरफ अवैध शराब लेकर आने वाली है, जिसके बाद स्पेशल स्टाफ टीम ने घेराबंदी कर तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान एक सफेद रंग की हुंडई आई-20 कार (हरियाणा नंबर) आती हुई दिखाई दी। स्पेशल टीम ने कार को रोकने का इशारा किया, लेकिन चालक भागने की कोशिश करने लगा। थोड़े पीछा करने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी की पहचान सुनील (27) निवासी गांव चुलियाना, पोस्ट ऑफिस सम्पला, जिला रोहतक, हरियाणा के रूप में हुई। कार की तलाशी में 23 कार्टन 'संतरा' देसी शराब (प्रत्येक कार्टन में 50 क्वार्टर) और 8 कार्टन 'रेस-7' विदेशी शराब (प्रत्येक में 50 क्वार्टर) बरामद हुई। शराब की यह खेप सोनीपत, हरियाणा से लाई गई थी। पुलिस ने शराब के साथ-साथ इस्तेमाल की गई हुंडई आई-20 कार को भी जब्त कर लिया।

पूछताछ में सुनील ने कबूल किया कि वह सोनीपत निवासी देवा नामक व्यक्ति के इशारे पर दिल्ली के विभिन्न शराब तस्करों को अवैध शराब सप्लाई करता था। उसने पहले भी 10-12 बार इसी तरह दिल्ली में शराब पहुंचाई थी और पकड़े जाने से बचने के लिए ज्यादातर सुबह के समय का चुनाव करता था। शराब और वाहन दोनों देवा ने ही उपलब्ध कराए थे।

उसने आगे बताया कि सुनील तय जगहों पर खेप छोड़ता था, जहां से स्थानीय तस्कर स्टॉक ले जाते थे। आरोपी का अब तक कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं मिला है, लेकिन सत्यापन जारी है। दिल्ली पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि थाना ख्याला में धारा 33/38/58 दिल्ली एक्साइज एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। इंस्पेक्टर राजेश मौर्या के नेतृत्व में एसआई मनीष, एएसआई ऋषि, एएसआई उमेश, हेड कांस्टेबल दिनेश, दीपक और कांस्टेबल दिनेश की टीम ने यह कार्रवाई अंजाम दी। पुलिस का कहना है कि गणतंत्र दिवस के मद्देनजर संगठित अपराध और अवैध शराब तस्करी पर लगाम कसने के लिए ऐसे अभियान जारी रहेंगे। इनके साथ के अन्य लोगों की गिरफ्तारी के लिए टीम का गठन किया जा रहा है।

# बांग्लादेश को भारत में ही खेलने होंगे वर्ल्ड कप मुकाबले

## आईसीसी ने वेन्यू बदलने की मांग खारिज की, नहीं खेले तो पॉइंट्स कटेंगे

**भोपाल (एजेंसी)।** रिपोर्ट्स के मुताबिक, इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (ICC) ने बांग्लादेश की उस रिक्वेस्ट को खारिज कर दिया है जिसमें उसने ICC मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 के अपने मैच भारत से बाहर शिफ्ट करने की मांग की थी। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) ने रविवार (4 जनवरी) को एक रिलीज़ जारी की, जिसमें बोर्ड ने कहा कि उसने ICC से औपचारिक रूप से रिक्वेस्ट की है कि भारत में होने वाले इस शॉर्टेस्ट-फॉर्मेट मेगा-इवेंट के ग्रुप C के मैच कहीं और शिफ्ट कर दिए जाएं। लेकिन मंगलवार रात (6 जनवरी) को ESPNCricinfo की एक रिपोर्ट के अनुसार, ICC ने BCB की रिक्वेस्ट को खारिज कर दिया है।

यह फैसला दोनों बॉडीज़ के बीच एक वर्चुअल मीटिंग में बताया गया, जिसमें ICC ने साफ कर दिया कि बांग्लादेश को टूर्नामेंट के लिए भारत आना होगा, नहीं तो पॉइंट्स गंवाने का खतरा रहेगा। सूत्रों के मुताबिक, ICC ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को बताया कि उठाई गई चिंताओं के बावजूद टूर्नामेंट का शेड्यूल और वेन्यू अपरिवर्तित रहेंगे। समझा जाता है कि ग्लोबल बॉडी ने BCB से कहा कि भारत में मैच खेलने से मना करने पर खेल से जुड़े नतीजे होंगे, जिसमें पॉइंट्स गंवाने की संभावना भी शामिल है। हालांकि, BCB सूत्रों ने कहा है कि उन्हें अभी तक रिजेक्शन की पुष्टि करने वाला कोई ऑफिशियल कम्युनिकेशन नहीं मिला है।

यह टकराव भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और BCB के बीच तनाव में तेज़ी से बढ़ोतरी के बाद हुआ है, जब बांग्लादेश के तेज़ गेंदबाज़ मुस्तफिजुर रहमान को इंडियन प्रीमियर लीग से रिलीज़ कर दिया गया था। BCCI ने कोलकाता नाइट राइडर्स से मुस्तफिजुर का कॉन्ट्रैक्ट खत्म करने के लिए कहा था, जिसका कारण 'चारों ओर के घटनाक्रम' बताया गया था। यह कदम बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की खबरों के बाद भारत में राजनीतिक विरोध के बीच उठाया गया था।

मुस्तफिजुर की रिहाई के बाद, BCB ने स्थिति का जायज़ा लेने के लिए एक इमरजेंसी मीटिंग बुलाई और बाद में ICC को लिखकर टी20 वर्ल्ड कप के लिए भारत आने पर अपने खिलाड़ियों की सुरक्षा और संरक्षा पर चिंता जताई। बांग्लादेश ने पहले के उदाहरणों का भी हवाला दिया, जिसमें BCB के डायरेक्टर फारूक अहमद ने अपनी रिक्वेस्ट के समर्थन में हाइब्रिड मॉडल के तहत ICC इवेंट्स में पाकिस्तान की भागीदारी का जिक्र किया।

जैसे-जैसे स्थिति गंभीर होती गई, बांग्लादेश ने देश में आने वाले IPL सीज़न के प्रसारण पर बैन लगाकर और कदम उठाए। इंडिया टुडे से पहले बात करते हुए, फारूक अहमद ने कहा था कि दोनों क्रिकेट बोर्ड के बीच संबंधों को खराब करने में राजनीति ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, इस बात पर ज़ोर देते हुए कि क्रिकेट से जुड़े मामले बड़े मुद्दों में उलझ गए हैं।

इस बीच, मुस्तफिजुर तेज़ी से आगे बढ़ गए हैं, IPL से बाहर होने के तुरंत बाद पाकिस्तान सुपर लीग में शामिल हो गए हैं। हालांकि ICC का रुख वर्ल्ड कप शेड्यूल में आखिरी समय में बदलाव करने की कम इच्छा दिखाता है, लेकिन औपचारिक कम्युनिकेशन की कमी ने लगातार अनिश्चितता के लिए जगह छोड़ दी है, और BCB ने अभी तक सार्वजनिक रूप से अपने अगले कदम की पुष्टि नहीं की है।

# 5 मार्च को सानिया चंडोक के साथ शादी के बंधन में बंधेंगे अर्जुन तेंदुलकर

**मुम्बई (एजेंसी)।** महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर की शादी तय हो गयी है। अर्जुन अपनी मंगेतर सानिया चंडोक के साथ शादी करेंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार शादी समारोह मार्च 2026 में होगा। रिपोर्ट के अनुसर अर्जुन और सानिया की शादी 5 मार्च 2026 को होगी, जबकि शादी से जुड़े कार्यक्रम 3 मार्च से शुरू हो जाएंगे। हालांकि, यह भव्य आयोजन होने के बावजूद पूरी तरह निजी रखा जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, शादी मुंबई में होगी और इसमें केवल परिवार के सदस्य, करीबी दोस्त और क्रिकेट जगत के कुछ लोग ही शामिल रहेंगे। अर्जुन और सानिया की सगाई अगस्त 2025 में हुई थी। इस खास अवसर पर केवल दोनों परिवारों के बेहद करीबी लोग ही मौजूद थे। अर्जुन की सगाई की पुष्टि खुद सचिन तेंदुलकर ने एक कार्यक्रम में की थी।

अर्जुन की होने वाली दुल्हन सानिया एक सफल उद्यमी हैं और एक प्रतिष्ठित कारोबारी परिवार से संबंध रखती हैं। वह मुंबई के बिजनेसमैन रवि घई की पोती हैं। अर्जुन ने घरेलू क्रिकेट में अपनी अलग पहचान बनाई है। मुंबई से अपने करियर की शुरुआत करने के बाद वह गोवा की ओर से एक गेंदबाजी ऑलराउंडर के रूप में खेलते हैं। अर्जुन, को हाल ही में आईपीएल टीम मुंबई इंडियंस से लखनऊ सुपर जायंट्स ने खरीद लिया है।

# स्टोक्स ने बनाया रिकार्ड, विलिस की बराबरी पर आये

**सिडनी (एजेंसी)।** इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एशेज क्रिकेट टेस्ट मैच के चौथे दिन दो विकेट लेने के साथ ही एक रिकार्ड अपने नाम कर लिया। इसी के साथ ही स्टोक्स सबसे अधिक विकेट लेने वाले इंग्लैंड के दूसरे सफल कप्तान बन गये हैं। इससे पहले पूर्व कप्तान बॉब विलिस ने ये उपलब्धि हासिल की थी। टेस्ट क्रिकेट में कप्तान के तौर पर उनके 77 विकेट हो गये हैं। वहीं विलिस ने भी कप्तान रहते इतने ही विकेट लिए थे।

ऐसे में इंग्लैंड के लिए कप्तान के तौर पर टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में स्टोक्स और विलिस संयुक्त रूप से पहले और दूसरे नंबर पर पहुंच गये हैं, जबकि तीसरे स्थान पर रे इलिंगवर्थ हैं, जिन्होंने कप्तान के तौर पर 51 विकेट लिए थे। वहीं चौथे खिलाड़ी गबी एलेन का है, जिन्होंने 42 विकेट अपने नाम किए थे। पांचवें नंबर पर जॉनी डगलस ने 37 विकेट जबकि इयान बॉथम ने कप्तान रहते 35 विकेट लिए थे। इस मैच में स्टोक्स 27.4 ओवर फेंकने के बाद पवेलियन लौट गए। यही कारण है कि वे समय पर बल्लेबाजी के लिए भी नहीं उतरे।

# सिडनी टेस्ट में बेथेल की शतकीय पारी के बाद भी इंग्लैंड पर हार का खतरा बरकरार

**सिडनी (एजेंसी)।** एशेज के पांचवे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच में भी ऑस्ट्रेलियाई टीम ने शिकंजा कस दिया है। ऐसे में अंतिम दिन इंग्लैंड की हार तय नजर आती है। इंग्लैंड टीम दूसरी पारी में भी मेजबान कंगारु गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पायी और 302 रनों पर ही उसने अपने 8 विकेट खो दिये हैं। केवल जैकेब बेथेल ने ही शानदार शतक लगाकर अपनी टीम की हार टाली। चौथे दिन का खेल समाप्त होने के समय बेथेल 142 रनों पर खेल रहे थे जबकि मैथ्यू पॉट्स अपना खाता नहीं खोल पाये थे।

इंग्लैंड की अब तक इस मैच में बढ़त केवल 119 रनों की है। इससे पहले आज सुबह ऑस्ट्रेलियाई टीम अपनी पहली पारी में 567 रनों पर आउट हुई। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी के आधार पर 167 रन की बढ़त मिली। वहीं इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 384 रन बनाए थे। अब देखना होगा कि अंतिम दिन इंग्लैंड के बल्लेबाज कितने रन बना पाते हैं।

चौथे दिन का आकर्षण बेथेल की बल्लेबाजी रही। अब देखना होगा कि वह अंतिम दिन कितने रन बनाते हैं। बल्लेबाजी के अनुकूल मानी जा रही सिडनी की पिच पर दूसरी पारी में इंग्लैंड के बल्लेबाज टिक नहीं पाये। केवल तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे बेथेल ही मैदान पर टिक पाये। इस बल्लेबाज ने 232 गेंद पर 15 चौकों की मदद से नाबाद 142 रन बनाए हैं। उनकी बेन डकेट 42 के साथ दूसरे विकेट के लिए 81, हैरी ब्रूक 46 के साथ 102, और जेमी स्मिथ 26 के साथ छठे विकेट के लिए उन्होंने 45 रन की साझेदारी की। वहीं अन्य बल्लेबाज एक के बाद एक आउट होते गये।

बेथेल तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए एशेज में 2001 के बाद शतक लगाने वाले इंग्लैंड के दूसरे बल्लेबाज बने हैं। इससे पहले ये उपलब्धि जोनाथन ट्रॉट के अलावा माइकल वॉन और मार्क बुचर के नाम है।

# सूर्यकुमार आउट होने का डर छोड़कर रन बनाने पर ध्यान दें : पोंटिंग

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने अगले माह शुरु होने वाले टी20 विश्वकप को लेकर भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव को जरुरी सलाह दी है। पोटिंग ने कहा कि सूर्यकुमार आउट होने का डर छोड़कर अपना स्वाभाविक खेल खेलें। सूर्या पिछले काफी समय से खराब फार्म से परेशान रहे हैं। उनकी कप्तानी में टीम जीतती रही है पर वह बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं जिससे वह दबाव में हैं। इसी को देखते हुए पोंटिंग ने कहा कि वह विकेट का डर छोड़कर खेलें। रन अपने आप आयेंगे। सूर्यकुमार दो साल पहले तक टी20 में नंबर एक स्थान पर थे पर पिछले कुछ समय में उनकी रैंकिंग भी नीचे आयी है। पिछले साल वह 21 मैचों में केवल 218 रन ही बना पाये हैं। उनका औसत 13.62 और स्ट्राइक रेट 123.16 का रहा है। जिसको देखते हुए फरवरी में होने वाले टी20 विश्वकप से पहले टीम प्रबंधन की चिन्ताएं बढ़ गयी हैं। पोंटिंग ने कहा कि सूर्यकुमार का पिछले कुछ समय से लय में नहीं होना परेशान करने वाली बात है। वह लंबे समय से भारतीय टीम के टी20 में महत्वपूर्ण खिलाड़ी रहे हैं। पोंटिंग ने कहा, 'सूर्यकुमार छह, आठ या दस गेंद खेलने के बाद ही अपना सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजी करते हैं। वह अपने पर भरोसा रखते हैं और अपने शॉट्स खेलने पर ध्यान देते हैं।'

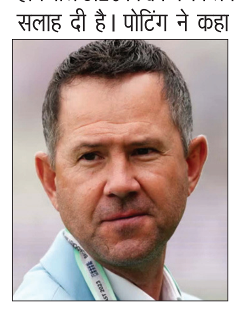

# अंडर-19 एकदिवसीय : वैभव ने दक्षिण अफीका के खिलाफ 10 छक्के लगाकर रिकार्ड बनाया

बेनोनी । भारतीय टीम की कप्तानी करते हुए वैभव सूर्यवंशी ने दक्षिण अफीका की अंडर-19 क्रिकेट टीम साथ जारी तीसरे एकदिवसीय मैच में 10 छक्के लगाकर एक नया रिकार्ड बनाया है। वैभव ने अपनी पारी में चौके से ज्यादा छक्के लगाए। दक्षिण अफीका ने इस मैच में टॉस जीतकर भारतीय टीम को बल्लेबाजी के लिए बुलाया। वैभन ने आरोन जॉर्ज के साथ पारी शुरु की। आरोन जहां आराम से खेल रहे थे, वहीं वैभव ने आक्रामक अंदाज दिखाते हुए तेजी से शतक लगाया। वैभव ने 74 गेंद पर 10 छक्के और 9 चौकों लगाकर 127 रन बना दिये। इस बल्लेबाज ने 63 गेंदों पर ही शतक लगा दिया। वहीं जॉर्ज ने भी शतकीय पारी खेली। वैभव ने पिछले मैच में भी मात्र 24 गेंद पर 10 छक्के और एक चौका लगाते हुए 68 रन बनाये थे। गौरतलब है कि साल 2025 में आईपीएल में डेब्यू के बाद से वैभव अपने आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जा रहे हैं। वैभव ने हर प्रारुप में तेज पारियां खेली हैं। आईपीएल में उनके नाम केवल सिर्फ 35 गेंद पर शतक का रिकार्ड है। वैभव ने भारतीय अंडर-19 टीम की ओर से भी शतक लगाए हैं।

# मलेशिया ओपनः पीवी सिंधू की जुझारू जीत, प्री-क्वार्टरफाइनल में बनाई जगह

**कुआलालंपुर (एजेंसी)।** लंबे समय तक चोट के कारण कोर्ट से दूर रहने के बाद वापसी कर रहीं भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधू ने बुधवार को मलेशिया ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट के महिला एकल के पहले दौर में संघर्षपूर्ण जीत दर्ज करते हुए प्री-क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया। पूर्व विश्व चैंपियन 30 वर्षीय सिंधू ने चीनी ताइपे की सुंग शुओ युन को 51 मिनट तक चले मुकाबले में 21-14, 22-20 से शिकस्त दी।

### चोट के बाद दमदार वापसी

सिंधू पिछले साल अक्टूबर में पैर की चोट से उबरने के लिए सभी BWF वर्ल्ड टूर प्रतियोगिताओं से हट गई थीं। इस मुकाबले में उन्होंने वापसी पर आत्मविश्वास भरा खेल दिखाया और कोर्ट पर अपनी लय को बखूबी संभाला।

### हेड-टू-हेड रिकॉर्ड मजबूत

विश्व रैंकिंग में 18वें स्थान पर काबिज सिंधू ने सुंग को करियर में दूसरी बार हराया और उनके खिलाफ अपना रिकॉर्ड 2-0 कर लिया। सिंधू की आक्रामकता और अनुभव निर्णायक साबित हुए।

### दूसरे गेम में दिखा असली संघर्ष

पहले गेम में सिंधू ने शुरुआत से ही दबदबा बनाया। उन्होंने 6-2 की बढ़त हासिल की और आसानी से पहला गेम अपने नाम कर लिया। हालांकि दूसरे गेम में कहानी बदली। सिंधू एक समय 4-11 से पीछे चल रही थीं, लेकिन उन्होंने जोरदार वापसी करते हुए स्कोर 13-13 से बराबर कर दिया। इसके बाद 28 वर्षीय सुंग ने 17-14 की बढ़त बनाई, मगर सिंधू ने हार नहीं मानी।

भारतीय खिलाड़ी ने फिर से वापसी करते हुए स्कोर 17-17 कर दिया और 20-20 के बाद लगातार दो अंक लेकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

### अगली चुनौती: टोमोका मियाजाकी

अब सिंधू का सामना प्री-क्वार्टरफाइनल में विश्व की नौवें नंबर की जापानी खिलाड़ी टोमोका मियाजाकी से होगा। मियाजाकी को अगले दौर में जगह तब मिली, जब वह मुकाबले में 21-19, 2-1 से आगे चल रही थीं और उनकी दक्षिण कोरियाई प्रतिद्वंद्वी सिम यू जिन चोट के कारण मैच से हट गईं।

### मिश्रित युगल में भारतीय जोड़ी बाहर

इस बीच, विश्व रैंकिंग में 17वें स्थान पर काबिज भारतीय मिश्रित युगल जोड़ी ध्रुव कपिला और तनीशा क्रास्टो को पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा। 56 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में वे अमेरिका की प्रेस्ली स्मिथ और जेनी गाई की जोड़ी से 15-21, 21-18, 15-21 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

# भारतीय टीम को भविष्य में हराना काफी कठिन रहेगा : गार्डनर

मुंबई। 9 जनवरी से शुरु हो रही महिला प्रीमियर लीग क्रिकेट के लिए भारत आयी ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेटर एशले गार्डनर के अनुसार जिस प्रकार से हाल में भारतीय टीम ने खेला है उससे वह पहले से काफी बेहतर हो गयी है। एकदिवसीय विश्वकप में टीम की जीत से भी ये साबित हुआ है। ऐसे में आने वाले समय में एकदिवसीय क्रिकेट में उसे हराना काफी कठिन रहेगा। गार्डनर ने कहा कि भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर का प्रदर्शन भी लगाकर अच्छा होता जा रहा है। गार्डनर प्रीमियर लीग के लिए गुजरात टाइटंस टीम में शामिल हैं। इस खिलाड़ी के अनुसार भारतीय टीम अगले पांच से दस साल में उन टीमों में से एक होगी जिसे हराना बेहद कठिन होगा। उन्होंने कहा, 'ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर होने के कारण में इससे दबाव में हूं पर जिस प्रकार से यहां महिला लीग शुरु होने के बाद खेल का तेजी से विकास हुआ है वह सुखद है। गार्डनर का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया टीम अभी भी महिला क्रिकेट में दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम है पर ये स्थान वह अधिक समय तक बरकरार नहीं रख पायेगी। उन्होंने कहा, 'मैं विश्व कप के बाद से मीडिया से कह रही हूं कि हमारी टीम अभी भी दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम है। विश्व कप भारी दबाव वाले पलों में आपकी जीत को तय करते हैं। अगर हम किसी भी टीम से लगातार दस मैच खेलें तो हम आठ या नौ जीत जाएंगे। भारत से सेमीफाइनल में मिली हार कठिन थी लेकिन हमें पता है कि भारतीय टीम कितनी काफी अच्छी है। महिला प्रीमियर लीग में गुजरात टीम में गार्डनर के अलावा बेथ मूनी, डैनी वियाट हॉज और सोफी डेवाइन जैसे अन्य विदेशी खिलाड़ी खेल रही हैं। गार्डनर ने कहा कि इसमें भाग ले रही विदेशी खिलाड़ियों पर अधिक दबाव रहना स्वाभाविक है।

# टीम20 विश्वकप में भारतीय हालातों के अनुभवों का लाभ मिलेगा : डीकॉक

केपटाउन । दक्षिण अफीका के विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डीकॉक की नजरें अब अगले माह भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्वकप क्रिकेट पर लगी हैं। डीकॉक ने कहा है कि उन्हें भारतीय हालातों में खेलने का लंबा अनुभव है जिसका लाभ उन्हें मिलेगा। उन्होंने कहा मैंने कई बार भारत का दौरा किया है, ऐसे में अगर मुझे सफलता नहीं मिली तो इसमें कोई गलती होगी। संन्यास से वापसी करने वाले इस बल्लेबाज ने कहा कि वह बिना किसी मानसिक दबाव के उतरते हैं जिसका लाभ उन्हें मिलता रहा है। डीकॉक ने टेस्ट और एकदिवसीय से संन्यास लेने के बाद अक्टूबर 2025 में नामीबिया के खिलाफ टी20 मैच से वापसी की थी। वह 2024 में टी20 विश्व कप के फाइनल के बाद से इस प्रारूप से बाहर रहे हैं जिससे उनके करियर पर सवाल उठते रहे हैं। डीकॉक ने यहां एसए20 मैच के बाद कहा, 'मुझे नहीं लगता कि मैंने कभी भी किसी तरह के दबाव के साथ क्रिकेट खेली है। मेरी मानसिकता हमेशा जीतने की रही है। अगर मैं मानसिक रूप से पूरी तरह तैयार होकर मैदान में उतरता हूं, तो मैं संतुष्ट रहता हूं, फिर चाहे मुझे सफलता मिले या नहीं।

# ऑस्ट्रेलियाई ओपन की इनामी राशि बढ़ी

मेलबर्न । 18 जनवरी से शुरु होने वाले साल के पहले ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट से पहले आयोजकों ने इसकी इनामी राशि बढ़ा दी है। इसकी पुरस्कार राशि 16 फीसदी बढ़ाई गई है। ऐसे में अब कुल इनामी राशि बढ़कर 111.5 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (तकरीबन 75 मिलियन अमेरिकी डॉलर) पहुंच गई है। यह अब तक की इस टूर्नामेंट की सबसे बड़ी पुरस्कार राशि है। अब पुरुष और महिला एकल वर्ग में जीतने वालों को 41.5 लाख ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (लगभग 2.8 मिलियन अमेरिकी डॉलर) पुरस्कार राशि दी जाएगी। ये पिछले साल 2025 की तुलना में 19 फीसदी ज्यादा है। वहीं क्वालीफाइंग टूर्नामेंट में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को भी 16 फीसदी अधिक राशि मिलेगी। आयोजकों के अनुसार मुख्य ड्रॉ में पहुंचने वाले सभी एकल और युगल खिलाड़ियों को कम से कम 10 फीसदी अधिक राशि मिलेगी। इस कदम से सभी प्रतियोगियों को लाभ मिलने के साथ ही टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा भी बढ़ेगी। ऑस्ट्रेलियाई ओपन के लिए आयोजकों ने सुरक्षा व्यवस्था सहित सभी जरुरी इंतजाम किये हैं। आयोजकों का माना है कि पुरस्कार राशि बढ़ने से इस टूर्नामेंट का रोमांच और बढ़ेगा।

# डब्ल्यूपीएल 2024 से पहले मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर का हुंकार, 'फिर से ट्रॉफी जीतना चाहते हैं'

**मुंबई (एजेंसी)।** महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के पिछले सीज़न में खिताब जीतने के बाद, मुंबई इंडियंस (एमआई) - इस प्रतियोगिता की सबसे सफल टीम - नए सीज़न में पूरी तरह से तैयार है और 9 जनवरी को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ पहले मैच में उतरेगी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम को विश्व कप में जीत दिलाने वाली एमआई की कप्तान हरमनप्रीत कौर उसी प्रेरणा को बरकरार रखते हुए लीग खिताब को बरकरार रखना चाहती हैं।

हरमनप्रीत ने बुधवार को मुंबई में मुंबई इंडियंस की प्री-सीज़न प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि जब भी मैं मैदान पर जाती हूं, मैं अपनी टीम से कहती हूं कि मैं ट्रॉफी जीतना चाहती हूं। यह नया साल डब्ल्यूपीएल से शुरू हो रहा है, और टूर्नामेंट में उतरने को लेकर मुझमें वही ऊर्जा और उत्साह है। हमारी सोच एक जैसी है। हमने पिछले तीन सीज़न में दो ट्रॉफियां जीती हैं। और हम इस सीज़न में अच्छा प्रदर्शन करके फिर से ट्रॉफी जीतना चाहते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि मुंबई में यह मेरी पहली नौकरी है, और मुझे लगता है कि यह शहर मेरे लिए बहुत खास है क्योंकि जब भी मुझे यहां खेलने का मौका मिलता है, मुझे हमेशा सकारात्मक परिणाम देखने को मिलते हैं। मुझे पूरा यकीन है कि यह सीजन भी बहुत खास होने वाला है। मुझे बहुत खुशी है कि पिछला सीजन और पिछला साल महिला क्रिकेट के लिए कुल मिलाकर बहुत अच्छा रहा। मुझे उम्मीद है कि इस साल की शुरुआत भी इसी तरह होगी।

इस बार, टीम दो बार की विश्व कप विजेता लीसा कीथली से भी प्रेरणा लेने की उम्मीद करेगी, जो मुंबई इंडियंस के साथ अपने पहले महिला क्रिकेट प्रीमियर लीग सीजन में कप्तानी संभाल रही हैं। लीसा ने महिला कोचों से बनी टीम के बारे में बताया और यह भी बताया कि यह मुंबई इंडियंस की विचारधारा और नीता एम. अंबानी के खेल के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने के दृष्टिकोण को कैसे दर्शाता है। उन्होंने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा किमहिला कोचों का पूरा पैनल होना मेरे लिए वाकई रोमांचक और एक नया अनुभव है। हम समर्थकों और दुनिया भर की महिलाओं को कोचिंग के क्षेत्र में महिलाओं को देखने का अवसर दे रहे हैं। इस दृष्टिकोण से, मैं इसे और अधिक बार देखना चाहूंगी और मुझे लगता है कि अगले 10 वर्षों में आप इसे देखेंगे।

# क्रिएटिविटी पर बोलीं टिस्का चोपड़ा

बॉलीवुड अभिनेत्री टिस्का चोपड़ा ने साल 2025 में निर्देशन की दुनिया में कदम रखा है। उन्होंने थ्रिलर फिल्म 'साली मोहब्बत' का निर्देशन किया है। यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज हुई थी और फिल्म को मिले-जुले रिएक्शन हासिल हुए थे। अब टिस्का का ऐसा मानना है कि बॉलीवुड में क्रिएटिव नजरिए से रिस्क लेने से मेकर्स काफी घबराते हैं और वो राइटिंग पर कम ध्यान देते हैं।

## हम लेखकों को प्रोत्साहित नहीं करते

बॉलीवुड बबल के साथ बातचीत के दौरान टिस्का चोपड़ा ने बॉलीवुड में होने वाले बदलावों को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने इंडस्ट्री की उन कमियों का भी जिक्र किया, जिन्हें दूर किया जाना बहुत जरूरी है। एक्ट्रेस ने कहा कि समस्या यह है कि हम फलों को पानी दे रहे हैं, जड़ों को नहीं, यानी लेखन को। काम बेहद सतही हो गया है। मैं यह नहीं कह रही कि कॉमर्शियल या कॉमेडी फिल्में नहीं बन सकतीं, लेकिन इसकी शुरुआत राइटिंग से होती है। आपको अपने लेखकों को समय देना होगा और उन्हें आइडियाज पर सोचने की आजादी देनी होगी, तभी वो कुछ क्रिएटिव सोच पाएंगे। लेकिन हम लेखकों को प्रोत्साहित नहीं करते। हम बहुत डरे हुए हैं। कोई भी जोखिम नहीं लेना चाहता। हम वही पुरानी चीजें थोड़े-बहुत बदलाव के साथ करते रहते हैं। दर्शक अब इसे पसंद नहीं कर रहे हैं। जब आप दृढ़ विश्वास के साथ कुछ नया लाते हैं, तो लोग उसे स्वीकार कर लेते हैं।

## कई और दिग्गज भी क्रिएटिविटी को लेकर कर चुके हैं बात

टिस्का चोपड़ा से पहले भी कई दिग्गज बॉलीवुड में लेखकों को प्रोत्साहित करने और राइटिंग में कुछ क्रिएटिव करने की बात कह चुके हैं। धुरंधर की तारीफ करते हुए अधिकांश लोगों ने फिल्म की राइटिंग और उसके तकीनीकि पक्ष की तारीफ की है। इनमें ऋतिक रोशन, सुधीर मिश्रा और राम गोपाल वर्मा जैसे दिग्गजों के नाम शामिल हैं।

# शालिनी पांडे ने की राहु-केतु पर बात

अभिनेत्री शालिनी पांडे इन दिनों अपनी आगामी फिल्म राहु केतु को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में वे वरुण शर्मा और पुलकित सम्राट के साथ स्क्रीन शेयर करती दिखेंगी। कुछ दिन पहले फिल्म का पहला मोशन पोस्टर रिलीज किया गया था और अब मेकर्स की तरफ से इसका लेटेस्ट टीजर रिलीज किया गया है। एक्ट्रेस ने अपने किरदार पर दिलचस्प खुलासा किया।

**शालिनी आप राहु और केतू के बीच फंस गई हैं?**

मैं फंसी नहीं हूं। मेरा किरदार बहुत अच्छा है।

**आपको इस किरदार में किस चीज ने प्रभावित किया?**

डायरेक्टर विपुल सर ने जब इसे नैरेट किया तो लगा यह बहुत अलग तरह की कॉमेडी है। यह इंटेलीजेंट कॉमेडी फिल्म है। मुझे लगता है कि मेरे लिए राइटर और डायरेक्टर एक हों तो मैं भी उन पर भरोसा कर सकूं।

**शालिनी, हर किरदार इंसान को काफी कुछ सिखाकर जाता है। आपको इस फिल्म ने क्या सिखाया?**

यह जो किरदार है, वह बहुत लेयर्ड है। आमतौर पर लड़कियों के किरदार बहुत ब्लैक एंड व्हाइट तरीके से देखते हो। मुझे यह किरदार करते हुए बहुत फ्री फील हुआ। विपुल सर (विपुल विग) को इसके लिए शुक्रिया कि उन्होंने इस रोल को लिखा और मुझे इसे प्ले करके बहुत मजा आया।

**फिल्म का नाम क्योंकि राहु केतू है, क्या आप एस्ट्रोलॉजी में यकीन रखती हैं? क्या आपने कभी ऐसा पढ़ा कि आज मेरी राशि में क्या लिखा है?**

जब अच्छी चीजें होती हैं तो मैं भरोसा कर लेती हूं। बाकी मैं पढ़ती नहीं हूं। मेरी मम्मी इतनी स्वीट हैं। जब वो मेरे पास आती हैं और कुछ करने को बोलती हैं तो मैं उनकी खुशी के लिए कर लेती हूं।

**क्या सोशल मीडिया पर प्रेशर फील होता है?**

सोशल मीडिया और मोबाइल के साथ रिलेशनशिप अलग चीज है। मेरा और स्क्रीन का रिलेशन वहीं तक है, जहां तक मेरा काम है। मैं अपने दर्शकों से रूबरू होती हैं सोशल मीडिया से, लेकिन मैंने अपना दायरा बना रखा है। मेरा रिश्ता सोशल मीडिया से बहुत अच्छा है।

**क्या आप पब्लिक का रिएक्शन देखने के लिए छिपकर हॉल में फिल्म देखने गए हो लोगों के बीच जाकर?**

हर एक्टर ऐसा करता है। हमने कितने सीन लोगों के बीच जाकर देखे हैं। हर एक्टर उस हाइप के लिए जीता है। मैंने अर्जुन रेड्डी के टाइम यह बहुत किया है। यह बहुत सुंदर फीलिंग है।

**आपनी फिल्म राहु केतू के बारे में क्या कहना चाहेंगी?**

यह बहुत इमोशनल इंटेलीजेंस फिल्म है। सब इस फिल्म के साथ कुछ न कुछ रिलेट कर सकते हैं।

# जल्द रिलीज होगा कुणाल खेमू स्टारर सिंगल पापा का दूसरा सीजन

कुणाल खेमू की हालिया रिलीज वेब सीरीज सिंगल पापा को दर्शकों और क्रिटिक्स ने जमकर सराहा था। अब जल्द ही इस सीरीज का दूसरा पार्ट रिलीज होने वाला है। नेटफ्लिक्स ने हाल ही में इसकी आधिकारिक घोषणा की है।

## नेटफ्लिक्स ने किया सीजन 2 का एलान

सोमवार को नेटफ्लिक्स ने अपने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आने वाली सीरीज सिंगल पापा 2 की घोषणा की। उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिये यह जानकारी दर्शकों को दी। इसे शेयर करते हुए नेटफ्लिक्स ने लिखा 'बधाई हो, सीजन 2 होने वाला है।' हालांकि, ओटीटी प्लेटफॉर्म ने अब तक इसकी रिलीज डेट अनाउंस नहीं की।

## फैंस ने की यह खास अपील

नेटफ्लिक्स की इस पोस्ट पर सीरीज के कई फैंस ने खास अपील की है। एक यूजर ने कमेंट करके लिखा, 'इस बार दया शेट्टी का रोल ज्यादा रखना..'। वहीं कई फैंस ने इस खबर पर खुशी भी जाहिर की कि इस सीरीज का दूसरा पार्ट आ रहा है। कइयों ने लिखा कि वो सीजन के लिए बेहद उत्साहित हैं।

## नजर आएंगे ये बड़े कलाकार

यह सीरीज इशिता मलहोत्रा और नीरज उधवानी के जगरनॉट प्रोडक्शंस के बैनर तले बनाई गई है। इसे शशंक खैतान, हितेश केवल्या और नीरज उधवानी ने ही निर्देशित किया है। सीरीज में कुणाल खेमू, प्राजक्ता कोली, मनोज पहवा, आयशा रजा, नेहा धूपिया, सुहेल नय्यर, दयानंद शेट्टी और ईशा तलवार समेत कई कलाकार नजर आएंगे।

## पहले सीजन में क्या थी कहानी

सिंगल पापा की कहानी एक ऐसे तलाकशुदा इंसान गौरव गहलोत की है जिसकी कार में कोई बच्चा छोड़ जाता है। इसके बाद गौरव उस बच्चे को पालना चाहता है मगर परिवार उसके लापरवाह होने की चलते उसके इस फैसले का साथ नहीं देता। आगे जाकर गौरव उस बच्चे को अकेले संभालता है। अब गौरव के जीवन में क्या नए बदलाव होंगे, यह कहानी दर्शकों को इसके दूसरे भाग में देखने को मिलेगी।

# कभी खुशी कभी गम 2 के सीक्वल की तैयारी में करण जौहर!

**कभी खुशी कभी गम 2 को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। दावा किया जा रहा है कि करण जौहर इस मूवी से बतौर डायरेक्टर कमबैक करने जा रहे हैं। 25 साल पहले आई इस मूवी का सीक्वल कब बनेगा और कौन होगा, जानिए-**

## कभी खुशी कभी गम 2 के बारे में जानकारी सामने आई है

साल 2001 में करण जौहर की डायरेक्टेड फिल्म कभी खुशी कभी गम रिलीज हुई थी। इसे यश जौहर ने प्रोड्यूस किया था और 3 घंटे 30 मिनट लंबी इस मूवी को लोगों का भरपूर प्यार भी मिला था। इसके गाने आज भी लोगों के जुबां पर बैठे रहते हैं। अब खबर है कि इस मूवी का पार्ट-2 भी बना रहे हैं। और इसके जरिए ही वह डायरेक्शन में कमबैक कर रहे हैं। चर्चा ये भी है कि प्रोजेक्ट की स्क्रिप्ट भी फाइनलाइज हो गई है और जल्द ही इसकी शूटिंग शुरू हो सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक, एक सोर्स ने बताया है कि रॉकी और रानी की प्रेम कहानी जैसी रोमांटिक फैमिली कॉमेडी से मिली अपार सफलता के बाद करण जौहर अपनी अगली फैमिली-ड्रामा जॉनर मूवी के साथ वापसी करने का प्लान बना रहे हैं। कहा ये भी जा रहा है कि अब तक की उनकी सबसे बजट की फिल्म होगी और नए साल के शुरुआत में स्क्रिप्ट फाइनल करके उन्होंने लोगों की एक्साइटमेंट बढ़ा दी है।

खबरों के मुताबिक, इस फिल्म को धर्मा प्रोडेक्शन के बैनर तले बड़े पैमाने पर सिनेमाघरों में रिलीज करने की प्लानिंग हो रही है। प्री-प्रोडक्शन का काम 2026 के छमाही के आसपास शुरू होने की उम्मीद है। और शूटिंग साल के अंतर तक शुरू होने की संभावना है। एक सोर्ट ने ये भी बताया है कि ये एक हाई-ऑक्टेन फैमिली ड्रामा मूवी है। जिसमें बहुत रोमांटिक और इमोशनल एंगल भी है।

## कभी खुशी कभी गम 2 की कास्ट

फिल्म की कास्ट के बारे में ये बताया गया है कि इसमें दो मेन लीड एक्टर और दो मेन लीड एक्ट्रेस होंगी। कास्टिंग का प्रॉसेस भी जल्द शुरू होगा। यह धर्मा प्रोडक्शंस की सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली बड़ी फिल्म होगी। इसका नाम कभी खुशी कभी गम 2 होगा। लेकिन पुष्टि नहीं हुई है। कभी खुशी कभी गम में शाहरुख खान, काजोल, ऋतिक रोशन, करीना कपूर, अमिताभ बच्चन और जया बच्चन जैसे दिग्गज कलाकार थे। 14 दिसंबर, 2001 में ये रिलीज हुई थी और बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी।

# क्या 'डियर कॉमरेड' के हिंदी रीमेक में नजर आएंगे सिद्धांत चतुर्वेदी और प्रतिभा रांटा? एक्टर्स ने बताई सच्चाई

फिल्म 'गली बॉय' से सुर्खियों में आए अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'वी शांताराम' को लेकर चर्चाओं में हैं। हालांकि, इस बीच पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर ये चर्चा तेज है कि सिद्धांत चतुर्वेदी अभिनेत्री प्रतिभा रांटा के साथ विजय देवरकोंडा की फिल्म 'डियर कॉमरेड' के हिंदी रीमेक में नजर आएंगे। दोनों स्टार्स की कास्टिंग को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चाएं फैलने लगीं। अब दोनों स्टार्स ने खुद इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए सभी तरह की चर्चाओं पर विराम लगा दिया है।

## फिलहाल कोई रीमेक नहीं

सिद्धांत चतुर्वेदी ने सबसे पहले इन अफवाहों पर अपना रुख स्पष्ट किया। 'डियर कॉमरेड' में अपनी कास्टिंग की खबरों को खारिज करते हुए सिद्धांत ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की। इस स्टोरी में अभिनेता ने लिखा, 'दोस्तों, मैं स्पष्ट कर दूं कि यह सच नहीं है। अब मेरे लिए कोई रीमेक नहीं, हालांकि मैं मूल फिल्म और अभिनेताओं का प्रशंसक हूं, बहुत सारा प्यार और सम्मान। धन्यवाद।' इस स्टोरी के जरिए सिद्धांत ने इन खबरों पर तो विराम लगाया ही, साथ ही ये भी स्पष्ट कर दिया कि वो फिलहाल अब किसी भी रीमेक फिल्म में काम नहीं करना चाहते।

## प्रतिभा रांटा के साथ काम करना चाहते हैं सिद्धांत

हालांकि, सिद्धांत ने इस दौरान प्रतिभा रांटा के साथ काम करने की इच्छी भी जताई। अपनी स्टोरी में उन्होंने आगे लिखा, 'मैं बेहद प्रतिभाशाली प्रतिभा रांटा के साथ किसी ऐसे प्रोजेक्ट पर काम करना चाहूंगा, जो नई कहानी हो। इसका बेसब्री से इंतजार है।' जाहिर है कि सिद्धांत किसी रीमेक की बजाय एक नई कहानी पर काम करना चाहते हैं।

## सिद्धांत आखिरी बार 'धड़क 2' में नजर आए थे

वर्कफ्रंट की बात करें तो सिद्धांत को आखिरी बार 'धड़क 2' में देखा गया था। समीक्षकों द्वारा सराही गई ये फिल्म तमिल फिल्म 'परियेरुम पेरुमल' का रीमेक थी। जबकि प्रतिभा रांटा आखिरी बार 'लापता लेडीज' में ही नजर आई थीं। अब वो द रिवोल्यूशनरीज नाम की वेब सीरीज में नजर आएंगी।

## प्रतिभा रांटा ने भी दिया रिएक्शन

सिद्धांत चतुर्वेदी की तरह ही प्रतिभा रांटा ने भी 'डियर कॉमरेड' में अपनी कास्टिंग की चर्चाओं पर प्रतिक्रिया दी। हालांकि, एक्ट्रेस ने इन खबरों का खंडन या इनकी पुष्टि नहीं की, लेकिन उन्होंने अपने नाम पर फैलाई जा ही गलत खबरों पर जरूर अपनी प्रतिक्रिया दी। एक्ट्रेस ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, 'मैं सभी मीडिया पेजों से विनम्रतापूर्वक अनुरोध करती हूं कि कृपया किसी भी अपुष्ट जानकारी को प्रकाशित या प्रसारित करने से बचें। आधिकारिक घोषणा का इंतजार करें। मेरे साथ काफी समय से ऐसा हो रहा है, कई ऐसे प्रोजेक्ट्स में जिनसे मैं जुड़ी नहीं हूं, जिससे अक्सर अनावश्यक भ्रम पैदा होता है। इस मामले में आपकी समझ, सहयोग और निरंतर समर्थन के लिए मैं वास्तव में आभारी रहूंगी।' जाहिर है कि प्रतिभा रांटा ने सिद्धांत की तरह साफ तौर से इस बात से इंकार नहीं किया कि वो रीमेक में नजर नहीं आएंगी। बल्कि उन्होंने आधिकारिक घोषणा होने का इंतजार होने की बात कही है।

# एसएमएस की बीमारी युवाओं पर भारी

बिना बात की बात करने में माहिर युवाओं को एसएमएस की लत महंगी साबित हो रही है। इससे उनकी जेब तो ढीली हो ही रही है, उनकी रातों की नींद हराम होने के साथ ही मानसिक शांति भी गायब सी होती जा रही है। इस समस्या से सबसे ज्यादा पीड़ति हो रहे हैं टीनएजर्स, क्योंकि एसएमएस का चस्का उनमें सबसे ज्यादा है। एसएमएस की लतों से मानसिक रूप से परेशान और बैचेन अनेक युवा इन दिनों मनोचिकित्सकों के पास पहुंच रहे हैं।

एसएमएस की वजह से क्या-क्या परेशानियां आ रही हैं और इनसे किस तरह निजात पाई जा सकती है, जानें एक्सपर्ट सलाह पर आधारित जितेंद्र सूर्यवंशी की इस रिपोर्ट में। कंपनियों द्वारा कम पैसे में दी गई एसएमएस की सुविधा युवाओं के लिए दुविधा साबित हो रही है। मनोचिकित्सकों के पास पहुंच रहे ज्यादातर मामलों में यह बात सामने आई है कि एसएमएस की लत मानसिक शांति और सेहत के लिए खतरनाक साबित हो रही है। इससे क्रोध बढ़ने के अलावा बैचेनी और अनिद्रा जैसी समस्याएं हो रही हैं। यही नहीं, एसएमएस का लगातार प्रयोग करने वाले युवाओं में अवसाद के साथ ही डर की भावना भी पैदा हो रही है। दरअसल, एसएमएस के जरिए दोस्तों से हर वक्त संपर्क में रहने के चलते युवाओं की दिनचर्या पूरी तरह गड़बड़ा गई है, इससे उनकी पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है। देर रात तक मोबाइल में संदेश के माध्यम से बात करने के कारण अधिकांश युवा गहरी नींद भी नहीं ले पा रहे हैं। कुछ रोचक मामलों में यह भी शामिल है कि अधिकांश युवा अक्सर अपने मोबाइल को इसलिए देखते रहते हैं कि शायद कोई एसएमएस आया हो, लेकिन प्राय: उनके लिए कोई एसएमएस नहीं होता। कई युवा तो ऐसे भी हैं जिन्हें अपने सहपाठियों से एसएमएस का जवाब नहीं मिलने पर वह निराशा और चिंता में भी डूब गए हैं, इससे उनके मन में एक तरह का अवसाद घर कर गया है कि कोई उनके संपर्क में रहना पंसद नहीं कर रहा है।

युवाओं से बातचीत में यह खुलासा हुआ कि वह बिना किसी वाजिब वजह के प्रतिदिन 150-200 तक एसएमएस कर देते हैं। इस मामले में टीनएजर्स युवतियां लड़कों से कहीं आगे हैं, क्योंकि लड़के जहां 50-100 एसएमएस ही कर पाते हैं, जबकि लड़कियां रोजाना 200 एसएमएस तक करती हैं। मजे की बात यह है कि एसएमएस के इस सिलसिले में बिना बात की बात या यूं कहें कि टाइम पास करने के लिए बेतुकी बातें ही होती हैं। इसमें सुबह से लेकर रात्रि तक की रूटीन बातें, पसंद-नापसंद, हॉबी, गपशप, घुमने-फिरने तक की बातें शामिल हैं।

### यह समस्याएं आ रहीं सामने

मनोचिकित्सक रूमा भट्टाचार्य ने बताया कि फिलहाल एसएमएस की लत से परेशान हो चुके युवाओं के जो मामले उनके पास आ रहे हैं उनमें सबसे ज्यादा शिकायतें अनिद्रा, अवसाद, कम भूख, ब्रेन टयूमर, गुस्सा, बैचेनी और क्रोधित होने जैसे लक्षण दिखाई दे रहे हैं।

उन्होंने बताया कि उनके पास आने वाले ज्यादातर युवाओं में यह शिकायत आम है कि वह सोते समय मोबाइल अपने पास में ही रखते हैं, इससे वह पूरी नींद नहीं ले पाते, क्योंकि एसएमएस आने या मोबाइल पर कॉल आते ही उनकी नींद खुल जाती है। प्राय: एसएमएस मिलने पर युवा नींद तोड़कर उसे पढ़ते हैं, जिससे उनकी नींद प्रभावित हो रही है।

ज्यादातर युवाओं में यह शिकायत भी है कि वह मैसेज की आशंका से हर कुछ ही सैकंड के बाद अपना मोबाइल देखते हैं और लगातार मैसेज टाइप करने की वजह से उनके अंगूठे और कलाई के बीच दर्द रहता है।

इसी तरह वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉ आरएन साहू ने बताया कि कुछ मामले ऐसे भी हैं जिनमें युवाओं ने स्वीकार किया है कि यदि वह एसएमएस करते हैं और रिप्लाई नहीं मिलता तो वह बैचेन हो जाते हैं और उनमें हीनभावना आने लगती है। इस स्थिति को टेक्स्टाफ्रेनिया कहा जाता है। उन्होंने बताया किए ऐसे मामले आए दिन सामने आ रहे हैं।

### ऐसे पाएं निजात

वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉ आरएन साहू कहते हैं कि इस समस्या से छुटकारा पाने का बेहतर रास्ता तो यही है कि मोबाइल का उपयोग कम से कम किया जाए। एसएमएस ही नहीं, बल्कि बातचीत में भी इसका उपयोग सीमित हो, क्योंकि यह सेहत के लिए बेहद खतरनाक साबित हो सकता है।

युवाओं को चाहिए कि वह जरूरी होने पर ही एसएमएस करें। एसएमएस को गप्पबाजी या टाइम पास का माध्यम न बनाएं। जितनी भी बातें करनी है वह मिलकर करें। खासकर देर रात तक एसएमएस से बात करने से बचें एवं सोते समय मोबाइल अपने पास में न रखें, बेहतर होगा कि सोने से पहले मोबाइल बंद कर दें।

## अकेलापन मिटाने का जरिया

एक मेडिकल स्टूडेंट बताते हैं कि वह रोजाना 100 से अधिक एसएमएस कर देते हैं, सिर्फ इसलिए कि उन्हें एसएमएस से बातें करना अच्छा लगता है, टाइम पास हो जाता है और अकेलेपन से भी मुक्ति मिल जाती है। स्टूडैंट ने यह स्वीकार करते हैं कि इससे उनकी पढ़ाई बेहद प्रभावित हुई है और नींद भी उड़ गई है, क्योंकि कई बार उन्हें नींद में भी ऐसा लगता है कि मोबाइल पर कोई एसएमएस आया है, इससे नींद खुल जाती है।

इंजीनियरिंग के स्टूडेंट रूपेश त्यागी का कहना है कि मेरे लिए एसएमएस नए-नए दोस्त बनाने का जरिया है और मैं इसके लिए हमेशा एसएमएस का सहारा लेता हूं, क्योंकि यह सस्ता भी है। लेकिन फिलहाल वह एसएमएस से बेहद परेशान हो चुके हैं, उनका कहना है कि शुरू में तो कोई परेशानी नहीं थी, लेकिन अब इतने अधिक एसएमएस आने लगे हैं कि मोबाइल देखकर ही सिरदर्द होने लगता है और मैं कभी-कभी एसएमएस भेजने वाले दोस्तों पर क्रोधित हो जाता हूं।

# जुकाम में खूब खाएं, बुखार में नहीं

एक कहावत है, फीड ए कोल्ड, स्टार्व ए फीवर। यानी जुकाम के समय खूब खाओ और बुखार के समय भूखे रहो। लगता है इस कहावत में कुछ दम है। भरपेट खाने और भूखे रहने के असर शरीर के प्रतिरक्षा तंत्र पर एकदम अलग-अलग होते हैं। वैसे डॉक्टर उक्त कहावत को ज्यादा महत्व नहीं देते। एम्सटर्डम के एकेडमिक मेडिकल सेंटर में किए गए अनुसंधान से कुछ रोचक परिणाम प्राप्त हुए हैं। पता चला है कि भरपेट भोजन करने से प्रतिरक्षा तंत्र का एक पक्ष प्रेरित होता है। यह जुकाम पैदा करने वाले वायरसों का सफाया करता है, जबकि भूखे रहने से प्रतिरक्षा तंत्र का वह पक्ष सक्रिय होता है, जो बुखार के लिए उत्तरदायी बैक्टीरिया का सामना करता है। सेंटर के वैज्ञानिक गिस वान डेन ब्रिन्क और उनके साथियों ने एक क्रिसमस दावत के दौरान अतिथियों के रक्त के नमूने प्राप्त किए। वे देखना चाहते थे कि क्या प्रतिरक्षा तंत्र पर अल्कोहल का कोई असर होता है? पता चला कि अल्कोहल का तो कोई असर नहीं होता, लेकिन भोजन का असर अवश्य होता है। यह देखकर वैज्ञानिकों ने छह लोगों से अनुरोध किया कि वे एक रात भूखे रहें और फिर अगले दिन सुबह प्रयोगशाला में आएं। इन्हीं लोगों को एक बार तरल भोजन देकर भी परीक्षण किए गए। देखने में आया कि तरल भोजन के लगभग 6 घंटे बाद उनके खून में गामा इंटरफेरॉन की मात्रा सामान्य से चौगुनी हो गई थी। गामा इंटरफेरॉन उन तमाम कोशिकाओं को नष्ट करती है, जिसमें कोई विषाणु (वायरस) घुस चुका हो। यह प्रतिरक्षा मूलत: वायरसों के विरुद्ध काम करती है। लगता है कि भरपेट भोजन इसे बढ़ावा देता है। दूसरी ओर, जब इन्हें सिर्फ पानी पिलाया गया तो उनमें इंटरफेरॉन की मात्रा में तो थोड़ी सी कमी आई मगर एक अन्य रासायनिक संदेशवाहक इंटरल्यूकीन-4 की मात्रा चौगुनी हो गई। इंटरल्यूकीन-4 हमारी कोशिकाओं के बाहर मंडराते रोगजनक तत्वों पर हमला करता है। बैक्टीरिया आमतौर पर यही करते हैं, कोशिकाओं के बाहर टहलते रहते हैं। इनमें से कई बैक्टीरिया बुखार के कारक हैं। वैसे ब्रिन्क ने चेतावनी दी कि यह एक बहुत छोटा सा अध्ययन है। लोगों को इसके आधार पर अपने तौर-तरीके बदलने की उतावली नहीं करनी चाहिए। वैसे एक अन्य अध्ययन ने भी इस निष्कर्ष की पुष्टि की है। एम्सटर्डम के ही फ्री यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल में किए गए इस अध्ययन में पता चला है कि ग्लूटैमीन नामक एक अमीनो अम्ल भी इंटरफेरॉन जैसी प्रतिरक्षा को बढ़ावा देता है।

# अगर खुजली से हैं परेशान तो इन्हें आजमाइए

खुजली एक त्वचा रोग है, जिससे व्यक्ति काफी परेशान और निराश हो जाता है। खुजली के लिए सबसे कारगर उपाय है तेल की मालिश जिससे रूखी और बेजान त्वचा को नमी मिलती है। चलिए जानते हैं खुजली के कुछ घरेलू इलाज।

1. खुजली होने पर प्राथमिक सावधानी के तौर पर सफाई का पूरा ध्यान रखिए।
2. साबुन का प्रयोग जितना भी हो सकता है कम कर दें और सिर्फ मृदु साबुन का ही प्रयोग करें।
3. कभी कभी त्वचा को सुगंधित पदार्थों, क्रीम, लोशन, शैंपू, जूतों या कपड़ों में पाए जाने वाले रसायनों से भी एलर्जि हो जाती है। इसलिए सही तरीके का लोशन इत्यादि ही लगाएं।
4. अगर आपको कब्जा है तो उसका भी इलाज करवाएं।
5. हफ्ते में दो बार मुल्तानी मिट्टी और नीम की पत्ती का लेप लगाएं, उसके बाद साफ पानी से शरीर को धो लें।
6. थोडा सा कपूर लेकर उसमें दो बड़े चम्मच नारियल का तेल मिलाकर खुजली वाले स्थान पर नियमित लगाने से खुजली मिट जाती है। हां, तेल को हल्का सा गरम करके ही कपूर में मिलाए।
7. यदि जनेंद्रिय पर खुजली की शिकायत हो, तो गर्म पानी में फिटकरी मिलाकर उसे लगाएं।
8. नारियल तेल का दो चम्मच लेकर उसमें एक चम्मच टमाटर का रस मिलाइए। फिर खुजली वाले स्थान पर भली प्रकार से मालिश करिए। उसके कुछ समय बाद गर्म पानी से स्नान कर लें। एक सप्ताह ऐसा लगातार करने से खुजली मिट जाएगी।
9. यदि गेहूं के आटे को पानी में घोल कर उसका लेप लगाया जाए, तो विविध चर्म रोग, खुजली, टीस, फोडे-फुंसी के अलावा आग से जले हुए घाव में भी राहत मिलती है।
10. सवेरे खाली पेट 30-35 ग्राम नीम का रस पीने से चर्म रोगों में लाभ होता है, क्योंकि नीम का रस रक्त को साफ करता है।
11. खुजली से परेशान लोगों को चीनी और मिठाई नहीं खानी चाहिए। परवल का साग, टमाटर, नीबू का रस आदि का सेवन लाभप्रद है।

# वजन कम ना होने के पांच मुख्य कारण

अगर आपको ऐसा लगता है कि आपके बार-बार जिम जाने से भी आपके वजन में कोई परिवर्तन नहीं दिख रहा है, तो इसके पीछे भी कई कारण हो सकते हैं। पूरी तरह से वजन कम करने के लिए कई ऐसे उपाए हैं जो काफी कारक हैं। जिनमें से सही तरीके से लिया गया आहार और व्यायाम सर्वक्षेष्ठ स्थान रखता है। पर इसके अलावा भी ऐसे और भी कारण हो सकते हैं जिनकी वजह से आपके वजन में कोई परिवर्तन देखने को नहीं मिलता। चलिए बात करते हैं इन्हीं कारणों की।

**पांच महत्तवपूर्ण कारण क्या हैं-**

1. **अनुचित डाइट प्लैन:** आपको जरुरत है ऐसी आहार योजना कि जो खास आपके शरीर की जरुरत के हिसाब से तैयार की गई हो। इसको तैयार करने के लिए यह देखना बहुत जरुरी है कि आप कौन सा कार्य करते हैं और आपकी रोज़ की दिनचर्या कैसी है। अगर आप रोज़ जिम जाते हैं और वापस घर पर आकर दिन भर सोते रहते हैं तो किसी भी प्रकार का डाइट प्लैन अपको पतला नहीं कर पाएगा।
2. **ब्रेकिगं प्वांइट:** यहां पर ब्रेकिगं प्वांइट हम उसे कहते हैं, जिस समय ब्यक्ति का वजन कम होना शुरू हो जाता है। अगर आप ऐसा सोंचते हैं कि एक्सरसाइज करने के तुरंत बाद ही आपका वजन कम होने लगेगा तो ऐसा नहीं होता। सबसे पहले शरीर में से पानी, फिर ऊर्जा और अंत में वसा कम होना शुरु होता है। हर ब्यक्ति का ब्रेकिगं प्वांइट अलग अलग होता है। जहां कई लोग चार ही दिनों में किलो भर वजन कम कर लेते हैं, वहीं पर कुछ लोगों का वजन दो हफ्ते बाद भी वैसा ही रहता है। इसलिए आपको कभी भी हिम्मत नहीं हारनी चाहिए।
3. **व्यायाम की सही योजना:** अगर आप काफी समय से सिर्फ वही पुरानी एक्सरसाइज कर रहे हैं तो आपके शरीर को उसकी आदत हो जाएगी। इसलिए आपको अपनी एक्सरसाइज को कुछ कुछ दिनों या महीनों पर परिवर्तित कर लेना चाहिए।
4. **कार्डियो और वेट ट्रेनिगं का उचित मिश्रण:** वर्कआउट हमेशा इन्ही दो महत्वपूर्ण भागों में बंटा होता है। आपको वजन कम करने के लिए हमेशा 80 प्रतिशत कार्डियो करना चाहिए। जिसमें ट्रेडमिल, साइकिलिगं और जौगिगं शामिल होती है। वेट ट्रेनिगं मासपेशियों को टोन करने के लिए किया जाता है।
5. **हार्मोनल असंतुलन:** अगर फिर भी आपका वजन कम होने का नाम नहीं ले रहा है तो शायद शरीर में आंतरिक रूप से ही कोई समस्या हो। थाइरॉइड ग्लैन्ड के सही से काम ना कर पाने की वजह से भी वजन कम नहीं होता चाहे आप कितनी भी कोशिश क्यूं ना कर लें।